THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
vaartha hindi
@vaartha_hindi
vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30अंक : 13 (निजामाबाद, विशाखापट्टणम, हैदराबाद, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु. 13 2082 गुरुवार, 10 अप्रैल -2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ 16 मूल्य: 8 रुपये

बिहार में बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर में भीषण गर्मी के बीच बिहार में बिजली गिरने से 3 जिलों में 10 लोगों की मौत हो गई है। आज बुधवार को 4 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट और 27 जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। असम और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का क्षेत्र के कारण बिहार तक नमी युक्त हवाएं आ रही है, जिनसे उत्तर-पूर्व के इलाकों में मौसम बदला है। इधर, देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में अप्रैल के पहले हफ्ते से ही लू का असर तेज होता जा रहा है। राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्से हीटवेव की चपेट में हैं। मध्य प्रदेश के 30 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है।

'बंगाल में वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं होगा'

मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के बाद सीएम ममता का बयान

कोलकाता, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीते दिन हुई वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हुई झड़प के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि राज्य में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं होगा। कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि वह अल्पसंख्यक लोगों और उनकी संपत्ति की रक्षा के लिए हम कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं। भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा, जिससे कोई समाज में फूट डालकर राज कर सके।' ममता ने कहा, 'बांग्लादेश की स्थिति देखिए। इसे अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था। आपको जियो और जीने दो का संदेश देना चाहिए। बंगाल में रहने वालों को सुरक्षा देना हमारा काम है। मैं आप सभी से अपील करती हूं कि अगर कोई आपको राजनीतिक रूप से एकत्र होने के लिए उकसाता है, तो कृपया ऐसा न करें। कृपया याद रखें कि दीदी आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। अगर हम साथ रहेंगे, तो हम दुनिया जीत सकते हैं।'

ममता बनर्जी ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'हम लोग हर परंपरा को मानते हैं, हमारे यहां जितने भी धर्म हैं, सबके लिए हमने बचपन से प्रेम सीखा है। मुझे कहा जाता है कि आप हर धर्म के कार्यक्रम में क्यों जाती हैं? मैं उनको कहती हूं कि मैं हमेशा जाती रहूंगी। अगर तुम गोली भी मार दो फिर भी मेरे मन से एकता नहीं निकाल सकते। हमारे यहां हर धर्म, परंपरा के त्योहार हैं। सभी धर्म के लोग इंसानियत के लिए प्रार्थना करते हैं।' वक्फ (संशोधन) विधेयक को बीते गुरुवार को लोकसभा ने पारित किया था। इसके बाद शुक्रवार की सुबह राज्यसभा ने भी इस पर मुहर लगा दी थी।

'जिम्मेदारी न निभाने वाले हों रिटायर

मदद न करने वाले आराम करें', कांग्रेस नेताओं को खरगे का कड़ा संदेश

इस अधिवेशन की थीम है, 'न्यायपथ: संकल्प, समर्पण, और संघर्ष।'

अहमदाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अहमदाबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी नेताओं को तीखा संदेश देते हुए कहा कि जो लोग पार्टी के काम में मदद नहीं करते हैं, उन्हें आराम करने की जरूरत है, जबकि जो लोग अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभाते हैं, उन्हें सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए। साबरमती नदी के तट पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन में अपने अध्यक्षीय भाषण में खरगे ने इस बात पर भी जोर दिया कि संगठन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की भूमिका को काफी बढ़ाया जाएगा और उनकी नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती और निष्पक्षता से की जाएगी। उन्होंने कहा, 'संगठन के निर्माण में जिला अध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। इसलिए उनकी नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती और निष्पक्षता से की जानी चाहिए।' खरगे ने कहा कि जिला अध्यक्ष को अपनी नियुक्ति के एक साल के भीतर सबसे अच्छे लोगों को जोड़कर बूथ कमेटी, मंडल कमेटी, ब्लॉक कमेटी और जिला कमेटी बनानी होती है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई पक्षपात नहीं होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'हमने देश भर के जिला अध्यक्षों की तीन बैठकें भी बुलाईं। राहुल जी और मैंने उनसे बात की और उनके सुझाव लिए। भविष्य में हम चुनावों के लिए उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में जिला अध्यक्षों को भी शामिल करने जा रहे हैं।' खरगे ने कहा, 'मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जो लोग पार्टी के काम में मदद नहीं करते, उन्हें आराम करने की जरूरत है,

जो अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं करते, उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल के सिद्धांतों का पालन कर रही है। खरगे ने कहा, 'हम फिर से भारत की आजादी के लिए लड़ रहे हैं। आजादी की इस दूसरी लड़ाई में दुश्मन फिर से अन्याय, असमानता, भेदभाव, गरीबी और सांप्रदायिकता हैं।' खड़गे ने कहा कि फर्क सिर्फ इतना है कि पहले विदेशी लोग अन्याय, गरीबी और असमानता को बढ़ावा देते थे, अब हमारी अपनी सरकार ऐसा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, 'पहले विदेशी लोग सांप्रदायिकता का फायदा उठाते थे, आज हमारी अपनी सरकार इसका फायदा उठा रही है।' खरगे ने कहा, 'लेकिन हम यह लड़ाई भी जीतेंगे!'

तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में 1332 करोड़ का रेल प्रोजेक्ट मंजूर

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग में बुधवार को कई अहम प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में तिरुपति से कटपडी तक 104 किमी की सिंगल रेलवे लाइन को डबल लाइन में बदला जाएगा। इसमें करीब 1332 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इससे आंध्र प्रदेश के तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर तक कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ ही अन्य प्रमुख स्थलों जैसे श्री कालहस्ती शिव मंदिर, कनिपकम विनायक मंदिर, चंद्रगिरी किला आदि तक भी रेल कनेक्टिविटी हो सकेगी। यह मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट से करीब 400 गांवों और करीब 14 लाख आबादी तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इसके साथ ही इस परियोजना से रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 113 किमी बढ़ जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत सिंचाई सुविधाओं को अपग्रेड करने के लिए एक सबस्कीम को मंजूरी दी है। इसके तहत कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट को अपग्रेड करने के लिए 1600 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। इस योजना से किसी क्लस्टर में मौजूदा नहरों या पानी के अन्य स्रोतों से सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। इसमें पानी के सोर्स से एक हेक्टेयर तक के खेत तक अंडरग्राउंड पाइप लाइन के साथ माइक्रो एरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) के लिए एक मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि अभी देश के अलग-अलग हिस्सों में पायलट प्रोजेक्ट के लिए योजना को मंजूरी मिली है। इससे मिले नतीजों के आधार पर 1 अप्रैल, 2026 से पूरे देश में योजना शुरू की जाएगी।

कैबिनेट ने 6 लेन जीरकपुर बाईपास को भी मंजूरी दी है। यह जो जीरकपुर में एनएच-7 (चंडीगढ़-बठिंडा) के साथ जंक्शन से शुरू होगा और हरियाणा के पंचकूला में एनएच-5 (जीरकपुर-परवाणू) के साथ जंक्शन पर खत्म होगा। 1878.31 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट पंजाब-हरियाणा में कुल 19.2 किमी का इलाका कवर करेगा।

बीजेपी मनी लॉन्ड्रिंग केस में जगदीश अरोड़ा और अनिल अग्रवाल को राहत

दिल्ली एचसी ने दी जमानत, लगे थे बड़े आरोप

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली जल बोर्ड से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्य आरोपी डीजेबी के पूर्व मुख्य इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा और अनिल कुमार अग्रवाल को दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार (9 अप्रैल) को जमानत दे दी। दिल्ली जल बोर्ड को इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फ्लो मीटर की आपूर्ति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोनों को ईडी ने गिरफ्तार किया था। डीजेबी के तत्कालीन चीफ इंजीनियर जगदीश अरोड़ा पर आरोप लगा था कि यह बात जानते हुए भी कि कंपनी टेक्निकल एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा नहीं करती है, उन्होंने एमएस एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर को 38 करोड़ रुपये के ठेके दिए।

क्या है पूरा मामला ?

ईडी ने चार्जशीट में जगदीश अरोड़ा, अनिल अग्रवाल, जगदीश अरोड़ा के करीबी और चार्टर्ड अकाउंटेंट तजेंद्र सिंह समेत एनबीसीसी के पूर्व अधिकारी देवेंद्र कुमार मित्तल और एक कंपनी एनकेजी को आरोपी बनाया था। एनबीसीसी के अधिकारी देवेंद्र मित्तल ने जो सर्टिफिकेट जारी किया उसके आधार पर एनकेजी कंपनी को टेंडर मिला था। एनकेजी ने मित्तल के लिए ट्रेवेल टिकट बुक किया था। ईडी के मुताबिक एनबीसीसी के रिकॉर्ड में एनकेजी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ईडी ने कहा कि जगदीश अरोड़ा, अनिल अग्रवाल, तजेंद्र सिंह चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं जो जगदीश अरोड़ा का करीबी हैं। एनबीसीसी के पूर्व अधिकारी देवेंद्र कुमार मित्तल ने एनकेजी कंपनी को फर्जी दस्तावेज मुहैया कराया था। ईडी के मुताबिक दिल्ली जल बोर्ड ने एनकेजी को 38 करोड़ का टेंडर दिया, जिसके 24 करोड़ रुपये पहले जारी किए गए।

जगदीश अरोड़ा को मिले थे 3.19 करोड़

ईडी का आरोप है कि 38 करोड़ रुपये में से 6 करोड़ 36 लाख रुपये वापस किए गए, यह प्रोसीड ऑफ क्राइम है। इसमें से 56 लाख रुपये तजेंद्र सिंह के जरिए जगदीश अरोड़ा को मिला था 36 करोड़ में से सिर्फ 14 करोड़ रुपये का इस्तेमाल हुआ। एनकेजी और इंटीग्रल ग्रुप से पैसे जगदीश अरोड़ा को गया था, क्योंकि उन्होंने ही टेंडर जारी किया था। टेंडर के बदले घुस ली गई थी। ईडी ने कहा कि जगदीश कुमार अरोड़ा को कुल 3.19 करोड़ रुपये मिले, जिसमें 56 लाख एनकेजी और बचा हुआ इंटीग्रल ग्रुप से मिला था।

हंदवाड़ा के हफरूदा वन में संदिग्ध वस्तु मिलने से मचा हड़कंप, सुरक्षाबलों ने इलाके को किया सील

श्रीनगर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आज हंदवाड़ा के हफरूदा वन क्षेत्र में एक संदिग्ध वस्तु मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वन क्षेत्र को तुरंत घेर लिया गया है और सेना और हंदवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित कर रहे हैं। पूरे क्षेत्र को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है और मामले की जांच चल रही है। विशेषज्ञों की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची, संदिग्ध वस्तु की वास्तविकता और खतरे के स्तर का पता लगाने के लिए। फिलहाल, अधिक जानकारी के लिए इंतजार किया जा रहा है।अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों को उस क्षेत्र से सुरक्षा कारणों से दूर रहने की सलाह दी है। घटना के बारे में अधिक जानकारी मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

पाकिस्तान नापाक हरकतों से नहीं आ रहा बाज, गुरदासपुर इलाके में आइईडी लगाए, बीएसएफ ने फेल कर दी प्लानिंग

गुरदासपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपनी नापाक साजिशों से बाज नहीं आ रहा है। पड़ोसी देश ने पंजाब के गुरदासपुर में पाकिस्तान की सीमा से सटे बीएसएफ आउटपोस्ट चौंतड़ा के इलाके में आईईडी (इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) लगाकर धमाका करने की साजिश की। हालांकि, बीएसएफ की पेट्रोलिंग टीम ने इस साजिश को विफल कर दिया।

जिस जगह पर आईईडी लगाया गया था वहां पर आमतौर पर भारतीय फेंसिंग को पार करके भारत की ओर से किसान खेती करने के लिए जाते हैं। उन किसानों पर निगरानी रखने और उनकी सुरक्षा के लिए बीएसएफ के जवान भी वहीं इलाके में दिन के समय आसपास तैनात रहते हैं। तीन आईईडी थे। दो को डिफ्यूज कर दिया गया है जबकि तीसरे आईईडी को डिफ्यूज करने के दौरान ट्रिगर दबने से विस्फोटक में ब्लास्ट हुआ और इसी दौरान बीएसएफ की पेट्रोलिंग पार्टी का एक जवान घायल हुआ है, लेकिन बीएसएफ ने वहां लगाई गई आईईडी को वक्त पर रिकवर और डिफ्यूज करके बड़े हादसे को टाल दिया है।

ऐसा पिछले कई सालों में नहीं हुआ है कि इस तरह से विस्फोटक बीएसएफ की किसी बॉर्डर आउट पोस्ट के आसपास भारतीय जमीन पर उस जगह लगाया गया हो जहां पर फेंसिंग पार करके किसान खेती करने के लिए जाते हैं। पाकिस्तान की तरफ से की गई इस हरकत के बाद बीएसएफ ने प्रेस रिलीज जारी करके जानकारी दी गई कि 8 और 9 अप्रैल की रात को यह घटना घटी जब बीएसएफ की एक पार्टी ने रात के दौरान सीमा सुरक्षा बाड़ के आगे गश्त के दौरान भारतीय क्षेत्र के अंदर संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाया। इस ऑपरेशन के दौरान, सैनिकों ने बाड़ के आगे लगाए गए एक संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आइईडी) की पहचान की। एरिया के निरीक्षण से खेतों में छिपे हुए तारों के एक नेटवर्क का पता चला, जिससे कई आईईडी की उपस्थिति की पुष्टि हुई।

बीएसएफ ने लिया एक्शन

प्रेस रिलीज में जानकारी दी गई कि बीएसएफ बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा, इलाके की पूरी तरह से तलाशी ली और इलाके को सैनिटाइज करने किया गया और इलाके की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। प्रेस रिलीज में कहा बीएसएफ कर्मियों की तरफ से दिखाई गई बहादुरी ने न सिर्फ एक बड़ी घटना को टाल दिया, बल्कि कई की जान भी बचाई।

भारतीय और पाक सेना के बीच आज होगी फ्लैग मीटिंग, क्यों हो रही अचानक ये बैठक

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी और पाकिस्तान आर्मी के बीच कल यानी 10 अप्रैल 2025 को एक फ्लैग मीटिंग होने जा रही है। यह फ्लैग मीटिंग एलओसी के नजदीक जम्मू के पूंछ सेक्टर के चकंदा बाग में होगी। इस मीटिंग को लेकर दोनों पक्षों की ओर से सीमा से जुड़ी बातें होंगी। बता दें कि पाकिस्तान आर्मी ने कई बार इंडियन आर्मी से रिक्वेस्ट की उसके बाद सेना ने यह मीटिंग रखी है। हाल ही में पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की और नियंत्रण रेखा के अंदर एक कैमरा और आईईडी लगाने की भी कोशिश की, ताकि वे भारतीय सेना को निशाना बना सकें, लेकिन भारतीय सेना ने उस घुसपैठ को नाकाम कर दिया, जिसके कारण फरवरी से अप्रैल तक इन कोशिशों के दौरान पाकिस्तानी सेना के लगभग 15 जवान मारे गए, जिनमें अधिकारी भी शामिल हैं, हाल ही में ऐसी ही घटना 1 अप्रैल को घटी थी, जिसका सबूत भी भारतीय सेना के पास है। भारतीय सेना के पास सबूत के तौर पर घुसपैठ के वीडियो और फोटो हैं, जिसमें दिख रहा है कि आतंकवादियों के साथ पाकिस्तानी सेना सीमा पर घुसपैठ की कोशिश कर रही थी। वे सीमा पर आईईडी और कैमरा लगाना चाहते थे, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके और एंटी इंफिल्टेशन ग्रिड ब्लास्ट के कारण मारे गए। इसलिए इस वजह से पाकिस्तान ने फरवरी महीने में फ्लैग मीटिंग के लिए अनुरोध किया और अब फिर से फ्लैग मीटिंग की बात हुई है। जानकारी दे दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर लागू है,

लेकिन जम्मू एलओसी के सामने पाकिस्तान के 27 लॉन्च पैड अभी भी एक्टिव हैं और अक्सर देखा गया है उधर से घुसपैठ की कोशिश की जाती है। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तानी सेना ने अपनी ताकत और सुरक्षा बढ़ा दी है, उन्होंने सीमा से सटे गांवों में अपने शिविर बनाए हैं क्योंकि उन्हें पता है कि भारतीय सेना कभी भी नागरिक क्षेत्रों पर हमला नहीं करती है।

मुंबई में खौफनाक कांड ! 10 साल की बच्ची से ऑटो रिक्शा चालक ने किया रेप, गिरफ्तार

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई से रेप की ऐसी वारदाता सामने आई है, जिससे जानकर लोगों की रूह कांप जाएगी। मुंबई के मलाड मालवणी इलाके में एक ऑटो रिक्शा चालक ने अपने पड़ोस में रहने वाली 10 साल की बच्ची से रेप किया है। इस मामले में मुंबई के मालवणी पुलिस स्टेशन में रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी चालक को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी और पीड़ित बच्ची दोनों मलाड के मालवणी में रहते हैं। आरोपी पेशे से ऑटो रिक्शा चालक है। आरोपी ने लड़की को अपने घर पर किसी काम के सिलसिले में बुलाया और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया। इतना ही नहीं, उसे शांत रहने की धमकी देते हुए यह कहा कि अगर उसने किसी से यह बात कही तो उसे मार देगा।

'मछली बेचने वालों को धमका रहे बीजेपी के लोग'

महुआ मोइत्रा ने फिर उठाया मुद्दा, दिल्ली के चितरंजन पार्क में क्या विवाद हुआ ?

कोलकाता, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि दिल्ली के चित्तरंजन पार्क में मछली और मांस की दुकानें बंद हैं। यह बंगाली बहुल इलाका है। मोइत्रा ने इसके लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। टीएमसी नेता ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि बीजेपी के गुंडे इलाके में एक मंदिर के बगल में अपना कारोबार चलाने के लिए मछली बाजार के व्यापारियों को धमका रहे है। हालांकि, बीजेपी ने पलटवार करते हुए मोइत्रा पर इलाके में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास में एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो पोस्ट करने का आरोप लगाया। मोइत्रा के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि उन्हें कोई शिकायत नहीं मिली है, लेकिन मामले की जांच की जा रही है।

महुआ मोइत्रा द्वारा एक्स पर पोस्ट की गई क्लिप में, भगवा टी-शर्ट और जींस पहने एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि दिल्ली के सबसे पॉश इलाकों में से एक सीआर पार्क के नाम से मशहूर चित्तरंजन पार्क के मार्केट नंबर 1 में मंदिर के बगल में मछली बाजार लगाना गलत है। वीडियो में व्यक्ति ने कहा, बाजार मंदिर से सटा हुआ है। यह गलत है। इससे सनातन धर्म की भावनाएं आहत हो रही हैं। सनातन धर्म कहता है कि हमें किसी की हत्या नहीं करनी चाहिए... यह पूरी तरह से काल्पनिक है कि देवताओं को मछली और मांस चढ़ाया जाता है। शास्त्रों में ऐसा कोई प्रमाण नहीं है। पूरा देश यह देख रहा है। वीडियो में एक दुकानदार उस व्यक्ति से कह रहा है कि मछली बाजार डीडीए ने आवंटित किया था। इस पर उस व्यक्ति ने कहा, हां मुझे पता है। डीडीए अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता। हम उनकी गलतियों को सुधारेंगे। सीआर पार्क एक पॉश इलाका है और यहां विदेशी लोग आते हैं। मोइत्रा ने कहा, सीआर पार्क में जिस मंदिर पर बीजेपी के गुंडे दावा कर रहे हैं, उसे मांसाहारी विक्रेताओं ने बनवाया था। वे वहां प्रार्थना करते हैं। वहां बड़ी पूजाएं होती हैं। दिल्ली में बीजेपी सरकार के तीन महीने हो गए हैं। सालगिरह का अच्छा तोहफा। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मछली बाजार अवैध अतिक्रमण नहीं थे और उन्होंने क्षेत्र में समस्याएं पैदा करने के लिए बीजेपी की आलोचना की। सीआर पार्क ग्रेटर कैलाश निर्वाचन क्षेत्र में आता है और भारद्वाज यहां से तीन बार विधायक रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये मछली की दुकानें डीडीए ने आवंटित की हैं। यह कोई अवैध अतिक्रमण नहीं है। अगर बीजेपी को सीआर पार्क के बंगालियों के मछली खाने से परेशानी थी, तो उन्हें अपने घोषणापत्र में यह बात कहनी चाहिए थी। सीआर पार्क में रहने वाले बंगाली दिल्ली के सबसे शिक्षित समुदायों में से एक हैं।

उनकी भावनाओं और खान-पान की आदतों का सम्मान किया जाना चाहिए। मैं शाकाहारी हूं और मुझे उनके खान-पान की आदतों से कभी कोई परेशानी नहीं हुई। बीजेपी इतने शांतिपूर्ण इलाके में समस्या क्यों पैदा कर रही है। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मोइत्रा पर निशाना साधा और कहा सभी को मंदिरों की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए।

रेस्टोरेंट से ऑर्डर किया कढ़ाई पनीर डब्बा खोलते ही निकला कॉकरोच

भोपाल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने एक फैमिली रेस्टोरेंट का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। ये फैमिली रेस्टोरेंट शहर के न्यू बस स्टैंड के पास स्थित है। एक कस्टमर ने यहां से घर पर ऑनलाइन कढ़ाई पनीर मंगाया था। इसी कढ़ाई पनीर में कॉकरोच निकला था। कस्टमर ने इसकी शिकायत ऑनलाइन पोर्टल के जरिए की थी। तब यह मामला अधिकारियों के संज्ञान में आया था। न्यू बस स्टैंड के पास स्वाद फैमिली रेस्टोरेंट है। यहां एक कस्टमर ने पनीर में काकरोच मिलने की शिकायत की थी। इस मामले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की ओर से जांच की गई थी। इन्ही की रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर कार्यालय की ओर से रेस्टोरेंट का लाइसेंस निलंबित कर दिया। इसकी जानकारी मंगलवार रात कलेक्टर कार्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर भी दे गई है। मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने न्यू बस स्टैंड स्थित स्वाद फैमिली रेस्टोरेंट का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक शिकायत के आधार पर की गई। शिकायतकर्ता ने पोर्टल पर शिकायत की थी कि रेस्टोरेंट से पार्सल के माध्यम से कढ़ाई पनीर और रोटी का ऑर्डर दिया था। जब पार्सल खोला गया, तो कढ़ाई पनीर में कॉकरोच पाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने जांच की और रेस्टोरेंट के किचन में गंदगी पाई।

आज भी जाति और धर्म देखकर नहीं देते मकान

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने कहा- स्कूलों में सभी धर्मों के बारे में सिखाएं

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने जाति और धर्म के आधार पर किए जाने वाले भेदभाव को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह बहुत निराशाजन है कि कभी-कभी लोगों को उनकी जाति या धर्म की वजह से घर देने से मना कर दिया जाता है। इस तरह के भेदभाव को न करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इसे पूरी तरह से खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने लोकमत अंतरधार्मिक संवाद के माध्यम से विश्व शांति और सद्भाव' के कार्यक्रम में इसकी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंतरधार्मिक बातचीत की अवधारणा कोई नई नहीं है। यह विभाजन को पाट सकती है और लोगों के पूर्वाग्रहों को खत्म कर सकती है।

मनाया जाए सभी धर्मों का त्योहार

राधाकृष्णन ने कहा कि एक बहु-धार्मिक और बहु-सांस्कृतिक समाज में ये जरूरी है कि सभी धर्मों के नागरिकों का सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा कि हमें अपने नागरिकों को सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाना चाहिए। इसका सबसे अच्छा जरिया उन्होंने स्कूल और कॉलेज को बताया। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत स्कूल और कॉलेज से होनी चाहिए। सभी स्कूल और कॉलेज को सभी धर्मों के त्योहार उत्साहपूर्वक मनाने चाहिए और छात्रों को भी इसके लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हम अपने छात्रों को सभी धर्मों के त्योहार मनाने से रोक रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों को अलग-अलग धर्मों के पूजा स्थलों से परिचित कराना चाहिए, जिससे दूसरे धर्मों के प्रति सम्मान और सहानुभूति बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि ये सुनकर दुख होता है कि लोगों को जाति या धर्म के आधार पर घर देने से मना किया जा रहा है। इसे हमेशा के लिए खत्म किया जाना चाहिए। विश्व शांति और सद्भाव केवल अंतरधार्मिक संवाद से ही बनाया जा सकता है। हमें हर नागरिकों को शांति और सद्भावना की ओर आगे बढ़ाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि अंतरधार्मिक बातचीत लोगों के बीच विभाजन को पाट सकता है। लोगों के विचारों से पूर्वाग्रहों को खत्म कर सकता है। साथ ही मानवता की गहरी समझ को लोगों के बीच बढ़ा सकता है।

भारतीय संस्कृति भाषा और त्वचा का रंग नहीं बताती

आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भारतीय संस्कृति की पहचान भाषा, त्वचा के रंग या आस्था से नहीं होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में जवाबदेही एक जरूरी अवधारणा है और इस बात पर जोर दिया कि जो होता है, वही होता है। उन्होंने कहा कि हर काम के अपने नतीजे होते हैं।

दुश्मन हमेशा रहेंगे

दुश्मनों की आवाज यही रहेगी; हमें जो काम करना है वो करेंगे, बोले फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने महिलाओं के अधिकारों को लेकर बयान दिया। उनका कहना था कि देश मजबूत नहीं हो सकता जब तक हमारी बहनें अपना अधिकार नहीं ले लेंगी। इनमें से दो चौथाई हैं और इनका समय आ गया है। फारूक अब्दुल्ला ने महिला आरक्षण बिल का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संसद में पारित हो चुका है और इस पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हमारी बच्चियां संसद, विधानसभा और पंचायत में शामिल होंगी तो वे महिलाओं के हक के लिए लड़ सकती हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में चल रहे हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दुश्मन हमेशा रहेंगे। दुश्मनों का आवाज यही होगा। हमें आवश्यक कार्रवाई करेंगे और इस रियासत को इस मुश्किल से बाहर निकालेंगे।

रेखा सरकार ने लिया बड़ा फैसला

सरकारी संस्थाओं की 177 मनोनीत नियुक्तियां की रद्द, आप पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में बीजेपी सरकार बड़ा फैसला लिया है। रेखा सरकार ने आम आदमी पार्टी की तरफ सेदिल्ली सरकार की समितियों और अन्य बोर्ड्स में मनोनीत सदस्यों और पदाधिकारियो की कुल 177 नियुक्ति को रद्द कर दिया है। यह नियुक्तियां आप सरकार में दिल्ली सरकार के बोर्ड, समितियों समेत अन्य संवैधानिक संस्थाओं जहां दिल्ली सरकार सदस्य और पदाधिकारी मनोनीत करती है उन जगहों पर की गई थी। इन सभी नियुक्तियों को रद्द करते हुए बीजेपी सरकार ने आम आदमी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। आदेश के मुताबिक, दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड, पशु कल्याण बोर्ड, दिल्ली हज समिति, तीर्थ यात्रा विकास समिति, उर्स समिति, हिंदी अकादमी, उर्दू अकादमी, साहित्य कला परिषद, पंजाबी अकादमी, संस्कृत अकादमी समेत कुल 17 संवैधानिक संस्थाओं में आप सरकार की मनोनीत नियुक्तियों को रद्द किया है और जिन लोगों की नियुक्ति रद्द हुई है उसमें ज्यादातर आम आदमी पार्टी के विधायक पूर्व विधायक और पदाधिकारी थे। बीजेपी पार्टी ने इन नियुक्तियों को रद्द करते हुए आप पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। दिल्ली सरकार के सूत्रों का तर्क है कि इन सभी सरकारी संस्थाओं में पिछली सरकार ने राजनैतिक नियुक्तियां की थी, जिसका मकसद अपने नेताओं को फायदा पहुंचाना था। इसी के चलते ऐसे में इन 177 नियुक्तियों को रद्द किया जाना जरूरी है। पिछले साल आम आदमी पार्टी सरकार ने आप विधायक पवन राणा को दिल्ली जल बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया था, आप विधायक विनय मिश्रा को वाईस चेयरमैन और आप नेता जितेंद्र तोमर की पत्नी प्रीति तोमर को सदस्य मनोनीत किया था। इसी तरह दिल्ली हज कमेटी में पूर्व आप विधायक अब्दुल रहमान और हाजी यूनुस सदस्य मनोनीत थे। आप विधायक जरनैल सिंह को पंजाबी अकादमी का वाईस चेयरमैन पिछली सरकार में नियुक्त किया गया था, एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष गोपाल राय को और सदस्य आप नेता आदिल अहमद खान, पूर्व विधायक अजेश यादव को नियुक्त किया गया था। ऐसे में दिल्ली सरकार के सूत्रों का तर्क था कि इन सभी सरकारी संस्थाओं में पिछली सरकार की राजनैतिक नियुक्तियां की थी जिसे अपने नेताओं को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया था, ऐसे में इसे रद्द किया जाना जरूरी है।

दिल्ली की सड़कों पर 'कट्टे वालों' का खेल खत्म

पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई में 3 खूंखार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में अपराध की दुनिया में दहशत फैलाने वाले तीन बदमाशों को आउटर जिला पुलिस ने हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया है। ये वो नाम हैं जो दिल्ली की क्रिमिनल फाइलों में दर्ज तो हैं, लेकिन अब सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं। तीनों आरोपी न केवल अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए, बल्कि उनमें से एक संदीप उर्फ कालिया वह कुख्यात बदमाश है, जिसके खिलाफ 70 से ज़्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। विहार वेस्ट की गलियों में गश्त कर रहे एचसी हरीश की नजर गैस गोदाम के पास एक संदिग्ध पर पड़ी। पुलिस को देखते ही वो भागा, लेकिन कानून के लंबे हाथों से बच न सका। तलाशी में उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में खुलासा हुआ कि वह कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि 70 से ज्यादा मुकदमों में शामिल शातिर अपराधी है। इसी दिन, मंगोलपुरी के वाय-ब्लॉक पार्क में कांस्टेबल आनंद ने एक और संदिग्ध को दबोचा। आरोपी अजीत उर्फ कट्टू के पास से भी एक देशी कट्टा मिला। वह भी पहले से चार मामलों में आरोपी रह चुका है, जिनमें शस्त्र अधिनियम के केस भी शामिल हैं। पश्चिम विहार ईस्ट थाना क्षेत्र में जिला पार्क में एचसी मुकेश और कांस्टेबल हंसराज की सतर्क निगाहों ने तीसरे आरोपी को भी रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी अभिषेक उर्फ काके के पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने तीनों आरोपियों से कुल 3 देशी कट्टे और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। सूत्रों की मानें तो ये हथियार किसी बड़े गिरोह से जुड़े हो सकते हैं।

कंगना रनौत को बिजली विभाग का झटका खाली पड़े घर में आया 1 लाख का बिल

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनय के साथ-साथ कंगना रनौत बेबाक बोल के लिए काफी मशहूर हैं। वह अपने दिल की बात को लोगों के सामने खुलकर रखने में बिल्कुल भी नहीं कतराती हैं। तनु वेड्स मनु एक्ट्रेस ने हाल ही में एक ऐसा खुलासा किया, जो निश्चित तौर पर आम आदमी सुनकर शॉक्ड रह जाएगा। कंगना रनौत ने बताया कि इस बार उनका एक महीने का बिजली का बिल एक लाख रुपए तक आया है। क्या है ये पूरा मामला, चलिए डिटेल में जानते हैः हिमाचल प्रदेश की रहने वालीं कंगना रनौत वैसे तो हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं, लेकिन अपने काम के सिलसिले में उनका अधिक समय मुंबई के घर में ही बीतता है। हाल ही में बॉलीवुड की क्वीन और मंडी की सांसद कंगना रनौत ने मंडी में एक पॉलिटिकल इवेंट अटेंड किया। इस दौरान उन्होंने अपने मनाली के घर पर आए बिजली के बिल को लेकर शॉकिंग खुलासा किया। इस इवेंट से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। कंगना रनौत के इस वायरल वीडियो को राहुल चौहान नामक शख्स ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में कंगना कहती हैं, मेरे को इस महीने मनाली के घर का एक लाख रुपए का बिल आया है, जहां पर मैं रहती भी नहीं हूं। सोचिए, जरा इतनी दुर्दशा की हुई है और समोसों पर इनकी एजेंसिया।।। हम पढ़ते हैं और शर्मिंदगी होती है कि ये क्या हो रहा है। हम सबके पास एक मौका है, आप सब लोग मेरे भाई-बहन ग्राउंड पर इतना काम करते हैं, इतने कर्मठ लोग हैं, ये हम सबका ही दायित्व है कि हमें इस देश को खासकर प्रदेश को उन्नति के रास्ते पर चलाना है। ये एक तरह से भेड़िये हैं, हमें इनके चंगुल से प्रदेश को निकालना है। कंगना रनौत अपनी पॉलिटिकल जिम्मेदारी तो निभा ही रही हैं, लेकिन उसके साथ ही वह फिल्मों में भी लगातार एक्टिव हैं। एक्ट्रेस के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह आर माधवन के साथ तनु वेड्स मनु के बाद एक बार फिर से स्क्रीन स्पेस शेयर करती हुई दिखाई देंगी। इसके अलावा कंगना रनौत एक अनटाइटल फिल्म भी कर रही हैं। इसके अलावा अभिनेत्री की आनंद एल राय की फिल्म तनु वेड्स मनु 3 को लेकर बातचीत चल रही है। इसके अलावा अभिनेत्री क्वीन 2 में भी वापसी कर सकती हैं।

सुविचार

यदि आप गलती करके स्वयं को सही सिद्ध करने का प्रयास करते हैं तो समय आपकी मूर्खता पर हंसा करेगा

जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय में गिरावट के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : केटीआर

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान तेलंगाना के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई) में कथित गिरावट के लिए कांग्रेस नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की पार्टियों पर भरोसा करने से तेलंगाना बर्बाद ही होगा और यह एक बार फिर साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग अब पर्यटक दलों और दूरदृष्टिहीन नेताओं पर भरोसा करने के परिणाम देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक नासमझ नेता को महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया, दशकों के संघर्ष से बने राज्य को बर्बाद कर दिया और अब चार करोड़ लोगों के जीवन के साथ खेल रही है।

रामा राव ने कहा कि शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य को आर्थिक सीढ़ी के निचले पायदान पर ले जाना अक्षम्य पाप है। उन्होंने चेतावनी दी कि तेलंगाना को कांग्रेस के हाथों में सौंपने के परिणाम विनाशकारी होंगे। उन्होंने कहा कि लोग एक दशक के दूरदर्शी शासन और आज की अदूरदर्शी नीतियों के बीच अंतर का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना के लोगों ने अपना सबक सीख लिया है और वे उन राष्ट्रीय दलों पर भरोसा नहीं करेंगे, जिनके पास राज्य की जरूरतों के प्रति न तो प्रतिबद्धता है और न ही समझ।

जवाहरनगर में वेश्यावृत्ति से महिलाओं को बचाया गया

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने मंगलवार रात को दम्मईगुडा में एक फ्लैट पर छापा मारकर वेश्यावृत्ति से दो महिलाओं को बचाया। दो ग्राहकों सहित छह लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, एक गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने अंजनाद्री कॉलोनी में एक अपार्टमेंट में छापा मारा और पाया कि वहां गुप्त रूप से वेश्यावृत्ति का धंधा चल रहा था। यह पाया गया कि पश्चिम बंगाल के आयोजकों ने स्थानीय एजेंटों के साथ मिलीभगत कर अन्य राज्यों से महिलाओं को लाकर शहर में देह व्यापार का आयोजन किया था। सभी को आगे की कार्रवाई के लिए जवाहरनगर पुलिस को सौंप दिया गया।

छात्रों ने वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ़ किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू) के छात्रों ने हाल ही में लागू किए गए वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसे उन्होंने "मुस्लिम विरोधी" और "भेदभावपूर्ण" करार दिया। सोमवार रात को विश्वविद्यालय परिसर में एयूएसएफ, फ्रेटरनिटी मूवमेंट, स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (एसआईओ) और गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (जीआईओ) सहित छात्र समूहों के गठबंधन द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन, प्रतिभागियों द्वारा मुस्लिम धार्मिक अधिकारों और विरासत के राज्य समर्थित हनन के खिलाफ एक एकीकृत रुख था। अधिनियम की निंदा करते हुए एसआईओ एमएएनयूयू के अध्यक्ष और पीएचडी विद्वान शेख मुदस्सिर ने कहा कि वक्फ की स्वायत्तता को खत्म करके सरकार खुलेआम मुस्लिम विरासत को निशाना बना रही है, जबकि अन्य समुदायों की समान संस्थाओं को अछूता छोड़ दिया गया है। फ्रेटरनिटी मूवमेंट के उपाध्यक्ष उमर फारूक कादरी ने कहा कि यह कदम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन करता है और सत्तारूढ़ पार्टी के 'मुस्लिम कल्याण के पाखंडी आख्यान' को दर्शाता है। एमए की छात्रा और जीआईओ सदस्य आयशा अंजुम ने भी इसी तरह की चिंता व्यक्त की और कहा कि सरकार का कदम भारत में धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। एयूएसएफ के सदस्य और पीएचडी विद्वान स्वालेह अंसारी ने कहा कि यह अधिनियम भ्रष्टाचार या अतिक्रमण से निपटने के लिए कुछ नहीं करता, बल्कि इसके बजाय सरकारी हस्तक्षेप को सशक्त बनाता है और वक्फ संपत्तियों को जब्त करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

दोस्तों द्वारा पीटे गए युवक की अस्पताल में मौत

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहर नगर में एक युवक की उसके दोस्तों ने पुरानी दुश्मनी के चलते बेरहमी से पिटाई कर दी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पीड़ित पी प्रणीत (21) और गोवर्धन (27), दोनों दोस्त यप्रल के भगत सिंह कॉलोनी के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, हाल ही में गोवर्धन प्रणीत से नाराज हो गया था क्योंकि उसे शक था कि उसने कॉलोनी में उसके ड्रग्स बेचने की अफवाह फैला दी है। वह प्रणीत को खत्म करने के लिए मौके की तलाश में था। 5 अप्रैल को गोवर्धन अपने अन्य दोस्तों के साथ प्रणीत को बातचीत के लिए बाहर ले गया और उन्होंने उस पर हमला कर दिया। प्रणीत गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शहर के बाहरी इलाके में फार्म हाउस में मुजरा पार्टी का भंडाफोड़

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद विशेष अभियान दल (एसओटी) ने बुधवार तड़के शहर के बाहरी इलाके मोइनाबाद में एक फार्म हाउस से एक मुजरा पार्टी का भंडाफोड़ कर सात महिलाओं को हिरासत में लिया और 14 युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पार्टी परिसर से 70 ग्राम गांजा और शराब की बोतलें भी जब्त कीं। संयोग से, फार्म हाउस पुलिस स्टेशन के ठीक बगल में स्थित था। जानकारी के अनुसार आयोजकों ने फार्म हाउस में मुजरा पार्टी का आयोजन किया था जो सुबह 3 बजे तक जारी रही। पार्टी में मेहमानों को कथित तौर पर हुक्का के कई फ्लेवर और ड्रग्स भी परोसे गए। आयोजकों ने मुंबई, पश्चिम बंगाल और अन्य जगहों से महिलाओं को बुलाया और उनसे मेहमानों के लिए पार्टी में अश्लील नृत्य करवाया। महिला डांसरों को रेस्क्यू होम भेज दिया गया, जबकि गिरफ्तार किए गए युवकों को पुलिस स्टेशन भेज दिया गया। मोइनाबाद पुलिस ने कानून के अनुसार संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

अलवाल में रेलवे ट्रैक मैन की ट्रेन से कटकर मौत

हैदराबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) में कार्यरत एक ट्रैक मैन की मंगलवार रात अलवल में रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पीड़ित की पहचान के. सुरेश (45) के रूप में हुई है, जो अलेर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक मैन के रूप में काम करता था और अलवाल में रहता था। पुलिस के अनुसार, अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद सुरेश घर लौट रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वह ट्रेन से अलवल रेलवे स्टेशन पहुंचा था। स्टेशन पर वह प्लेटफॉर्म नंबर 1 से प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर जाने के लिए ट्रैक पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रेन ने उसे कुचल दिया। उसका शव दुर्घटनास्थल से कुछ दूरी पर फेंका गया। कई गंभीर रक्तस्राव के कारण उसकी तत्काल मृत्यु हो गई।राजकीय रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया।

जगदीश रेड्डी का नदी जल बंटवारे पर तीखा हमला

तेलंगाना के जल का उचित हिस्सा आंध्र प्रदेश को सौंप दिया, कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जी जगदीश रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के प्रभाव में तेलंगाना के नदी जल का उचित हिस्सा आंध्र प्रदेश को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू अप्रत्यक्ष रूप से तेलंगाना पर शासन कर रहे हैं और राज्य के मामलों को नियंत्रित कर रहे हैं, जबकि ए रेवंत रेड्डी और उनके मंत्री राज्य को लूटने और पेयजल संकट को दूर करने के बजाय अपनी विफलताओं को छिपाने में व्यस्त हैं।

तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि नागार्जुन सागर परियोजना में मुलुगु जिला इकाई से सीआरपीएफ बटालियन को हाल ही में विशाखापत्तनम से एक इकाई के साथ बदलने से प्रभावी रूप से इस महत्वपूर्ण परियोजना का नियंत्रण आंध्र प्रदेश को सौंप दिया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के शासन के दौरान सीआरपीएफ बलों को कभी भी सिंचाई परियोजनाओं पर नियंत्रण करने की अनुमति नहीं दी गई थी।

नागार्जुन सागर परियोजना में 2023 की यथास्थिति बहाल करने की मांग करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि अगर फैसला वापस नहीं लिया गया तो व्यापक किसान आंदोलन होंगे। उन्होंने कहा, जब तक कांग्रेस सरकार तत्काल कदम नहीं उठाती, हैदराबाद में भी पेयजल संकट पैदा हो सकता है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने कृष्णा नदी के पानी को लेकर चंद्रशेखर राव पर झूठे आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने दावा किया कि चंद्रशेखर राव ने निजी लाभ के लिए नदी के पानी में राज्य के उचित हिस्से को आंध्र प्रदेश को गिरवी रख दिया। लेकिन कांग्रेस सरकार मूकदर्शक बनी रही, जबकि केंद्रीय बलों ने नागार्जुन सागर परियोजना पर नियंत्रण कर लिया। कांग्रेस ने राज्य में सिंचाई परियोजनाओं पर केंद्र के नियंत्रण का विरोध भी नहीं किया, उन्होंने याद दिलाया।

उन्होंने कहा कि हालांकि कांग्रेस सरकार ने कृष्णा नदी पर विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं पर केंद्र के नियंत्रण का विरोध करते हुए विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया, लेकिन वह तेलंगाना के हितों की रक्षा करने में विफल रही। उन्होंने पूछा, कांग्रेस ने अपने तौर-तरीके नहीं बदले। वह दिल्ली को फंड प्रवाह के साथ-साथ आंध्र प्रदेश को पानी के प्रवाह की सुविधा प्रदान करती रही है। यह कांग्रेस सरकार चंद्रबाबू नायडू से पानी के डायवर्जन पर सवाल पूछने से क्यों डरती है? जगदीश रेड्डी ने कहा कि नलगोंडा जिले में किसान पहले से ही सिंचाई के लिए पानी की कमी का सामना कर रहे हैं और उन्होंने सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी पर अपने ही विधानसभा क्षेत्र में पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस ने कालेश्वरम परियोजना को खाली कर दिया है और तेलंगाना के किसानों को दुख में धकेल रही है।

हरीश राव ने कहा

रेवंत रेड्डी को कोई सम्मान नहीं मिलता

संगारेड्डी, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार के भीतर भ्रम की स्थिति है क्योंकि उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने पुलिस को हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने का निर्देश दिया था, जबकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, जो गृह मंत्री भी हैं, ने पुलिस को मामले दर्ज करने के लिए कहा था। हैदराबाद रियल एस्टेट हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी को न तो हाईकमान और न ही उनके अपने मंत्रिमंडल द्वारा सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को यूओएच के छात्रों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने के लिए उनसे माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी बी.सी. महाधरना में राहुल गांधी को शामिल कराने के लिए नई दिल्ली गए थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राहुल गांधी या सोनिया गांधी से भी नहीं मिल सके, जबकि उपमुख्यमंत्री उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते नजर आए।

इन घटनाओं ने इस बात के पर्याप्त सबूत दे दिए थे कि रेवंत रेड्डी का सरकार पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया था और वह हाईकमान का विश्वास भी खो चुके थे। बुधवार को बीआरएस नेता वेन्नावरम आदर्श रेड्डी की पदयात्रा के अंत में पाटनचेरु निर्वाचन क्षेत्र के रुद्रराम में गणेश मंदिर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना ने महज 15 महीनों के भीतर रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में दिशा खो दी है। तेलंगाना हमेशा जीएसटी वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय वृद्धि और ऐसे सभी विकास संकेतकों में शीर्ष पर रहता था, लेकिन राज्य अब राष्ट्रीय औसत से बहुत नीचे है। उन्होंने कहा कि लोगों को कुछ ही समय में रेवंत रेड्डी की क्षमता की कमी का एहसास होने लगा था, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राज्य को 2014 से पहले के दौर में ले जा रहे हैं, जब तेलंगाना में लगातार बिजली कटौती होने लगी थी। पटनचेरु औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों को बिजली की कमी का सामना करना पड़ रहा था।

शहर के बाहरी इलाके तुर्कयामजल में दो समूहों के बीच भूमि को लेकर संघर्ष

हैदराबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के बाहरी इलाके में तुर्कयामजल के कम्मागुडा के सर्वे नंबर 240 में जमीन को लेकर बुधवार को दो समूहों के बीच झड़प हो गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब लोगों का एक समूह कथित तौर पर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा था। दोनों समूहों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके, जिससे तनाव की स्थिति पैदा हो गई। सर्वे नंबर 240, 241 और 242 में कई लोगों ने कई प्लॉटों और फ्री कास्ट दीवारों को गिराने की कोशिश की, उनका दावा था कि उनके पास करीब दस एकड़ जमीन है और उनके पास कोर्ट के आदेश हैं। स्थानीय निवासियों और प्लॉट मालिकों ने कथित अतिक्रमणकारियों को रोका और उन्हें भगा दिया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया।

कभी प्रतिष्ठित बाजार था अब बदहाली में

पार्किंग शुल्क को लेकर आए दिन बनती है अप्रिय स्थिति, बुनियादी ढांचा भी जर्जर हालत में

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 2000 के दशक की शुरुआत में तकनीक का स्वर्ग रहा हैदराबाद का चेनॉय ट्रेड सेंटर (सीटीसी) ग्राहकों की तीखी आलोचनाओं से जूझ रहा है।

हाल ही में यहां आने वाले लोगों की आमद के कारण सीटीसी को मौत का जाल और घोटाला क्षेत्र के रूप में बदनाम किया जा रहा है। एक उपयोगकर्ता ने पर अपना भयानक अनुभव पोस्ट किया, जिसमें बताया कि कैसे लैपटॉप की जांच करने के लिए बिना उसकी सहमति के उससे 600 रुपये वसूले गए। उसके द्वारा बताए गए कई उदाहरणों में से, एआरएन कंप्यूटर्स एक डरावनी कहानी थी, जहां एक ग्राहक ने मदरबोर्ड के लिए 2,500 रुपये का अग्रिम भुगतान किया और फिर उसे बताया गया कि बोर्ड क्षतिग्रस्त है, जिससे उसे 7,000 रुपये और देने का अनुरोध किया गया।

अन्य उपयोगकर्ताओं ने भी यही कहा। एक ने दावा किया कि उनके पहले से बने पीसी में नवीनीकृत पुर्जे थे जिन्हें नए के रूप में बेचा गया; दूसरे ने आरोप लगाया कि उन्हें दस साल पुरानी हार्ड ड्राइव को नए पैकेजिंग के साथ बेचा गया। लेकिन सबसे ज़्यादा डरावनी बात यह थी कि पार्किंग शुल्क बढ़ाने पर विवाद के बाद पार्किंग अटेंडेंट ने कार का टायर काट दिया - 20 रुपये अचानक 120 रुपये हो गए, बिना किसी स्पष्टीकरण या रसीद के।

घोटालों के अलावा, बुनियादी ढांचे की हालत भी खराब है। गलियारे तंग हैं, लिफ्ट बिना किसी सुरक्षा सुविधा के चल रही हैं - ऑपरेटर मैन्युअल रूप से बटन दबाते हैं - और दुकानों के बाहरी हिस्से टूट रहे हैं - ये सब हद तक अराजकता को बढ़ाते हैं। उपयोगकर्ताओं ने बार-बार जुर्माना लगाने की अनदेखी करने और तथाकथित पार्किंग माफिया को पनपने देने के लिए अधिकारियों की आलोचना की।

सीटीसी, जबकि हैदराबाद अपने फ्यूचर सिटी पहल के साथ आगे बढ़ रहा है, वे कहते हैं कि अतीत में फंस गया है - लालच, क्षय और बिना किसी जवाबदेही के। जैसे-जैसे ऑनलाइन शॉपिंग और भी ज़्यादा प्रमुख होती जा रही है, कई लोग कहेंगे कि जब तक सीटीसी को गंभीरता से नहीं बदला जाता, तब तक यह खत्म हो जाएगा।

वीर हनुमान विजय यात्रा के आयोजकों के साथ बैठक

हैदराबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा बुधवार को विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों और शनिवार को निकाली जाने वाली श्री वीर हनुमान विजय यात्रा के आयोजकों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई।बैठक में हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा, जीएचएमसी, आरएंडबी, टीजीएसआरटीसी, अग्निशमन विभाग, एचएमडब्ल्यूएसएंडएसबी के अधिकारियों और बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने आयोजकों से जुलूस में शामिल होने वाले किसी भी नए व्यक्ति के बारे में सतर्क रहने और एहतियात के तौर पर स्थानीय पुलिस को तुरंत सूचित करने का आग्रह किया।

उन्होंने जुलूस के दौरान किसी भी तरह की यातायात भीड़ से बचने के लिए यातायात पुलिस के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया।आनंद ने आयोजकों से जुलूस के दौरान डीजे सिस्टम का उपयोग करने से परहेज करने की अपील की और यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग से पूर्व अनुमति के बिना ड्रोन कैमरों का उपयोग प्रतिबंधित है।हैदराबाद पुलिस श्री वीर हनुमान विजया यात्रा के लिए अतिरिक्त सशस्त्र बलों के साथ 17,000 पुलिस कर्मियों को तैनात करेगी। हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त कार्यालय, आईसीसीसी बिल्डिंग, बंजारा हिल्स में एक संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा।

अभिनेता मांचू मनोज ने भाई विष्णु के खिलाफ नरसिंगी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनेता मंचू मनोज ने नरसिंगी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके भाई मंचू विष्णु ने नरसिंगी स्थित घर से महंगी चीजें और उनकी कार चुरा ली है, जब वह अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए राजस्थान गए थे। हैदराबाद रियल एस्टेटमनोज ने आरोप लगाया कि विष्णु ने कुछ लोगों के साथ मिलकर उनके घर में घुसकर उनकी कार छीन ली। बाद में वाहन विष्णु के कार्यालय में पाया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले विष्णु ने उन पर हमला किया था और जलपल्ली स्थित फार्महाउस से उनका सामान छीन लिया था। पुलिस ने शिकायत स्वीकार कर ली है और जांच कर रही है। दिग्गज अभिनेता मोहन बाबू के परिवार में उनके बेटों मांचू विष्णु और मांचू मनोज से जुड़े कथित संपत्ति विवाद के बाद मतभेद सामने आए हैं। उनके खिलाफ पहाड़ीशरीफ पुलिस स्टेशन और आंध्र प्रदेश में मामले दर्ज किए गए हैं।

तेलंगाना में जल्द ही 50 प्रतिशत धान खरीद केंद्र महिलाएं चलाएंगी

करीमनगर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो इस यासंगी सीजन में राज्य में कम से कम 50 प्रतिशत धान खरीद केंद्र महिला समूहों द्वारा संचालित किए जाएंगे। अन्य सरकारी एजेंसियों के अलावा, महिला समूह पहले से ही राज्य भर में ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी के इंदिरा क्रांति पथम की ओर से किसानों से धान खरीद रहे हैं। अब, महिला समूहों के लिए केंद्रों की संख्या बढ़ाने की राज्य सरकार की योजना के तहत, लगभग 50 प्रतिशत धान खरीद केंद्र महिलाओं को आवंटित किए जाने की संभावना है। इस संबंध में, राज्य सरकार ने जिला स्तर के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। एसईआरपी अधिकारी उच्च अधिकारियों के निर्देशों के आधार पर व्यवस्था कर रहे हैं। सामान्य किस्म के धान की एक क्विंटल खरीद पर 31.20 रुपये कमीशन दिया जा रहा है, जबकि बढ़िया किस्म के धान पर 32 रुपये कमीशन दिया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस आय से महिलाओं को अपना परिवार चलाने और अन्य कामों में मदद मिल रही है।किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने के लिए, आईकेपी और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को शामिल करके 2006-07 में किसानों से सीधे धान खरीदने की व्यवस्था शुरू की गई थी। शुरुआत में, हर पांच से 10 गांवों के लिए एक केंद्र स्थापित किया गया था। आईकेपी पीपीसी चलाने के लिए महिला समूहों को शामिल करता है और कमीशन का भुगतान नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा किया जाता है।अलग तेलंगाना के गठन के बाद, धान की खेती में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है, साथ ही खरीद केंद्रों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। हालांकि आईकेपी, पीएसीएस, डीसीएमएस और एमईपीएमए भी खरीद में लगे हुए हैं, लेकिन सबसे अधिक पीपीसी पीएसीएस समितियों को आवंटित किए जा रहे हैं।

बिहार में ग्राम कचहरी को बड़ा झटका

इन 3 मामलों के निपटारे पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक; बताया-अधिकार क्षेत्र से बाहर

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना हाई कोर्ट ने ग्राम कचहरी, रामपट्टी (मधुबनी) द्वारा 8 मार्च 2022 और 16 मार्च 2024 को पारित दोनों आदेशों को अवैध व बिना अधिकार क्षेत्र के करार देते हुए रद कर दिया। न्यायाधीश राजेश कुमार वर्मा की एकलपीठ ने याचिकाकर्ता निरंजन मिश्रा की याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि ग्राम कचहरी ने "अधिकार, शीर्षक व स्वामित्व" से जुड़े प्रश्नों का निपटारा करने का प्रयास किया, जो बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 की धारा111 के तहत स्पष्ट रूप से निषिद्ध है। वरीय अधिवक्ता बिनोदानंद मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि ग्राम कचहरी ने याचिकाकर्ता की जमीन पर प्रतिवादी श्रीमंत मिश्रा को अवैध कब्जा बनाए रखने और 8,500 रुपये मुआवजा वसूलने का आदेश दिया था। 20 सितंबर 2021 को श्रीमंत मिश्रा ने ग्राम कचहरी में आवेदन कर आरोप लगाया कि निरंजन मिश्रा ने 1971 के पारिवारिक बंटवारे के बावजूद उनकी 1.5 धुर जमीन पर मकान बना लिया और 2.25 धुर भूमि का मौखिक लेन-देन किया।

कचहरी ने बिना याचिकाकर्ता की दलील सुने पारित किया आदेश

कचहरी ने बिना याचिकाकर्ता की दलील सुने आदेश पारित कर दिया। अदालत ने तर्क स्वीकार किया कि धारा 110 के अंतर्गत ग्राम कचहरी की सिविल अदालत के समकक्ष केवल सीमित प्रकार के वित्तीय एवं छोटे दावे (10,000 तक) और विभाजन के साधारण मामले ही सुन सकती है; "स्वामित्व व शीर्षक" से जुड़े मामले इसके अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि "जब कानून ने किसी प्राधिकरण को अधिकार नहीं दिया, तब वह निर्णय कैसे ले सकता है?" कोर्ट ने ग्राम कचहरी के आदेश को "अवैध एवं असंवैधानिक" ठहराते हुए रद कर दिया।

प्रयागराज में बड़ा हादसा ट्रक से कुचलने से परिवार के तीन बच्चों समेत चार की मौत

प्रयागराज, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज के नैनी थाना इलाके में नए यमुना पुल के पास निर्माणाधीन रेलवे पावर हाउस के पास बुधवार तड़के 3:00 के पास के यहां पर गिट्टी लादकर चालक ट्रक लेकर पहुंचा। इसके दौरान ट्रक बैक करते समय तीन बच्चों के साथ मजदूर छोटेलाल (45) पुत्र देवशरण चपेट में आ गए।

डिजिटल मॉनिटरिंग में खुली गांव की पोल

डीएम ने सचिव और एडीओ पंचायत से स्पष्टीकरण किया तलब

गोंडा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गोंडा जिला प्रशासन ने गांवों की साफ-सफाई, सार्वजनिक सुविधाओं और विकास कार्यों की निगरानी के लिए शुरू की गई। डिजिटल मॉनिटरिंग व्यवस्था ने ग्रामसभा खैरा (विकासखंड पंडरी कृपाल) की लापरवाही को उजागर कर दिया है। डिजिटल मॉनिटरिंग के दौरान सामने आया कि ग्रामसभा खैरा में बनाए गए संसाधन पुनर्प्राप्ति केंद्र (आरआरसी) में दो-तीन माह से कूड़ा नहीं डाला गया है। वहीं गांव के रामलीला मैदान, पोखरे के किनारे और अन्य जगहों पर खुले में कूड़ा फेंका जा रहा है।

डीएम ने डिजिटल रिपोर्ट पर की त्वरित कार्रवाई

डिजिटल मॉनिटरिंग रिपोर्ट पर तत्काल संज्ञान लेते हुए डीएम नेहा शर्मा ने ग्राम पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई और एडीओ पंचायत (पंडरी कृपाल) से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए हैं। सिर्फ सफाई ही नहीं, बल्कि पोखरे के सुंदरीकरण कार्य में भी अनियमितता पाई गई है। बिना सरिया लगाए पावा (बाउंड्री) बनाई गई थी, जो कुछ ही दिनों में गिर गई। साथ ही सार्वजनिक शौचालय में अनियमितता सामने आई। डीएम ने इस पूरे प्रकरण की डिजिटल ट्रैकिंग कराते हुए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आज आयोजित होने वाली डिजिटल मॉनिटरिंग की बैठक में इस मामले को प्राथमिकता से रखने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने कहा कि डिजिटल मॉनिटरिंग के माध्यम से अब गांवों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तय है।

जहानाबाद में युवक की हत्या, सीने में मारी गोली

जहानाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद में खून-खराबा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कुछ दिन पहले काको में एक शिक्षिका की हत्या की गई थी। अब कल्पा थाना क्षेत्र के बदहर गांव में एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हत्या के बाद शव को गांव के समीप फेंक दिया गया। आशंका जताई जा रही है कि प्रेम-प्रसंग में यह हत्या की गई है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय युवक शैलेश बिंद के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि युवक शैलेश बिंद बीते मंगलवार को पड़ोस के गांव परशुरामपुर गया था। देर शाम तक घर नहीं लौटा। बुधवार (09 अप्रैल, 2025) की सुबह बच्चे स्कूल जा रहे थे तो उनकी नजर लाश पर गई। इसके बाद उन लोगों ने बताया कि शैलेश बिंद रास्ते पर गिरा है। उसके शरीर से खून निकल रहा है। लोग जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि उसके सीने में गोली मारी गई है। उसकी मौत हो चुकी है। हत्या की खबर सुनते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मृतक शैलेश के भाई अखिलेश बिंद ने बताया कि उसका पड़ोस के गांव परशुरामपुर में एक महिला से अफेयर था। मंगलवार को भी वह उस गांव में गया हुआ था। प्रेम-प्रसंग में हत्या की आशंका जताई गई है।

'आरजेडी खुश रहे या न रहे, फर्क नहीं पडता'

पप्पू यादव ने बढ़ाई लालू-तेजस्वी की टेंशन, बिहार में अकेले लड़ेगी कांग्रेस?

पूर्णिया, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की सक्रियता पर पप्पू यादव की प्रतिक्रिया आई है। सांसद ने पूर्णिया में पत्रकारों से कहा कि हिंदी पट्टी में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए सभी मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आरजेडी खुश रहे या न रहे इससे हमें फर्क नहीं पड़ता। सभी गठबंधन धर्म के तहत अपना काम कर रहे हैं। मेरा मानना है कि बीजेपी को हराने के लिए हिंदी पट्टी में गठबंधन जरूरी है, क्योंकि क्षेत्रीय दल अकेले बीजेपी का मुकाबला नहीं कर सकते। कांग्रेस के भविष्य पर उन्होंने कहा कि पार्टी अकेले लड़ेगी या नहीं, यह मैं नहीं बता सकता, लेकिन बीजेपी को हराना हमारा लक्ष्य है। पार्टी एक विचारधारा से चलती है और नेतृत्व जो दिशा तय करता है, उसी के आधार पर कार्यकर्ता काम करते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी भूमिका पर पप्पू यादव ने कहा कि वे लोगों को जोड़ने और सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। उनकी प्राथमिकता विकास और जनता के मुद्दों पर ध्यान देना है।

बीजेपी को बताया ओबीसी, एससी-एसटी और किसान विरोधी

दूसरी ओर पप्पू यादव ने बीजेपी पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। बीजेपी को ओबीसी, एससी-एसटी और किसान विरोधी बताया। इसके विपरीत, कांग्रेस की सोच समाज के हर तबके को हिस्सेदारी देने की रही है, खासकर ओबीसी, एससी और एसटी को आगे बढ़ाने पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के खिलाफ सभी दलों को मिलजुलकर काम करना होगा, उसे अकेले हराना मुश्किल होगा। मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'मोदी है तो मुमकिन है' का नारा खत्म हो चुका है।

देश का रुपया गिर गया, पड़ोसी देश दूर हो गए और अमेरिका टैरिफ बढ़ा रहा है, लेकिन मोदी चुप हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि 11 साल में पीएम मोदी ने क्या किया? उनका दावा था कि 2014 से पहले हिंदू और देश खतरे में नहीं थे, लेकिन मोदी के आने के बाद से ही यह संकट पैदा हुआ है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और अखिलेश के व्यक्तिगत रिश्तों पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा, हम कोई ज्योतिषी नहीं हैं। व्यक्तिगत रिश्ते किसी के भी साथ हो सकते हैं।

अमानत से अपर्णा तक, वो बहुएं जो घर के साथ-साथ राजनीति में भी एक्टिव

लखनऊ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। एक तरफ तो कहा जाता है महिला और पुरुष एक समान हैं। वहीं दूसरी ओर राजनीति को अक्सर पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता है, लेकिन अब समय बदल रहा है। अब महिलाएं न सिर्फ समाज की आवाज बन रही हैं, बल्कि कई तो अपने घर-परिवार की राजनीति विरासत को भी मजबूती से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने घर की बागडोर के साथ राजनीति की कमान को भी संभाला हुआ है। खबरें आ रही हैं कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की बहू अमानत बंसल चौहान की राजनीति में एंट्री हो गई है। उनसे पहले भी ऐसी बहुत सी बहुएं हैं जिन्होंने राजनीति में अपनी जगह बनाई है। आइए जान लेते हैं उन बहुओं के बारे में जिन्होंने घर के दायित्वों के साथ-साथ राजनीति में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई है।सबसे पहले बात कर लेते हैं मुलायम सिंह यादव की बहू डिंपल यादव की जो समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की पत्नी हैं। वो समाजवादी पार्टी से लोकसभा सांसद हैं जो कन्नौज, मैनपुरी की सीट पर अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। डिंपल यादव समाजवादी पार्टी का एक बड़ा चेहरा हैं और महिला सशक्तिकरण की मजबूत आवाज हैं।

अगला नाम भी यादव परिवार की बहू का ही है। हम बात कर रहे हैं अपर्णा यादव की जो मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू हैं और प्रतीक यादव की पत्नी हैं।

'नीतीश सरकार जैसे 20 साल पुरानी कार'

तेजस्वी बोले- अब बिहार के युवाओं को मिले मौका

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा नेता तेजस्वी यादव अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। अब उन्होंने बिहार के लिए नए मुख्यमंत्री बनाए जाने की अपील की है जिस वजह से वो खबरों में छा गए हैं। तेजस्वी ने नीतीश कुमार की सरकार की तुलना 20 साल पुरानी कार से कर दी जिसकी अब मार्केट में वेल्यू खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि अब बिहार में युवाओं को मौका मिलना चाहिए ताकि बदलाव आ सके। इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी और कन्हैया कुमार के बिहार दौरे को लेकर कांग्रेस में चल रही गुटबाजी चल रही है। कार्यकताओं में मारपीट को लेकर तेजस्वी यादव ने बताया कि मुझे जानकारी नहीं है। उन्होंने इंडी एलायंस के राहुल गांधी के जुड़े सवालों को दरकिनार करते हुए कहा कि इस बार बिहार में इंडी एलायंस चुनाव लड़ेगी और मजबूरी के साथ बिहार में सरकार बनाएगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस बार बिहार में एनडीए का सफाया इंडी एलायंस और महा गंठवबंधन करेगा।

इसमें कोई दो राय नहीं है बिहार में खटारा सरकार सिस्टम ने नकार दिया है। इस बार बिहार को थका हारा हुआ सीएम नहीं चाहिए बल्कि और काम करने वाला मुख्यमंत्री चाहिए। सीटों के बंटवारे को लेकर जब विप सुप्रीमो मुकेश सहनी द्वारा मांगे गए सात सीट पर जब सवाल तेजस्वी यादव से पूछे गए कि कॉग्रेस को कितनी सीट देंगे तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अभी हमसे एक भी सीट नहीं मांगी है। दरअसल तेजस्वी यादव अपने निर्वाचन क्षेत्र राघोपुर के बिदुपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रामदौली टोला कर्मोपुर गांव में वकील सिंह के माता के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने उनकी मां के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। तेजस्वी यादव के आने की तैयारियां जोरों से हुईं, रामदौली खेल मैदान में हैलीपेड बनाई गए थे। कार्यक्रम समाप्ति के बाद रोड़ मार्ग से पटना के लिए रवाना हो गए।

स्कूल बस में कक्षा 3 की छात्रा से दरिंदगी पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को किया गिरफ्तार

रायबरेली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। क्षेत्र के एक विद्यालय के बस चालक ने हैवानियत की हदें पार कर दी। स्कूल से घर छोड़ने जा रहे चालक ने कक्षा 3 की छात्रा को अपनी हवस का शिकार बना डाला। बुधवार सुबह स्कूल पहुंचे अभिभावकों ने स्कूल में हंगामा किया उसके बाद घटना की शिकायत पुलिस से की। बस चालक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। छात्रा के पिता का आरोप है कि उसकी बेटी एक निजी विद्यालय में कक्षा 3 की छात्रा है। स्कूल की बस से उसकी बेटी रोज स्कूल आती जाती थी। छात्रा के पिता का आरोप है कि उसके घर पहुंचने के पहले अधिकांश बच्चे बस से उतर जाते थे। उसकी बेटी व छोटा बेटा ही आखिरी में बस से उतरता था। बुधवार को उसकी बेटी स्कूल जाते समय जोर से रोने लगी। कुछ देर बाद उसने मा को पूरी घटना बताई। छात्रा के पिता ने बताया कि बस चालक कोडरा निवासी धीरेन्द्र यादव छात्रा के साथ अकेले पाकर छेड़खानी करता रहा। शनिवार को शारदा नगर मोड़ के पास बस रोक कर बस के अंदर ही दुष्कर्म किया। छात्रा अब स्कूल आने से घबरा रही है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि घटना में बस चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

'एएमयू का नाम अलीगढ़ यूनिवर्सिटी हो'

मंदिर बनाने के बयान का बीजेपी लीडर रूबी आसिफ खान ने किया समर्थन

अलीगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आचार्य देवकीनंदन ठाकुर द्वारा एएमयू में मंदिर बनाने के बयान का भाजपा नेत्री रूबी आसिफ खान ने समर्थन किया है। उनका कहना है कि एक महीने से वह भी कोशिश कर रही हैं कि एएमयू में मंदिर बनना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उन्होंने पत्र भी भेजे हैं। मंदिर बनवाने के लिए अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का नाम बदलकर अलीगढ़ यूनिवर्सिटी होना चाहिए। यहां हिंदू व मुस्लिम दोनों समुदाय के छात्र पढ़ते हैं। इसलिए मंदिर होना ज्यादा जरूरी है। मंदिर बनने से मोहब्बत बढ़ेगी। हिंदुस्तान का नाम रोशन होगा। कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर के निशाने पर अलीगढ़ मुस्लिम विश्विद्यालय (एएमयू) भी रहा। कहा, केंद्र के पैसे से एएमयू संचालित होता है। इसके परिसर में चार-पांच मस्जिद है। वहां मंदिर का निर्माण भी होना चाहिए। उप मुख्यमंत्री दिल्ली जाएं तो इस बात को जरूर रखें। एएमयू में होली मनाने को लेकर हुए विरोध की चर्चा करते हुए कहा कि मंदिर बनता है तो वह मुफ्त में कथा करने आएंगे। उन्होंने कहा कि सनातन को आगे बढ़ाना है तो बच्चों को गीता, रामायण पढ़ानी होगी। सभी तिलक लगाएं। कलावा पहनें। बच्चे धर्म से भटक रहे हैं। इसलिए मेरठ में नीले ड्रम जैसी घटनाएं हो रहीं हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान वक्फ कानून को अच्छा बताया। कहा, अब किसी भी भूमि को वक्फ की बताना आसान नहीं होगा। वह तो 15 सौ वर्ष पुराने मंदिर को भी वक्फ का बता देते थे। अब जनसंख्या नियंत्रण कानून लाना बहुत जरूरी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने गोवंश ही नहीं श्रीकृष्ण भगवान का भी अपमान किया है। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान पर बोले कि कोई पांच साल सांसद या विधायक रह सकता है। कभी तो पद छोड़ना पड़ेगा। इसलिए ऐसे बयान नहीं देने चाहिए।

पाकिस्तान की जीत पर भारतीय मुस्लिम फोड़ते हैं पटाखे, जेडीयू विधायक गोपाल मंडल के बोल

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में जेडीयू कोटा से चौथी बार विधायक पद के लिए चुने गए एमएलए गोपाल मंडल मानों हमेशा विवादों में बने रहना चाहते हों। वो अपनी अतरंगी हरकतें की वजह से अक्सर विवादित बयान देकर चर्चा में बने रहते हैं। खुद को पर्दे का कलाकार बताने वाले जेडीयू विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल जहां जाते हैं। उनके एक बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। बीते दिनों क्रिकेट टूर्नामेंट उद्घाटन के दौरान उन्होंने मुसलमानों को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने भारत में रहने वाले मुसलमान के लिए कहा कि वो पाकिस्तान के मैच जीतने पर बहुत खुश होते हैं और उसे जोर-शोर से सेलीब्रेट होते हैं। दरअसल, गोपाल मंडल बीते दिनों नवगछिया के इस्माइलपुर में एक ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे, जहां उनके संबोधन का वीडियो भी काफी वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पाकिस्तान का जब मैच होता है तो भारत जीतता है तो यहां के हिन्दू पटाखे फोड़ते हैं और जब पाकिस्तान जीतता है तो यहां के मुस्लिम भी पटाखे फोड़ते है। भारत पाकिस्तान के बीच मैच में दोनों टीम में तालमेल होता है। अपने विधानसभा क्षेत्र गोपालपुर के इस्माइलपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन में वह खेल का महत्व बता रहे थे। कह रहे थे खेल को खेल भावना से ही खेलना चाहिए इस बीच बोलते हुए वो भारत पाकिस्तान मैच परिणाम पर विवादित टिप्पणी की। हर मौके पर जेडीयू विधायक अपनी बयानबाजी के कारण चर्चा का विषय बने होते हैं। पिछले दिनों होली मिलन समारोह के दौरान वायरल हुए विडिओ के बाद पटना में पत्रकारों से अभद्रता का मामला भी सामने आया था। माइक लगाने को लेकर नीतीश के विधायक और पत्रकारों के बीच बहस हो गई थी, जिसमें उन्होंने पत्रकारों को दामाद कहकर बुलाया था। इसपर मौके पर मौजूद पत्रकारों के बीच काफी गुस्सा देखा गया।

नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ एन जॉन कैम की तस्वीर शेयर कर अखिलेश सीएम योगी आदित्यनाथ को देने लगे ये नसीहत

लखनऊ, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह में हार्ट ऑपरेशन करके 7 लोगों की जान लेने वाले फर्जी हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ एन जॉन कैम चर्चाओं में बना हुआ है। पुलिस ने इसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। दरअसल मध्य प्रदेश के दमोह में नरेंद्र विक्रमादित्य यादव ने खुद को ब्रिटेन का प्रसिद्ध डॉक्टर एन जॉन कैम बताया और दिल के मरीजों के ऑपरेशन करने लगा। मगर ऑपरेशन के बाद मरीजों की मौत होती गई और ये मामला सुर्खियों में आ गया। फिर जब जांच की गई तो नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ एन जॉन कैम को लेकर सनसनीखेज खुलासे हुए। सामने आया कि इसने अभी तक फर्जी डॉक्टर बनकर कई ऑपरेशन किए हैं, जिसमें कई लोगों की मौत भी हुई है। यहां तक की साल 2006 में इसने छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की भी हार्ट सर्जरी की थी, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। अब नरेंद्र विक्रमादित्य यादव की गिरफ्तारी पर समाजवादी पार्टी चीफ अखिलेश यादव का बयान सामने आया है। दरअसल नरेंद्र विक्रमादित्य यादव एक बार यूपी की राजनीति में भी चर्चा का विषय बन चुका है। पहले आपको बताते हैं कि अखिलेश ने इसको लेकर क्या कहा है

अखिलेश यादव ने कसा योगी सरकार पर तंज

सोशल मीडिया एक्स पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा, मुख्यमंत्री ने जिन्हें विदेशी समझकर, कुछ ले-देकर अपनी नक़ली तारीफ़ करवाई, वही नक़ली निकले। ऐसा 'हादसा-ए-तारीफ़' इसलिए हुआ क्योंकि उनके अपने सलाहकार भी नक़ली हैं, जो जानबूझकर भारी-भारी अंग्रेज़ी में झूठी तारीफ़ लिखवाते हैं जिससे माननीय को समझ में न आए और वो चाटुकार 'सलाहकार' का मुखौटा लगाकर, अपनी फसल काटते रहें। सपा चीफ ने आगे कहा, मुख्यमंत्री को ऐसे चाटुकारों को तुरंत हटा देना चाहिए क्योंकि कल को ये फ्रेंच भाषा में कुछ लिखवाकर छाप देंगे तो माननीय को सच में फ्रेंच सीखने के लिए कहीं फ्रांस न जाना पड़ जाए।

विदेशी बनकर योगी सरकार की तारीफ की थी

दरअसल साल 2023 में नरेंद्र विक्रमादित्य यादव ने अपने ट्विटर वेरिफाइड अकाउंट से विदेशी नागरिक बनकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यूपी सरकार की तारीफ की थी। उस समय फ्रांस में दंगे हो रहे थे। उस दौरान नरेंद्र विक्रमादित्य यादव ने ट्वीट किया था कि फ्रांस में दंगे रोकने के लिए योगी को वहां भेजा जाए। उस दौरान ये ट्वीट चर्चाओं में आया था और विपक्ष ने इसे लेकर योगी सरकार पर निशाना भी साधा था।

दो दिन से भूखी थी, पड़ोसी से आटा मांगा तो चरित्रहीन कहकर पीटा दो बच्चों के साथ मौत को लगाया गले

वाराणसी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी जिले के चौखंडी स्टेशन पर महाकाल एक्सप्रेस के सामने दो मासूम बच्चों के साथ कूदकर विवाहिता की जान देने की घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। मंगलवार को हुई इस घटना की वजह हैरान करने वाली थी। महिला दो दिन से भूखी थी, उसने पड़ोसी से एक किलो आटा मांगा था। इस पर ससुराल वालों ने चरित्रहीन कह कर उसे पीट दिया था। ग्रामीणों के मुताबिक पिटाई से आहत होकर महिला ने आत्मघाती कदम उठाया। मां और दोनों बच्चों का क्षत-विक्षत शव देख कर लोगों का रूह कांप उठा।

खुद मुस्लिम और पत्नी हिंदू, क्या शाहनवाज हुसैन पर भी लगा लव जिहाद का आरोप? बीजेपी नेता ने कह दी बड़ी बात

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। 'लव जिहाद' का शब्द इस्तेमाल करते हुए इस पर देश में खूब राजनीति होती है। इस 'लव जिहाद' के मुद्दे पर बीजेपी के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन की प्रतिक्रिया आई है। वे खुद मुस्लिम हैं जबकि उनकी पत्नी रेणु हिंदू हैं। दोनों ने प्रेम विवाह किया है। ऐसे में लव जिहाद को लेकर बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने बड़ी बात कह दी है। इस सवाल पर कि आपकी पार्टी लव जिहाद का जो मुद्दा उठाती है तो क्या आपके ऊपर उस वक्त लव जिहाद के आरोप लगे थे? इस पर शाहनवाज हुसैन ने कहा, उस वक्त शायद यह वर्ड इजाद नहीं हुआ था। हमारा लव था। जिहाद नहीं था। बहुत नेचुरल था। उनकी (पत्नी) आंखें बहुत खूबसूरत लगीं। आंखों-आंखों में ही प्यार हो गया। शाहनवाज ने कहा, जो प्लांड करके शादी करते हैं, लव जिहाद करते हैं, वो गलत है। लव में तो कोई दिक्कत नहीं है। कोई किसी से भी लव करता है। आजकल तो देखता हूं बहुत से लोग मोहब्बत करते हैं। जात-धर्म की सीमा से उठकर करते हैं। मोहब्बत तो सदा रहेगा, लव सदा रहेगा, लेकिन लव जिहाद नहीं रहेगा।₹ इस सवाल पर कि आज के संदर्भ में आपकी लव स्टोरी होती तो आप पर भी आरोप लगता न? इस पर कहा कि क्यों लगता? अब तो सबूत भी है। 31 साल से साथ हैं। जब दिल से प्यार था तो मेरे पर लव जिहाद का आरोप क्यों लगता? बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन को प्रेम तब हुआ जब वे कॉलेज में थे। 1986 में शाहनवाज ग्रेजुएशन कर रहे थे। पत्नी रेणु भी उसी कॉलेज में पढ़ती थीं। मुस्लिम परिवार से आने वाले शाहनवाज को एक हिंदू परिवार की लड़की रेणु से प्यार हो गया। मजहब की दीवार लांघकर दोनों ने शादी कर ली। परिवार वालों की भी सहमति थी। शाहनवाज हुसैन पर इश्क का रंग ऐसा चढ़ा था कि वो रेणु का एक झलक पाने के लिए उसी बस से यात्रा करने लगे थे जिससे रेणु जाती थीं। करीब 9 साल के बाद दोनों की शादी हो गई। दोनों के दो बेटे हैं, जिनका नाम अदिब और अरबाज है।

रेप की सजा से छूटे 54 साल के दरिंदे ने 13 वर्षीय छात्रा से किया दुष्कर्म, पूर्व मंत्री के घर में वारदात

शहडोल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल से झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। 54 वर्षीय अधेड़ ने 13 साल की बच्ची को अपनी हवस का शिकार बना लिया। चौंकाने वाली बात ये है कि आरोपी बच्ची से दुष्कर्म मामले में दस साल की सजा पा चुका है, और हाल ही में रिहा हुआ था। वहीं ये घटना पूर्व मंत्री के निर्माणाधीन मकान में अंजाम दी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार बीते सुबह थाना कोतवाली इलाके के पांडव नगर स्थित निजी स्कूल में पढ़ने वाली 13 वर्षीय छात्रा घर से साइकिल से जा रही थी। तभी स्कूल के समीप पंकज पिता प्रकाश चंद्र कटारे (54) ने उसे रोका और उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ पूर्व मंत्री के पांडव नगर स्थित निर्माणाधीन मकान में ले गया

'धनंजय मुंडे और करुणा के रिश्ते की प्रकृति विवाहित'

कोर्ट ने कहा- वो राहत पाने की हकदार

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे की करुणा मुंडे के साथ का रिश्ता शादी जैसा है और इस आधार पर करुणा घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत राहत पाने की हकदार हैं। मुंबई की सेशंस कोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ अंतरिम भरण-पोषण आदेश को बरकरार रखा है।

क्या था मामला?

करुणा मुंडे ने 2020 में धनंजय मुंडे के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया था। इसके बाद बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 4 फरवरी को अंतरिम राहत के तहत आदेश दिया कि धनंजय मुंडे हर महीने करुणा को 1,25,000 रुपये बेटी को 75,000 रुपये देने होंगे। धनंजय मुंडे ने इस आदेश के खिलाफ सेशंस कोर्ट में अपील की थी, जिसे अब खारिज कर दिया गया है।

धनंजय मुंडे का पक्ष क्या था?

धनंजय मुंडे ने कोर्ट में दावा किया कि करुणा न तो उनकी पत्नी हैं, न ही वे किसी लिव-इन रिश्ते में थे। उनके वकील ने यह भी कहा कि वे किसी भी राहत की हकदार नहीं हैं। वहीं कोर्ट की तरफ से एनसीपी नेता के दावे के खारिज करने की बात करें तो कोर्ट ने दो दस्तावेजों वसीयतनामा और स्वीकृतिपत्र को देखने के बाद माना कि करुणा और धनंजय का रिश्ता केवल शारीरिक नहीं बल्कि शादी जैसा था। कोर्ट ने साफ किया कि इस मुकदमे में यह तय करना जरूरी नहीं कि वे कानूनी रूप से पति-पत्नी हैं या नहीं, बल्कि सिर्फ यह देखना जरूरी है कि उनका रिश्ता 'शादी जैसा' था या नहीं।

करुणा की कमाई का क्या?

धनंजय मुंडे के वकील ने तर्क दिया कि करुणा की अपनी आमदनी है। लेकिन कोर्ट ने कहा कि असल मुद्दा यह है कि क्या उनकी आमदनी इतनी है कि वे वही जीवनशैली जी सकें जो धनंजय जैसे राजनेता की है। कोर्ट ने यह भी माना कि— अगर करुणा कुछ कमाती भी हैं—फिर भी वे और उनके बच्चे उसी स्तर की जिंदगी के हकदार हैं जैसी धनंजय मुंडे जी रहे हैं।

कोर्ट का अंतिम फैसला

सेशंस कोर्ट ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने जो अंतरिम भरण-पोषण तय किया है, वह बिल्कुल उचित है और उसमें किसी बदलाव की जरूरत नहीं है। इसलिए धनंजय मुंडे की अपील खारिज की जाती है।

मध्य प्रदेश में लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए खुशखबरी

भोपाल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों की लंबित पदोन्नतियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय शीघ्र लिया जाएगा, जिससे लगभग चार लाख सरकारी कर्मचारियों को लाभ होगा। मोहन यादव ने स्वीकार किया कि पिछले आठ वर्षों से रुकावट के कारण पदोन्नति बाधित हुई। सीएम मोहन यादव ने एक्स हैंडल पर एक वीडियो संदेश में कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि पिछले 8 वर्षों से लंबित प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों-अधिकारियों की पदोन्नति की मांग जल्द ही पूरी होने जा रही है। हमने अलग-अलग स्तर पर चर्चा कर पदोन्नति का रास्ता तलाश लिया है। हम शीघ्र ही लगभग 4 लाख से अधिक कर्मचारियों-अधिकारियों की पदोन्नति के सुखद समाचार की घोषणा करने वाले हैं। हालांकि साथ ही उन्होंने अफसोस जताया कि करियर में प्रगति का इंतजार कर रहे कई अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए। मोहन यादव ने कहा कि मंत्रियों के साथ चर्चा के बाद सरकार ने पदोन्नति के मुद्दे का समाधान निकालने का रास्ता निकाला। उन्होंने कहा, प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों को जल्द पदोन्नत किया जाएगा। इस संबंध में जल्द ही होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में अधिकारियों और कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाएगा, जिससे लगभग चार लाख अधिकारी और कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

आरक्षण रोस्टर के बारे में उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद मध्यप्रदेश सरकार में अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति रोक दी गई थी। वहीं, मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने पंजीकृत पशु आश्रयों को दी जाने वाली सरकारी सहायता को 20 रुपये प्रति पशु प्रति दिन से दोगुना कर 40 रुपये करने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने निराश्रित पशुओं से निपटने के लिए एक नीति को भी मंजूरी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में गोआश्रय प्रतिष्ठान नीति, 2025 को मंजूरी दी गई, जिसका उद्देश्य निराश्रित गायों की समस्या से निपटना है।

पंजाब में बुलेटप्रूफ गाड़ियों में घूम रहे ए कैटेगरी के गैंगस्टर; हाई कोर्ट भी हैरान

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने राज्य में ए श्रेणी के गैंगस्टरों की ओर से बुलेटप्रूफ वाहनों के खुलेआम इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई है और इसे चौंकाने वाली स्थिति करार दिया है। अदालत ने यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें एक टोयोटा फॉर्च्यूनर गाड़ी की जब्ती को अवैध ठहराया गया था। पंजाब निवासी याचिकाकर्ता कमलेश ने कोर्ट को बताया कि उसकी जब्त की गई गाड़ी को उसके बेटे ने प्रयोग किया था, जिसे गैरकानूनी तरीके से बुलेटप्रूफ में तब्दील करवाया गया था। उसका बेटा एक घोषित ए कैटेगरी गैंगस्टर है,

जिस पर करीब 41 आपराधिक मामले दर्ज हैं। हाईकोर्ट ने हैरानी जताई कि एक खूंखार अपराधी बिना किसी वैधानिक अनुमति के बुलेटप्रूफ गाड़ी कैसे हासिल कर सकता है और प्रशासन इस पर रोक क्यों नहीं लगा सका। हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले को आंखें खोल देने वाली स्थिति बताते हुए कहा कि यह केवल एक व्यक्ति या वाहन का मामला नहीं, बल्कि पूरे राज्य की प्रशासनिक नाकामी और आपराधिक तत्वों को खुली छूट दिए जाने का संकेत है। गैंगस्टरों को इस तरह की अतिरिक्त सुरक्षा मिलना, उनकी ताकत को और बढ़ावा देने जैसा है, जो कानून के शासन के लिए अत्यंत खतरनाक है।

जेल से निकलने के बाद गुरमीत राम रहीम सिंह की पहली प्रतिक्रिया, समर्थकों से कर दी ये अपील

रोहतक, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक स्थित सुनारिया जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को 21 दिन की 'फरलो' दी गई है। फरलो मिलने के बाद राम रहीम जेल से बाहर आ गया है। जेल से बाहर आने के बाद वह सिरसा में स्थित डेरा के मुख्यालय पहुंचा। इसके बाद राम रहीम ने लोगों से डेरे में नहीं आने की अपील की। 29 अप्रैल को डेरा सच्चा सौदा का स्थापना दिवस है। ऐसे में यहां कई बड़े कार्यक्रम होने की संभावना है, जिसे देखते हुए कथित तौर पर गुरमीत राम रहीम ने सिरसा में ही रहने का फैसला किया है। राम रहीम ने डेरा सच्चा सौदा स्थापना दिवसीय को लेकर श्रद्धालुओं को बधाई भी दी।

हरियाणा चुनाव से पहले भी जेल से बाहर आया था राम रहीम

राम रहीम को पिछले साल एक फरवरी को 20 दिन की पैरोल मिली थी। वह पैरोल भी उसे पांच अक्टूबर को हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले मिली थी। संयोग से बीते कुछ सालों के दौरान राम रहीम को पंजाब, हरियाणा और पड़ोसी राज्यों में चुनाव के समय पैरोल और फरलो मिली हैं। पिछले साल अगस्त में

राम रहीम को 21 दिन की फरलो दी गई थी। उन्हें पंजाब विधानसभा चुनाव से बमुश्किल दो हफ्ते पहले 7 फरवरी, 2022 से तीन हफ्ते की फरलो दी गई थी। पिछले साल मई में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने राम रहीम और चार अन्य को 2002 में संप्रदाय के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में 'ढुलमुल' जांच का हवाला देते हुए बरी कर दिया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने करीब 20 साल पुराने हत्याकांड में राम रहीम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उसे सह-आरोपियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रचने का दोषी पाया गया था। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और अन्य राज्यों में डेरा सच्चा सौदा के अनुयायियों की अच्छी खासी तादाद है। हरियाणा में, सिरसा, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, कैथल और हिसार समेत कई जिलों में डेरा के काफी अनुयायी हैं। इसका मुख्यालय भी सिरसा में है।

भाजपा नेता सुंदरराजन के पिता कांग्रेस नेता कुमारी अनंथन का निधन स्टालिन-कनिमोझी ने दी श्रद्धांजलि

पुडुचेरी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु में भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन के पिता वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुमारी अनंथन का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम। के। स्टालिन और द्रमुक सांसद कनिमोझी उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंची। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने भी कुमारी अनंथन को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन। रंगासामी और पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायणसामी ने भी बुधवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुमारी अनंथन के निधन पर दुख जताया। अपने शोक संदेश में रंगासामी ने अनंथन की तारीफ करते हुए उन्हें 'तमिल भाषा का चैंपियन' बताया। उन्होंने कहा कि अनंथन ने तमिल भाषा, संस्कृति और तमिलों के कल्याण के प्रचार-प्रसार में बहुत योगदान दिया। वह एक महान देशभक्त थे, जिन्होंने हमेशा तमिलों के अधिकारों की वकालत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका निधन तमिल समुदाय के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी नारायणसामी ने अपने शोक संदेश में कुमारी अनंथन की जमकर तारीफ की। उन्होंने अनंथन को निस्वार्थ बताया और कहा कि उनका पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और कांग्रेस के दिग्गज के कामराज से करीबी संबंध था। नारायणसामी ने कहा कि उन्होंने तमिल भाषा के प्रचार-प्रसार में बहुत योगदान दिया

कांग्रेस नेता जीतू पटवारी के खिलाफ कोर्ट का जमानती वारंट, क्या है पूरा मामला?

ग्वालियर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। पीसीसी के जीतू पटवारी के खिलाफ एमपी एमएलए कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया है। यह पूरा मामला लोकसभा चुनाव में बीएसपी कैंडिडेट पर टिप्पणी किए जाने से जुड़ा हुआ है। फिलहाल, एमपी एमएलए कोर्ट में 8 मई को अब इस मामले की अगली सुनवाई होगी। दरअसल, यह पूरा मामला 20 साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भिंड लोकसभा सीट से बीएसपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी देवाशीष पर बीजेपी से सांठगांठ का आरोप लगाया था। बहुजन समाज पार्टी ने जीतू पटवारी के इस आरोप के खिलाफ भिंड जिले के उमरी थाने में केस दर्ज कराया था। देवाशीष ने आरोप लगाया था कि उन्होंने बीएसपी प्रमुख मायावती के लिए भी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया है।

किसने की शिकायत?

बीएसपी पदाधिकारी अशोक गुप्ता की शिकायत पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इस पर जीतू पटवारी को आरोपी बनाया गया था और अब इस मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के खिलाफ 500 रुपये का जमानती वारंट जारी किया है। केस की अगली सुनवाई 8 मई को होगी।

ये प्रत्याशी चाहते हैं लोकतंत्र के हत्यारों की मदद करो

चुनाव के समय एक रैली को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने कहा था कि मैं मायावती जी से कभी मिला नहीं हूं, उनको जानता नहीं हूं। उनसे कभी बात भी नहीं की, लेकिन मैं उनके प्रत्याशियों से खूब मिलता हूं। अभी जो प्रत्याशी आया है। उन्होंने कहा कि बिना नाम लिए देवाशीष पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ये प्रत्याशी चाहते हैं कांग्रेस को हराओ, लोकतंत्र के हत्यारों की मदद करो और लोकतंत्र के रक्षकों को हराओ।

देवाशीष ने क्या कहा था?

बीएसपी प्रत्याशी देवाशीष ने कहा था कि कांग्रेस के नेता जो कुछ भी कह रहे हैं ये उनकी कुंठा है। उन्होंने कहा था कि आपके प्रत्याशी बहुत कमजोर हैं इसलिए आप ऐसा कह रहे हैं, जिस तरीके से आपके प्रत्याशी की भाषा खराब है, वैसी ही दोयम दर्जे की आपकी भी भाषाशैली है। उन्होंने कहा था कि भिंड दतिया की ये जनता इस तरह की भाषा शैली को बर्दाश्त नहीं करेगी, खासकर दलित समाज इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगा।

केरल में भयानक एक्सीडेंट सीसीटीवी में कैद, बिल्ली को बचाने के चक्कर में गई युवक की जान

त्रिशूर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के त्रिशूर में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां सड़क पर फंसी बिल्ली को बचाने के लिए बाइक रोकने वाले एक युवक की ट्रक और कार से टकराकर मौत हो गई। मृतक की पहचान शिजो के रूप में हुई, जो कि कल्लतोड का रहने वाला था। पूरा हादसा वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि शिजो ने सड़क पर मौजूद बिल्ली को बचाने के लिए अपनी बाइक को सड़क के किनारे लगाया और तेजी से आ रहे ट्रक को रुकने का इशारा करते हुए बिल्ली की ओर दौड़ गया। ट्रक ड्राइवर को कुछ समझ आता इससे पहले ट्रक ने शिजो को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही शिजो जमीन पर गिरा और सामने से आ रही कार के टायर के नीचे आ गया।

'जब भी मुंबई आएंगे, जवाब देना होगा आज या कल तो आना ही पड़ेगा', कुणाल कामरा को शिवसेना की चेतावनी

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने कॉमेडियन कुणाल कामरा को चेतावनी दी है कि जब भी वह मुंबई आएंगे, पार्टी उनसे जवाब मांगेगी। उन्हें 'आज या कल' पुलिस के पास आना ही पड़ेगा। बता दें कि कुणाल कामरा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर 'देशद्रोही' टिप्पणी करने के मामले में केस का सामना कर रहे हैं। शिवसेना विधायक पटेल की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ केस दर्ज किया है। पटेल ने मंगलवार को इस संबंध में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कामरा राज्य में आने से बच रहे हैं। पुलिस ने उन्हें तीन बार समन भेजा है। इसके बावजूद भी वह पूछताछ के लिए मुंबई पुलिस के सामने पेश नहीं हुए हैं। विधायक ने कहा कि कामरा को 'आज या कल' पुलिस के पास आना होगा। शिवसेना विधायक पटेल ने आगे कहा कि पुलिस के समन भेजने के बाद भी वह मुंबई नहीं आ रहे हैं। वे राज्य से बाहर भाग रहे हैं। विधायक ने कहा कि मुझे पता है कि कामरा को मद्रास हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है। उन्होंने हमें एक प्रति भेजी है। ऐसे कई नोटिस आते-जाते रहते हैं, लेकिन जब भी कामरा मुंबई आएंगे। हम निश्चित रूप से उनसे जवाब मांगेंगे। बता दें कि कॉमेडियन कुणाल कामरा अपने सत्ता-विरोधी विचारों के लिए मशहूर हैं। उन्होंने पिछले महीने अपने यूट्यूब चैनल पर स्टैंड-अप शो 'नया भारत' शुरू किया, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के खिलाफ 'देशद्रोही' टिप्पणी की, जिसको लेकर वह विवादों में हैं। विधायक पटेल की शिकायत पर कामरा के खिलाफ खार पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(1)(बी) (सार्वजनिक रूप से शरारत करने वाले बयान) और 356(2) (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दो किशोरियों की पिटाई का वीडियो वायरल होने पर महिला आयोग ने लिया संज्ञान, कार्रवाई के दिए निर्देश

देहरादून, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बागेश्वर के कपकोट में दो किशोरियों के साथ मारपीट के वायरल वीडियो पर महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बागेश्वर के पुलिस अधीक्षक से फोन पर बातचीत करके आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वीडियो में दो किशोरियों को चार युवक बेरहमी से पिटाई करते नजर आ रहे हैं और गालियां दे रहे हैं। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि यह प्रकरण अत्यंत गंभीर व चिंताजनक है कि पहाड़ के दूरस्थ व ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस प्रकार के मामले सामने आ रहे हैं। उन्हें पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज करके दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी दो आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।। दोनों पीड़ित किशोरियों की काउंसिलिंग कराई गई है। आयोग अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि यह निर्मम वीडियो सोशल मीडिया से तुरंत हटना चाहिए ताकि किशोरियों को भविष्य में पहचान संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े। अध्यक्ष ने कहा कि आरोपियों ने इस प्रकार के अपराध को अंजाम देकर और सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर समाज में आपराधिक मानसिकता को बढ़ावा देने का काम किया है।

'किसी क्षेत्र को राष्ट्र कहना उसकी ताकत का संकेत'

एसएनडीपी प्रमुख के मलप्पुरम वाले बयान पर कुरियन की सफाई

कोझिकोड, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बुधवार को श्री नारायण धर्म परिपालन (एसएनडीपी) योगम के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन का बचाव किया और उनके द्वारा मुस्लिम बहुल मलप्पुरम जिले पर हाल ही में दिए गए बयान को सही ठहराया। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज ने कहा कि किसी क्षेत्र को 'राष्ट्र' कहना उसकी ताकत का संकेत है। एसएनडीपी योगम महासचिव नटेसन ने हाल ही में मलप्पुरम को कुल लोगों का एक अलग राष्ट्र बताया था। नटेसन ने यह भी आरोप लगाया था कि पिछले समुदायों के सदस्यों को मलप्पुरम में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक और आर्थिक न्याय से वंचित किया जा रहा है। नटेसन की इस टिप्पणी की इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने कड़ी आलोचना की थी।

किसी क्षेत्र को राष्ट्र कहना उसकी ताकत का संकेत: कुरियन

इस मामले को लेकर केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री कुरियन ने कोझिकोड में पत्रकारों से बात की। उनके सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अक्सर

केरल के कई क्षेत्रों को 'राष्ट्र' कहा जाता है और इसका मतलब भी अच्छा होता है। कुरियन ने कहा, 'किसी क्षेत्र को राष्ट्र कहना उसकी ताकत का संकेत है।'

नेता अपने-अपने समुदायों के लिए बोलते हैं

उनकी टिप्पणी इस तथ्य की पृष्ठभूमि में आई है कि मलप्पुरम में 56 फीसदी आबादी मुस्लिम है। अपनी टिप्पणी को सही ठहराते हुए कुरियन ने कहा कि समुदाय के नेता अपने-अपने समुदायों के लिए बोलते हैं। कुरियन ने कहा, 'तो, हमें इस पर टिप्पणी क्यों करनी चाहिए? मैं कैसे कह सकता हूं कि हमें वे समुदाय नहीं चाहिए या उन्हें स्वतंत्रता की आवश्यकता नहीं है? मैं एक राजनीतिज्ञ हूं।'

नटेसन ने चार अप्रैल को दिया था बयान

एसएनडीपी योगम महासचिव नटेसन ने चार अप्रैल को चुंगथारा में एझावा समुदाय के एक सम्मेलन को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आप (समुदाय के सदस्य) अपनी स्वतंत्र राय व्यक्त करते हुए यहां नहीं रह सकते। मलप्पुरम कुछ लोगों के लिए एक अलग राष्ट्र या एक अलग राज्य जैसा है।' उन्होंने आरोप लगाया था कि मलप्पुरम में पिछड़े समुदाय के लोग लगातार भय में रहते हैं और स्वतंत्र रूप से सांस नहीं ले सकते। उनके साथ केवल वोटिंग मशीन जैसा व्यवहार किया जाता है।

आईयूएमएल के नेता मुस्लिम विरोधी के रूप में कर रहे चित्रित: नटेसन

मामला तूल पकड़ने के बाद नटेसन ने अपने बचाव में सफाई दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कुछ नहीं कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि आईयूएमएल के कुछ नेता उन्हें मुस्लिम विरोधी के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं।

फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने के लिए मेगा डील मंजूर

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने के लिए मेगा डील को मंजूरी दे दी है। 63,000 करोड़ रुपये से अधिक के इस सरकारी सौदे पर जल्द ही हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर विमान मिलेंगे। सरकारी सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने यह दावा किया है। यह सौदा भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों की क्षमताओं को भी अपग्रेड करने में मदद करेगा। राफेल-एम जेट को भारतीय नौसेना के विमानों के बेड़े में शामिल किया जाएगा। राफेल-एम जेट फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी की ओर से तैयार किए गए भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों की तरह अत्याधुनिक तकनीक और क्षमता से लैस होंगे। यह विमान भारतीय नौसेना के लिए एक गेम-चेंजर साबित होंगे, जो समुद्र में संचालन की क्षमता को बढ़ाएंगे। इन जेट का इस्तेमाल विमानवाहक पोत पर भी किया जाएगा, जिससे भारतीय नौसेना की सामरिक ताकत में काफी इजाफा होगा। यह सौदा केवल रक्षा क्षेत्र के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह भारतीय सामरिक ताकत को भी एक नई दिशा देगा। इससे न केवल वायुसेना और नौसेना की क्षमता में वृद्धि होगी,

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 10 अप्रैल - 2025

राज्यपालों को सुप्रीम नसीहत

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर फैसला सुनाते हुए राज्यपालों की भूमिका को स्पष्ट करते हुए नसीहतें भी दी है। सुप्रीम अदालत ने कहा है कि राज्यपाल विधेयकों को अनिश्चितकाल तक आखिर कैसे रोक सकते हैं? कानूनन उन्हें एक से तीन महीने में फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच टकराव कम करने में मददगार होगा। कोर्ट का फैसला राज्य और राज्यपालों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवादों के समाधान की दिशा में सबसे अहम कदम माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों की भूमिका एक बार फिर से स्पष्ट कर दी है। यह फैसला आने वाले वक्त में नजीर के रूप में पेश किया जाएगा। इस फैसले से उम्मीद बढ़ी है कि टकराव के रास्ते से हटकर राज्य सरकारें और राज्यपाल मिलकर राज्य के हित में काम करेंगे। बता दें कि तमिलनाडु सरकार को इसलिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा था, क्योंकि राज्यपाल ने कई विधेयक लंबे समय से रोक रखे थे जबकि उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजा गया था। कोर्ट ने इसे अवैध और विधिक रूप से त्रुटिपूर्ण बताया। इसी तरह का विवाद पिछले साल केरल में भी दिखाई दिया था। तब राज्य की डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी कि तत्कालीन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कई बिल दो साल तक लटकाए रखे और फिर उसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया था। देश की शीर्ष अदालत पहले भी कह चुकी है कि राज्यपाल विधानसभा में पारित किसी विधेयक को हमेशा के लिए अपने पास रोक कर नहीं रख सकते। उन्हें उस पर फैसला लेना ही होगा। लेकिन अफसोस है कि सुप्रीम कोर्ट की पिछली किसी नसीहत का कोई असर नहीं दिखाई दिया। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट को ताजा मामले में वही बातें फिर से दोहरानी पड़ी हैं। फैसले का यह बिंदु बेहद अहम है कि राज्यपालों को किसी बिल पर एक से तीन महीने में फैसला ले लेना चाहिए। देश में राज्य और राज्यपालों के बीच विवाद का बहुत पुराना इतिहास रहा है। मामला केवल विधेयकों को मंजूरी देने तक नहीं है। नियुक्तियां, निर्णय, अधिकार और शक्तियां - कई मुद्दों पर दोनों में टकराव होता ही रहा है। हाल में इसका सबसे बड़ा उदाहरण पश्चिम बंगाल और दिल्ली रहे। बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की पहले जगदीप धनखड़ और अब सीवी आनंद बोस के साथ कभी पटरी नहीं बैठी। वहीं, दिल्ली में जब तक आप की सरकार का कार्यकाल था तब तक एलजी के साथ उसकी पटरी कभी नहीं बैठी। बता दें कि साल 1959 में गवर्नर की रिपोर्ट पर केंद्र ने केरल की नंबूदरीपाद सरकार को बर्खास्त कर दिया था। वह पहला मामला था जब किसी सरकार को राज्यपाल के सिफारिश पर हटाया गया था। उसके बाद जब से राज्यपालों की नियुक्तियां राजनीतिक होने लगीं तब से टकराव ज्यादा होने लगा है। नवंबर 2023 में पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच हुए विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था, 'हमारा देश स्थापित परंपराओं पर चल रहा है और उनका पालन किया जाना चाहिए। राज्य का संवैधानिक प्रमुख होने के नाते परंपराओं की सुरक्षा करने में राज्यपाल की ज्यादा जिम्मेदारी है। संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच विधायी, कार्यकारी और वित्तीय शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है। राज्यपाल भी इस परंपरा का अनुपालन करने के लिए बाध्य हैं।

ट्रंप का दुनिया पर राज करने का खतरनाक इरादा

मनोज कुमार अग्रवाल

कई बार सत्ता की बटेर ऐसे निरंकुश विचारों वाले हिटलर सरीखे व्यक्ति के हाथों पहुंच जाती है जो अपने प्रभुत्व को कायम करने के लिए समूची मानवता समाज या व्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है रावण से लेकर कंस और हिटलर से लेकर किमजोंग तक ऐसे अनेक क्रूर शासकों के नाम इतिहास के पन्नों पर दर्ज है। इन दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पर भी सत्ता का ऐसा ही खुमार सिर चढ़कर बोल रहा है और उनकी नीतियां दुनिया के कई देशों के लिए असमंजस की स्थिति उत्पन्न कर रहीं हैं।

ताज़ा परिप्रेक्ष्य में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रैरिफ वॉर शुरू किया है, उसका असर अब दुनिया के बाजार में दिखने लगा है। दुनिया भर के बाजारों में उथल-पुथल मच गई है और जिस प्रकार कई देशों के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली है, उससे आर्थिक मंदी के आसार दिखने लगे हैं। पूरी दुनिया के साथ भारत के शेयर बाजार भी अछुता नहीं रहा है। सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स पिछले बंद से करीब 4000 अंक नीचे रहा। हालांकि, बाजार बंद होने से पहले यह संभला और 2226 अंक नीचे गिरकर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी करीब 1100 अंकों का गोता लगाने के बाद 742 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिकी टैरिफ वॉर के कारण खुद अमेरिकी बाजार का रुख नीचे की तरफ हो गया है। अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को करीब 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1,212.98 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई, जो 3.17 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाती है और इसका स्तर 37,101.88 पर आ गया। वहीं, एसएंडपी 500 सूचकांक 181.37 अंक या 3.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,892.71 पर पहुंच गया। तकनीकी शेयरों पर आधारित नैस्डैक कंपोजिट भी इस दबाव से अछूता नहीं रहा और इसमें 623.23 अंकों यानी 4.00 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जिससे यह 14,964.56 पर आ गया। इससे पहले डाउ जोन्स, नेस्डैक और एसएंडपी 500 में औसतन करीब छह फीसद की गिरावट देखी गई। यह गिरावट सभी क्षेत्रों में जारी रही। उसका असर भारतीय शेयर बाजार में भी दिखा। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यही रुख बना रहा, तो दुनिया में बहुत जल्दी मंदी का दौर शुरू हो जाएगा। दरअसल ट्रंप के ट्रैरिफ वॉर से वैश्विक व्यापार तनाव और आर्थिक मंदी की आशंकाओं से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। निवेशकों का विश्वास डगमगा गया है और इसी कारण शेयरों की बिकवाली के कारण निवेशकों के लाखों करोड़ों रुपये डूब गए। चूंकि बाजार में जोखिम से बचने की भावना बनी हुई है और इस यह धाराशायी हो रहा है। विशेषकर अमेरिका ने चीन के बीच जिस प्रकार से टैरिफ वॉर शुरू हुआ है, उससे पूरी दुनिया में अनिश्चितता का दौर शुरू कर दिया है। अमेरिका ने चीन के निर्यात को नुकसान पहुंचाने के लिए 54 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया तो चीन ने जवाब में अमेरिकी सामानों पर 34 प्रतिशत टैक्स बढ़ा दिया। चीन ने इसके साथ ही सात प्रकार के दुर्लभ खनिजों का निर्यात रोक दिया और अमेरिका व भारत से आने वाले मेडिकल एक्स-रे मशीनों की जांच शुरू कर दी। चीन ने 16 अमेरिकी कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगा दिए हैं। साफ है कि डोनाल्ड ट्रंप की एक जिद दुनिया पर कितनी भारी पड़ रही है, इसका सीधा असर देखकर भी अमेरिका के राष्ट्रपति आंखें मूंदे हुए हैं। उल्टे ट्रंप ने टैरिफ (शुल्क) को 'दवा' बताया है और स्पष्ट किया है कि वह अपनी नीति से पीछे नहीं हटेंगे। उनके अनुसार कभी-कभी चीजों को ठीक करने के लिए कड़वी दवा लेनी पड़ती है। उनके इस रवैये ने दुनिया भर के निवेशकों में डर भर दिया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ट्रंप प्रशासन के इस टैरिफ का असर अभी पूरी तरह से बाजार में वित्त वर्ष मूल्य में शामिल नहीं हुआ है। इसका मतलब यह है कि निवेशक अभी भी इस नीति की पूरी गंभीरता को नहीं समझ पाए हैं, और जब यह असर दिखने लगेगा तो बाजार में और गिरावट आ सकती है। विशेषज्ञों के मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध की वजह से वैश्विक स्तर पर मंदी की आहट की शुरूआत हो सकता है। इसका कारण है कि टैरिफ से महंगाई बढ़ेगी, कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ेगा, और उपभोक्ताओं का विश्वास डगमगाएगा। महंगाई बढ़ने का अर्थ है कि लोग अपने जरूरी खर्चों में भी हाथ पीछे खींचना शुरू कर देंगे। इस तरह बाजार में पूंजी का प्रवाह रुकेगा। इसका सबसे बुरा असर विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका को मौजूदा नीतियां बनी रहीं, तो यह पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकती हैं। भारत को भले ही सीधे तौर पर उतना नुकसान न हो, लेकिन वैश्चिक मंदी का असर यहां भी जरूर दिखेगा। उदाहरण के तौर पर ट्रंप द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद गोल्डमैन सैक्स ने भारत की विकास दर का अनुमान 6.3 प्रतिशत से घटाकर 6.1 प्रतिशत कर दिया है। दरअसल भारत का शेयर बाजार सीधे तौर पर अमेरिका से लिंक है। वहां की गिरावट यहां के सबसे बड़े सेक्टर यानी आईटी सेक्टर को धराशायी कर देता है। इसका असर पिछले कुछ दिनों में साफतौर पर देखने को मिला है।

देखा जाए तो ट्रंप को तो सिर्फ अमेरिका की चिंता है, भले ही उनकी यह चिंता अब अमेरिका के लिए ही चिंता का विषय बन गई है। तमाम अमेरिकी विशेषज्ञ साफ कह चुके हैं कि ट्रंप के टैरिफ का अमेरिका पर भी काफी बुरा असर पड़ेगा। तात्कालिक प्रभाव से शेयर बाजार ने 6 लाख करोड़ डॉलर तो गंवा ही दिए हैं, जो अमेरिका की अर्थव्यवस्था का करीब 20 फीसदी है। भारत में भी 20 लाख करोड़ से ज्यादा की गिरावट सिर्फ टैरिफ के ऐलान के बाद से आ चुकी है। वैश्विक शेयर बाजार में इतनी बड़ी गिरावट कोरोना के बाद पहली बार देखी गई है। वैसे ही दुनिया अभी मंदी की मार से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई थी कि ट्रंप प्रशासन की शुल्क नीति ने एक नया चक्रव्यूह रच दिया। कोरोना के बाद सारी अर्थव्यवस्थाएं संघर्ष करती नजर आ रही हैं। उसकी चपेट में अमेरिका भी रहा है। अब भी यहां महंगाई पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। अगर संस्थागत निवेशकों ने अपना हाथ पीछे खींचना शुरू कर दिया, तो अमेरिका की अर्थव्यवस्था और लड़खड़ाने लगेगी। अभी अमेरिका को लगता है कि वह पारस्परिक शुल्क के जरिए अपनी पूंजी में बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था में मजबूती ला सकेगा, मगर हकीकत यही है कि इसका सबसे बुरा प्रभाव खुद उसी पर पड़ेगा। इसीलिए वहां शुरू से इस नीति का विरोध हो रहा है। आधुनिक अर्थव्यवस्थाएं तन्हा नहीं रह गई हैं, उनमें परस्पर जुड़ाव है। वे अपने लाभ के लिए नए समीकरण और संगठन बनाती रहती हैं। ऐसे में कहीं अमेरिका अलग-थलग न पड़ता जाए। हालांकि यह अमेरिका को फिर से 'ग्रेट' बनाने के ट्रंप के दुस्साहसी कदम का परिणाम है। मगर इससे ट्रंप अपने घोषित मकसद में कामयाब होंगे, इसकी संभावना भी नहीं दिखती। आखिर अर्थशास्त्र का आम सिद्धांत है कि सुगम व्यापार से सबको लाभ होता है, जबकि ट्रंप ने उलटी राह पकड़ी है। ऐसे में अच्छा तो यही होगा कि ट्रैरिफ वार को लेकर फिर से विचार करें लेकिन इस की उम्मीद करना महज मन समझाने जैसा है। लेकिन दुनिया की कोई भी ऐसी व्यवस्था लंबे समय तक अस्तित्व में नहीं रही है इतिहास इसका गवाह है। अमेरिका के राष्ट्रपति की अनीति भी अधिक समय तक चलने वाली नहीं है और इसका भी पटाक्षेप अवश्य होगा हालांकि फौरी तौर पर इसके दुष्परिणामों से निपटना मजबूरी है लेकिन इस अंधेरे से ही उम्मीद के नए सूरज का उदगम होना तय है।

ग्रीन हाउस गैसें तापमान बढ़ा रहीं हैं

सुनील महला

उत्तर भारत में गर्मी अभी से कहर बरसाने लगी है जबकि अभी अप्रैल माह की शुरुआत ही हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 6 अप्रैल से पारा बढ़ना शुरू हो चुका है और अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री तक पहुंच गया है। हाल ही में दिल्ली समेत कई राज्यों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली के अलावा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और ओडिशा के शहरों में भी गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा। हाल ही में राजस्थान के बाड़मेर में गर्मी ने नए रिकॉर्ड बनाए और यहां अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अप्रैल के पहले सप्ताह में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। यह सामान्य से 6.8 डिग्री अधिक है, जो एक चिंताजनक स्थिति है। गौरतलब है कि मौसम विभाग ने हाल ही में एक अलर्ट जारी किया है, जिसके अनुसार 6-10 अप्रैल के दौरान गुजरात के कुछ स्थानों पर गर्म हवाएं चलने की संभावना है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति रहने की संभावना है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, मध्य प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में 'लू' चलने की संभावना है।

इस साल फरवरी भी काफी गर्म रही थी और अब देश के 21 शहरों में अधिकतम तापमान का 42 डिग्री तक पहुंचना एक चेतावनी है कि अगर हम अभी भी पर्यावरण के प्रति नहीं चेते और धरती का तापमान इसी तरह से ही बढ़ता रहा तो ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय(न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी) के एक अध्ययन के अनुसार, पूरी दुनिया को इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2024 में भारत में वर्ष 1901 के बाद से सबसे गर्म वर्ष दर्ज किया गया था। वर्ष 2024 में औसत तापमान 25.75 डिग्री सेल्सियस रहा, जिसने वर्ष 2016 के पिछले रिकॉर्ड को पार कर दिया था तथा यह बीते 123 साल के औसत से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वैश्विक तापमान में भी वृद्धि हुई, जिससे वर्ष 2024 वैश्विक स्तर पर सबसे गर्म वर्ष रहा। साल 2023 भी दुनिया का सबसे गर्म साल रहा था।

वास्तव में, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में जलवायु परिवर्तन बहुत ही तेजी से हो रहा है और जलवायु परिवर्तन के नतीजे जितने लगते हैं, उससे कहीं अधिक खतरनाक सिद्ध हो सकते हैं। दरअसल, जलवायु परिवर्तन में आज सबसे बड़ी भूमिका मनुष्य की ही है क्योंकि आज धरती की आबादी लगातार बढ़ती चली जा रही है और आज भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। मानव जनित कार्यों के कारण आज धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि वर्ष 2024 के गर्म रहने के पीछे अल-नीनो प्रभाव भी है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अल-नीनो एक प्राकृतिक घटना है जिसके कारण भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र का तापमान बढ़ जाता है। इससे हवाओं में बदलाव आता है और दुनिया भर के जलवायु पैटर्न पर बहुत असर पड़ता है। अल-नीनो के प्रभाव से दुनिया में सूखा व बाढ़ जैसी स्थितियां बन सकतीं हैं। फसल पैदावार पर भी प्रभाव पड़ता है तथा मौसम संबंधी आपदाएं बढ़ जाती हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज धरती के तापमान के बढ़ने के पीछे प्रमुख कारण ग्रीन हाउस गैसों का बढ़ता उत्सर्जन और मानवीय गतिविधियां ही हैं। वास्तव में, ग्रीन हाउस गैसें (कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन मुख्यतया) सूर्य के प्रकाश के लिए पारदर्शी होती हैं और पृथ्वी की सतह को गर्म करती हैं।

वास्तव में,पृथ्वी की ग्रीनहाउस गैसें वायुमंडल की ऊष्मा को रोक लेती हैं तथा उसे अंतरिक्ष में जाने से रोकती हैं। इन गैसों की बढ़ी हुई सांद्रता इसके प्रभाव को बढ़ाती है, जिससे गर्मी स्थिर रहती है और वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है।जीवाश्म ईंधन(कोयला ,तेल और प्राकृतिक गैस) के जलने तथा वनों की कटाई से भी धरती का तापमान बढ़ रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो ऑटोमोबाइल और जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से धरती पर कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त, खनन और पशु पालन जैसी गतिविधियाँ पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि धरती का तापमान बढ़ता है तो समुद्र का जल स्तर बढ़ता है, महासागरों की अम्लीयता बढ़ती है, सूखे और हीटवेव की स्थितियां उत्पन्न होती हैं। वनों में आग लगने का संकट भी बढ़ता है। जैव-विविधता की हानि के साथ ही साथ जलवायु परिवर्तन भी होता है।

ऑस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के ताजा अध्ययन ने यह चेतावनी दी है कि अगर धरती का औसत तापमान चार डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है तो 40 फीसदी वैश्विक संपत्ति के नष्ट होने का खतरा है, जबकि अब तक के शोध 11 फीसदी नुकसान की ही बात कहते आए हैं।सच तो यह है कि आज प्रकृति का संतुलन लगातार गड़बड़ा रहा है। प्राकृतिक संतुलन के गड़बड़ाने प्राकृतिक आपदाएं जन्म लेतीं हैं। मसलन, भूस्खलन, अतिवृष्टि, अनावृष्टि(सूखा) तथा चरम मौसमी घटनाएं ऐसी ही प्राकृतिक आपदाओं के उदाहरण हैं। तापमान बढ़ता है तो इसका असर फसल पैदावार पर भी पड़ता है, जल संकट की समस्या भी खड़ी हो जाती है। अंत में यही कहूंगा कि अब समय आ गया है कि इस संकट(धरती के बढ़ते तापमान) को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्तमान पीढ़ी का यह परम दायित्व व नैतिक कर्तव्य बनता है कि वर्तमान पीढ़ी, भविष्य की पीढ़ियों के लिए ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की जिम्मेदारी ले। धरती के पर्यावरण की रक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण और जरूरी है। इसके लिए हमें पौधारोपण और जल संरक्षण पर ध्यान देना होगा। पर्यावरण संरक्षण नीतियों का सही कार्यान्वयन बहुत ही जरूरी और आवश्यक है। सबसे बड़ी बात जागरूकता की है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पर्यावरण ही हमारी असली धरोहर है।

पूर्वोत्तर भारत में यूनुस का ग्रेट गेम

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

विदेश नीति गत्यात्मक होती है। इसमें परिस्थियों के अनुरूप परिवर्तन होता रहता है। अगर विदेश नीति में स्थायित्व जैसा कुछ है तो वह है राष्ट्रीय हित। कब, कहाँ और कैसे नीतियों में परिवर्तन किया जाएगा, यह सुनिश्चित करना विदेश नीति का प्राथमिक कर्त्तव्य है। दक्षिण एशिया में जिस तरह का माहौल बना हुआ है, उस परिस्थिति में देश के विदेश नीति के नियन्ताओं को कुछ बड़ा करने के विषय में सोचना होगा। विगत तीन दशकों से चीन का हस्तक्षेप उपमहाद्वीप में तेजी से बढा है चाहे वह सी.पी.इ.सी. हो या फिर सी.एम.इ.सी. और अब बांग्लादेश के अन्तरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की कार्ययोजना ने उसके ड्रीम प्रोजेक्ट 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल' के सपने को साकार करने के लिए बहुत हद तक मंच भी प्रदान कर दिया है।

वास्तव में बांग्लादेश के अन्तरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने चार दिन की चीन यात्रा विगत 26 मार्च को शुरू की। इस यात्रा के दौरान 26 मार्च को उनके द्वारा दिए गए एक भाषण का सोशल मीडिया पर एक वीडियो उनकी चीन यात्रा की समाप्ति के बाद बड़ी तेजी से वायरल हुआ है। इस वायरल वीडियो में मोहम्मद यूनुस यह कहते नज़र आ रहे हैं कि पूर्वोत्तर भारत जमीन से घिरा एक ऐसा क्षेत्र है जहां पहुँचने के लिए कोई रास्ता नहीं है। इस पूरे क्षेत्र के समुद्र से जुड़ने का एक मात्र रास्ता बांग्लादेश से होकर आता है। वस्तुतः इस क्षेत्र के संरक्षक हम ही हैं। इस कारण यह क्षेत्र अपार संभावनाओं का रास्ता खोलता है। उक्त क्षेत्र चीनी विस्तार के लिए कारगर साबित हो सकता है। नेपाल और भूटान के पास प्रचुर मात्रा में हाइड्रोपॉवर है। हम इनका इस्तेमाल अपने असीमित फायदे के लिए कर सकते हैं। इस प्रकार मोहम्मद यूनुस ने चीन को बांग्लादेश को आर्थिक मंच के रूप में इस्तेमाल करने का निमंत्रण दिया और स्वयं को इस क्षेत्र (पूर्वोत्तर भारत) के लिए समुद्र का एक मात्र संरक्षक बताया।

ढाका के माध्यम से चीन अपना आर्थिक आधार मजबूत कर सकता है क्योंकि यहाँ विनिर्माण, विपणन की संभावनाएं है। चीन चाहे तो अपने समान को यहाँ से बेचे या फिर अपने यहाँ से। वह इसे विश्व के अन्य क्षेत्रों तक विस्तारित कर सकता है। एक और तथ्य जिस पर ध्यान देने की जरूरत है यूनुस की इसी यात्रा के दौरान दोनों देशों के मध्य एक समझौता और 8 समझौता ज्ञापन (एम. ओ. यू.) हुआ। इसमें तीस्ता नदी को लेकर 'कम्परहेन्सिव मैनेजमेंट एण्ड रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट' पर भी सहमति बनी है। जिसका प्रतिकार भारत पहले से करता या रहा है, यदि इस प्रोजेक्ट से चीन का जुड़ाव होता है तो यह भारत के लिए स्त्रातजिक रूप से नुकसान पहुचाएगा क्योंकि इसके जरिए चीन की पहुँच सिलीगुड़ी गलियारे तक हो जाएगी।

मोहम्मद यूनुस का पूर्वोत्तर भारत में चीन को मिलाकर इस प्रकार का 'ग्रेट गेम' खेलने के पीछे वास्तविक मकसद क्या है,यह अत्यन्त विचारणीय प्रश्न है। वास्तव में आज की तारीख में यूरोप और अमेरिका से उन्हें कोई मदद नही मिल रही है और यूनुस के समर्थन में वहाँ की सेना भी नही है। ऐसी परिस्थिति में यूनुस के पास अत्यन्त सीमित विकल्प हैं। यूनुस ने चीन की तरफ रूख कर एक तीर से दो निशाने लगाने का प्रयास किया है। पहला चीन को सामरिक तौर पर सिलीगुड़ी गलियारे के क़रीब लाने का दाव खेला है और दूसरी तरफ यदि भारत ऐसी परिस्थिति में हार्ड पॉवर का इस्तेमाल करता है तो बांग्लादेशी सेना और वहाँ की जनता का भी समर्थन प्राप्त करने में उन्हें मदद मिलेगी।

वैश्विक स्तर पर बदलते भू-अर्थिकी को दृष्टिगत रखते हुए क्या ऐसा प्रतीत नही होता है कि भारत को भी इस क्षेत्र में कुछ आधारभूत परिवर्तन करने की जरूरत है? सम्प्रति अमेरिका, रूस और चीन विस्तारवाद के विषय में सोच रहे हैं और चीन तथा रूस इसे मूर्तता प्रदान करने के लिए आतुर भी हैं तो क्या भारत को भी अपनी भू-रणनीति के नजरिए से अपनी सुरक्षा के निमित्त प्रयास करने की आवश्यकता नही है? इसका जवाब बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखकर दिया जा सकता है, क्योंकि वह स्वयं भारत से तीन तरफ से घिरा है। वस्तुतः यूनुस के इस नापाक ग्रेट गेम को रोकने के लिए भारत के पास कई विकल्प मौजूद हैं, हालाँकि इनमें से कुछ विकल्पों को पूर्णता प्रदान करने के लिए स्ट्रेट फारवर्ड और बेहद आक्रामक विदेश नीति की जरूरत होगी अथवा यूं कहें कि हार्ड पावर की आवश्यकता होगी। पहला,भारत पूर्वोत्तर के सात राज्यों को शेष भारत से जोड़े जाने वाले 22 किमी चौड़े सिलीगुड़ी गलियारे का विस्तार करे, ध्यातव्य रहे कि यह विस्तार बांग्लादेश की सीमा में होगा। दूसरा विकल्प है चिटगांव क्षेत्र को त्रिपुरा से आगे बढ़कर चोक कर दिया जाए और इस प्रकार भारत के इस क्षेत्र की पहुँच बंगाल की खाड़ी तक हो जाएगी और बांग्लादेश खुद दो टुकड़ों में बँट जाएगा। यूनुस की यह शिकायत भी दूर हो जाएगी कि पूर्वोत्तर भू-आबद्ध क्षेत्र है। तीसरा विकल्प है कि अगर भारत चाहे तो मोंगला और चिटगांव पोर्ट को ब्लाक कर बांग्लादेश की जीवन रेखा को बन्द कर दे क्योंकि यहीं से उसका 90 फीसदी व्यापार होता है।

तहव्वुर राणा आज भारत पहुंचेगा

अजय कुमार

मुंबई 26/11 आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा कभी भी भारत पहुंच सकता है। अमेरिका से प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरे होने के बाद उसे भारतीय सुरक्षा अधिकारियों के कस्टडी में विमान से भारत लाया जा रहा है। 10 अप्रैल की सुबह राणा भारत पहुंच जायेगा।राणा के भारत आने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में सौंपा जाएगा। दिल्ली और मुंबई की जेलों में उसकी निगरानी और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि अमेरिका की न्यायिक सिफारिशों के अनुसार उसे पूरी सुरक्षा और निगरानी में रखा जा सके। भारत की ओर से राणा के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया वर्ष 2019 में शुरू हुई थी। उस समय केंद्र सरकार ने अमेरिका से इस संबंध में औपचारिक मांग की थी। इसके बाद भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों और कूटनीतिक प्रयासों का नतीजा यह रहा कि अमेरिकी अदालत ने भारत के पक्ष में फैसला सुनाया। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस प्रत्यर्पण की पुष्टि करते हुए कहा था कि तहव्वुर राणा को भारत में न्याय का सामना करना होगा। यह मोदी सरकार की लगातार कोशिशों और अमेरिकी प्रशासन से कूटनीतिक समन्वय का परिणाम है।

तहव्वुर राणा पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सक्रिय सदस्य रहा है। उसने अपने सहयोगी डेविड कोलमैन हेडली की मदद की, जिसने 26/11 से पहले भारत आकर हमलों के संभावित ठिकानों की रेकी की थी। राणा ने हेडली को पासपोर्ट और जरूरी दस्तावेज दिलवाए, जिससे वह भारत में बिना किसी रोक-टोक के घूम सका और लश्कर-ए-तैयबा को अहम सूचनाएं दे सका। इस पूरे हमले की योजना लश्कर और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने मिलकर बनाई थी, जिसमें राणा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

हमले के दिन यानी 26 नवंबर 2008 को जब मुंबई के कई स्थानों पर आतंकी हमला हो रहा था, उस समय राणा अमेरिका में बैठकर घटनाक्रम की पल-पल की जानकारी ले रहा था। जांच में सामने आया कि वह मारे गए लोगों की संख्या पर खुशी जाहिर कर रहा था और कह रहा था कि इन आतंकियों को पाकिस्तान का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान मिलना चाहिए। राणा का यह रवैया उसकी कट्टर सोच और आतंक के प्रति झुकाव को स्पष्ट करता है।

राणा का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। उसने आर्मी मेडिकल कॉलेज से डॉक्टर की पढ़ाई की और लगभग दस वर्षों तक पाकिस्तान की सेना में सेवा दी। इसके बाद वह कनाडा चला गया और वहीं का नागरिक बन गया, लेकिन आईएसआई और लश्कर के साथ उसके संबंध पहले की तरह कायम रहे। वह आईएसआई के मेजर इकबाल का नजदीकी माना जाता है, जिसने मुंबई हमलों की साजिश रची थी।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, तहव्वुर राणा हमले से कुछ दिन पहले 11 से 21 नवंबर 2008 तक भारत में मौजूद था। वह दुबई के रास्ते भारत आया था और मुंबई के पवई इलाके में स्थित रेनेसां होटल में ठहरा था। हमले से ठीक पहले ही वह भारत से निकल गया था, जिससे यह साफ होता है कि उसकी भूमिका सिर्फ योजना तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह ज़मीनी स्तर पर भी सक्रिय था।

तहव्वुर राणा को 2009 में अमेरिका की एफबीआई ने उस समय गिरफ्तार किया, जब वह डेविड हेडली के साथ डेनमार्क के एक अखबार पर आतंकी हमले की साजिश रच रहा था। इसी दौरान जांच एजेंसियों को 26/11 हमले में उसकी भूमिका के सबूत मिले। अमेरिका ने पहले ही हेडली को सजा सुना दी है, लेकिन अब भारत में राणा के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी।

राणा के भारत आगमन की संपूर्ण प्रक्रिया पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और गृह मंत्रालय लगातार नजर बनाए हुए हैं। उसे कुछ हफ्तों तक एनआईए की हिरासत में रखा जाएगा, ताकि उससे पूछताछ कर 26/11 हमले से जुड़े और भी अहम सुराग हासिल किए जा सकें।

कर्ज के जाल में फंसती युवा पीढ़ी

डॉ. नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

पहले के जमाने में कर्ज लेना एक मजबूरी मानी जाती थी लेकिन आज के युवाओं के लिए कर्ज फैशन बन गया है। चाहे नया स्मार्टफोन हो, कार हो या ब्रांडेड कपड़े, हर चीज EMI (मासिक किस्तों) पर खरीदने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। देखने में ये स्कीमें आसान लगती हैं लेकिन यही "छोटी-छोटी किश्तें" युवाओं को धीरे-धीरे बड़े कर्ज के दलदल में धकेल रही हैं।

युवा क्यों ले रहे हैं इतना कर्ज ?

भारत में 40 वर्ष से कम उम्र के युवाओं के बीच पर्सनल लोन लेने की संख्या तेजी से बढ़ रही है। करीब 65% पर्सनल लोन युवाओं द्वारा लिए जा रहे हैं। EMI पर मोबाइल फोन, लैपटॉप, बाइक, कार आदि खरीदने की प्रवृत्ति आम हो गई है। क्रेडिट कार्ड से खरीदारी भी खूब बढ़ी है और जून 2024 तक क्रेडिट कार्ड पर बकाया रकम 2.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गई है।

कंपनियों की चाल: सस्ता दिखाकर महंगा बेचना

कंपनियाँ जानती हैं कि महँगी चीज़ को किश्तों में तोड़कर दिखाने से वह सस्ती लगती है। जैसे 50,000 रुपये का फोन मात्र 2,000 रुपये प्रतिमाह पर 25 महीने के लिए उपलब्ध करा दिया जाता है। इससे ग्राहक को तुरंत लगता है कि यह महँगा फोन उसकी जेब में फिट है जबकि वास्तविकता में ग्राहक धीरे-धीरे उस वस्तु की कीमत से कहीं अधिक चुका रहा होता है। ये कंपनियाँ 'नो-कॉस्ट EMI', 'ज़ीरो डाउन पेमेंट' जैसी स्कीमों के जरिए युवाओं को आकर्षित करती हैं।

मानसिकता और मनोवैज्ञानिक जाल

इस बढ़ते कर्ज के पीछे सोशल मीडिया और सामाजिक दबाव बहुत बड़ी वजह हैं। युवाओं में सोशल मीडिया पर दिखावा करने की होड़ लग चुकी है। दोस्त की नई कार, महंगा फोन, ब्रांडेड कपड़े देखकर युवा खुद को पीछे महसूस करते हैं।

इससे उनमें चिंता और तनाव बढ़ता है (सोशल एंगजायटी) और वो कर्ज लेकर इन चीजों को खरीदने लगते हैं। युवाओं में तुरंत चीजें हासिल करने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है जिससे वे बिना सोच-विचार किए EMI या क्रेडिट कार्ड पर खर्च करते हैं। छोटे-छोटे EMI धीरे-धीरे इतने बड़े बन जाते हैं कि युवाओं की मासिक आमदनी का बड़ा हिस्सा EMI में जाने लगता है। इससे उनकी बचत खत्म हो जाती है और वे इमरजेंसी में भी पैसा नहीं बचा पाते। एक छोटी-सी नौकरी छूटने या मेडिकल इमरजेंसी से उनकी वित्तीय स्थिति अचानक बिगड़ सकती है। क्रेडिट कार्ड पर ऊँची ब्याज दर (सालाना 30-48%) के कारण कर्ज तेजी से बढ़ता जाता है, जिससे युवा कर्ज के जाल में फँस जाते हैं।

कर्ज के जाल से कैसे बचें?

• वित्तीय जानकारी : EMI के पीछे छुपी हुई ब्याज और असली कीमत समझें। बजट बनाएं और उसी हिसाब से खर्च करें. अपनी मासिक आमदनी के हिसाब से EMI चुनें जो आपकी कमाई का 30-40% से ज्यादा न हो। धैर्य रखें : हर चीज तुरंत नहीं, कुछ चीजों के लिए बचत करना सीखें। सोशल मीडिया दबाव से बचें: दिखावे के लिए कर्ज लेना छोड़ें।

इमरजेंसी फंड बनाएं: मुश्किल घड़ी में काम आने के लिए 3 से 6 महीने के खर्च लायक बचत जरूर करें। क्रेडिट का जिम्मेदारी से प्रयोग करें: जरूरी चीजों के लिए क्रेडिट लें, फिजूल खर्चों के लिए नहीं।

कर्ज कोई बुरी चीज नहीं है लेकिन सोच-समझकर इस्तेमाल किया जाए तभी ठीक है। EMI और लोन को समझदारी से चुनकर आप भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं। थोड़ा संयम, थोड़ी समझदारी और कर्ज से दूर रहने की कोशिश आपको लंबे समय तक मानसिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी।

छत्तीसगढ़ में माता का ये मंदिर चमत्कारी तालाब से प्रकट हुई थी प्रतिमा

सरगुजा जिले में गादी पहाड़ पर दुर्गा माता का प्राचीन मंदिर है यह मंदिर 1980 में स्थापित हुआ, मूर्ति तालाब से प्रकट हुई थी. नारियल चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है.

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में पहाड़ियों के बीच एक ऐसा प्राचीन मंदिर है, जिससे आज भी लोग अनजान हैं। लोगों का मानना है, कि इस मंदिर में नारियल चढ़ाने से मां दुर्गा होती हैं और जो भी भक्त सच्चे मन से मुराद लेकर यहां पहुंचते हैं, उनकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है। तो चलिए जानते हैं इस मंदिर के बारे में

तालाब से हुई प्रकट माता की प्रतिमा

सरगुजा जिले से निकलने वाले अंबिकापुर रायगढ़ NH 43 रघुनाथपुर से पुरकेला जाने वाले मुख्य मार्ग पर गादीपहाड़ में दुर्गा माता का ये मंदिर है। मंदिर के पुजारी ने बताया, कि इस मंदिर की स्थापना 1980 में की गई थी। इसके पहले यह मंदिर गादी पहाड़ देवता के नाम से जाना जाता था इसके बाद रघुनाथपुर एनएच 43 सड़क किनारे पुराइन तलाब में साफ सफाई के दौरान दुर्गा जी की प्रतिमा दिखाई दी, जिसके बाद इस गांव के बुजुर्गों द्वारा इस प्रतिमा को गादी पहाड़ पर स्थापित किया गया, उस समय से आज तक यहां आस पास के करीब 20 गांव से अधिक लोग अपनी मनोकामना लेकर आते हैं और उनकी मनोकामना पूर्ण होती है।

कच्चे रास्ते की वजह से होती है लोगों को परेशानी

पुजारी और मंदिर के संरक्षक महेश नामदेव ने बताया, कि यहां कभी बलि प्रथा नहीं हुई और न की जाती है, केवल नारियल व प्रसाद चढ़ाने से ही माता दुर्गा जी प्रसन्न होकर मनोकामना पूर्ण करती हैं। आगे वे बताते हैं, इस मंदिर तक पहुंचने के लिए कच्ची सड़क बनाई गई है, जो गांव के लोगों द्वारा श्रमदान कर बनी है। अब लाइट पानी की व्यवस्था होने के कारण यहां श्रद्धालुओं का आना जाना शुरू हो चुका है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है, कि यदि यहां सड़क की व्यवस्था हो जाती, तो माता के प्रति जो आस्था रखने वाले हैं, उन्हें यहां आने में सहूलियत होती। लोगों ने बताया, कि रामनवमी, नवरात्रि और कार्तिक पूर्णिमा व मकर संक्रांति जैसे पर्व पर यहां लोग मां दुर्गा के समक्ष माथा टेकने पहुंचते हैं।

सभी सांसारिक सुखों की प्राप्ति के लिए बजरंगबली के इन 12 नामों का इस दिन करें जाप

हिंदू धर्म में चैत्र शुक्ल पक्ष का विशेष महत्व बताया गया है। चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नया साल प्रारंभ हो जाता है और चैत्र शुक्ल पक्ष शुरू होते ही शक्ति की देवी के निमित्त नवरात्रि के व्रत भी शुरू हो जाते हैं। चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी को रामनवमी यानि भगवान राम का जन्मोत्सव हिंदू धर्म में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। वैसे ही राम भक्त बजरंगबली हनुमान का भी हिंदू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। सभी बाधाएं खत्म करने और सांसारिक सुखों की प्राप्ति के लिए बजरंगबली की उपासना, हनुमान चालीसा, बजरंग बाण आदि का पाठ करना विशेष लाभदायक होता है।

चैत्र शुक्ल पक्ष में होने वाले हनुमान जयंती पर्व की ज्यादा जानकारी देते हुए ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि राम भक्त बजरंगबली महा ज्ञानी है। चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी को भगवान राम का जन्मोत्सव मनाया जाता है, तो वहीं, चैत्र शुक्ल पक्ष में पूर्णिमा को हनुमान जयंती का पर्व होता है। शास्त्रों के अनुसार यदि इस दिन बजरंगबली के निमित्त व्रत, हनुमान चालीसा का पाठ, बजरंग बाण का पाठ बजरंग बली के किसी सिद्ध पीठ मंदिर में किया जाए तो अनेक चमत्कारी होते हैं।

जानें कब है हनुमान जयंती

हनुमान जयंती का पर्व 12 अप्रैल शनिवार को होगा। इस दिन बजरंगबली के 12 नामों का जाप सुबह के समय, यात्रा करते हुए और शाम के समय करने मात्र से आयु में वृद्धि और सांसारिक सुखों की प्राप्ति होने की धार्मिक मान्यता है। सामान्य दिनों में यदि बजरंगबली के 12 नामों का उच्चारण किया जाए तो साधकों को अनेक लाभ होते हैं, लेकिन यदि इन चमत्कारी 12 नामों का जाप हनुमान जयंती के दिन किया जाए, तो भय से छुटकारा, भौतिक सुखों की प्राप्ति, सांसारिक सुख और उम्र में वृद्धि होती हैं।

बजरंगबली के चमत्कारी 12 नाम का जाप

1– हनुमान, 2। अंजनीसुत, 3। वायु पुत्र, 4। महाबल, 5। रामेष्ट, 6। फाल्गुन सखा, 7। पिङ्गाक्ष, 8। अमित विक्रम, 9। उदधिक्रमण, 10। सीता शोक विनाशन, 11। लक्ष्मण प्राण दाता, 12। दशग्रीवदर्पहा

हनुमान जी के चमत्कारी आशीर्वाद का कारण

हनुमान जी को भगवान शिव के अवतार के रूप में पूजा जाता है और उन्हें बल, साहस, और निःस्वार्थ भक्ति का प्रतीक माना जाता है. हनुमान जी का जीवन संघर्ष, तप, और भक्ति का अद्भुत उदाहरण है. यही कारण है कि जब भी जीवन में कोई संकट आता है या जब कोई व्यक्ति दुखी होता है, तो वह हनुमान जी से प्रार्थना करता है. हनुमान जी की विशेषता यह है कि वे अपने भक्तों की सभी समस्याओं को दूर करने में तत्पर रहते हैं. हनुमान चालीसा का पाठ विशेष रूप से शक्तिशाली माना जाता है क्योंकि इसमें भगवान हनुमान के 40 प्रमुख गुणों और उनके कृत्यों का उल्लेख है. लेकिन हनुमान चालीसा की एक चौपाई सबसे अधिक शक्तिशाली मानी जाती है.

शिव कृपा से खुलेगा किस्मत का ताला, विवाह और संतान सुख के लिए रखें 10 अप्रैल का व्रत

हिंदू नववर्ष संवत 2082 की शुरुआत हो चुकी है और इसके साथ ही तीज-त्योहारों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। यह नया संवत्सर मानव कल्याण और जीवन में सुख-समृद्धि लाने वाला माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, वर्ष की शुरुआत चैत्र शुक्ल पक्ष से होती है और समापन चैत्र कृष्ण पक्ष पर होता है।

साल भर में कुल 24 प्रदोष व्रत आते हैं, जो शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को किए जाते हैं। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है और धार्मिक ग्रंथों में इसे अत्यंत फलदायक बताया गया है। सुख, समृद्धि, वैवाहिक जीवन की सफलता और संतान प्राप्ति के लिए यह व्रत विशेष रूप से प्रभावशाली माना गया है।

व्रत से चमत्कार

संवत 2082 का पहला प्रदोष व्रत 10 अप्रैल, गुरुवार को रखा जाएगा। माना जाता है कि यदि यह व्रत विधिपूर्वक किया जाए, तो विवाह और संतान से जुड़ी बाधाएं दूर हो सकती हैं। इस बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि जो युवक या युवतियां विवाह में विलंब या रुकावट का सामना कर रहे हैं, उन्हें ये व्रत शास्त्रों में बताए गए विधान से करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष कृपा प्राप्त होती है और विवाह संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

संतान प्राप्ति के लिए मंत्र

उन्होंने आगे बताया कि जिन विवाहित दंपतियों को संतान प्राप्ति में कठिनाई हो रही है, उनके लिए भी यह व्रत अत्यंत फलदायक है। इस दिन शिव पूजन, एकाक्षरी मंत्र "ॐ नमः शिवाय" का जाप, और शिव स्तोत्रों का पाठ करने से संतान प्राप्ति के मार्ग खुलते हैं। पंडित शास्त्री ने कहा कि श्रद्धा, भक्ति और नियमपूर्वक किया गया यह पहला प्रदोष व्रत न केवल जीवन की बाधाओं को दूर करता है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक शांति भी प्रदान करता है।

इन आदतों से इंसान हो जाता है कंगाल, अभी नहीं सुधरे तो हालात हो जाएंगे बेकाबू

लोगों को अक्सर आर्थिक रूप से कठिनाइयों का सामना करते हुए देखा जाता है। बहुत सी पूजा पाठ और उपाय करने के बाद भी लोगों को लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे लोगों को पता ही नहीं होता है कि जाने अनजाने में उनके द्वारा कुछ ऐसे कार्य किया जा रहे हैं, जिनकी वजह से उनके जीवन में आर्थिक कठिनाइयां बनी हुई है।

अक्सर आपने देखा होगा कि लोग अपने पर्स में किसी मृत व्यक्ति का फोटो यादगार के स्वरूप रख लेते हैं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज होती है और वास्तु दोष लगता है।

यदि आपके घर में बार-बार चमगादड़ उड़ रहे हैं तो यह आपकी आर्थिक दृष्टिकोण से बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।

जब भी आप अपने स्वयं कक्षा में जाएं तो सोने से पहले कभी भी नोटों को ना जीने इससे आपकी आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक असर पड़ता है। दिखावे और घमंड के चलते लोग अपनी कमाई का अक्सर दूसरों के सामने बार-बार जिक्र करते हैं ऐसा करने से आपकी कमाई के स्रोत धीरे-धीरे बंद होना शुरू हो जाते हैं।

लोगों के द्वारा अक्सर खाना खाने के बाद अपनी थाली में हाथ धो देने से आर्थिक स्थिति कमजोर होती है।

भोजन खाने के पक्ष अथवा किसी भी तरह से झूठ हाथों को सिर पर फेरने से आर्थिक स्थिति कमजोर होती है।

होटल बिल, बस के टिकट अथवा बिजली के बल आदि को लोग अपने पर्स में रख लेते हैं। नोटों के साथ ऐसे पुराने बल रखने से धन हानि शुरू हो जाती है।

संध्या बेला में लोग अक्सर घरों में सोते हुए मिलते हैं। ऐसे लोग जीवन में अवसरों को खोते हैं और आर्थिक रूप से कमजोर बने रहते हैं। अक्सर देखा गया है कि लोग अपने दांतों से उंगलियों के नाखूनों को चबाते हैं। ऐसा करने से उन्हें शनिदेव द्वारा अनिष्ट फल मिलना शुरू हो जाते हैं।

गाय को लात मारना बहुत बड़ा पाप माना जाता है। गाय को मां का दर्जा प्राप्त है साथ ही माना जाता है कि गाय के अंदर सभी 33 कोटि देवी देवताओं का वास है। ऐसा करने से आपको भयंकर कंगाली भोगनी पड़ती है।

घरों में अक्सर लोगों द्वारा टूटा हुआ शीशा और गंदे मैले कंघे का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति का शुक्र ग्रह खराब होता है साथ ही वस्तु दोष सक्रिय हो जाता है, और जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

जन्म कुंडली में अगर लग्न में बैठे हैं ये ग्रह तो रखें ये सावधानी!

जन्म कुंडली के प्रथम भाव को ही लग्न भाव कहा जाता है। प्रथम भाव में स्थित राशि के स्वामी को लग्नेश बोलते हैं। जन्म कुंडली का पहला भाव व्यक्ति के व्यक्तित्व के बारे में बताता है। इसके अलावा व्यक्ति के जीवन में प्रथम भाव यानी लग्न में कोई भी ग्रह बैठा हो उसका सबसे अधिक प्रभाव रहता है। लग्न भाव में बैठे ग्रह का अलग-अलग फल प्राप्त होता है।

राहू : यदि किसी जातक की जन्म कुंडली के लग्न स्थान में राहु ग्रह बैठा हुआ है तो ऐसे जातक को कभी भी शराब या किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए।

शुक्र : यदि लग्न कुंडली में लग्न स्थान पर शुक्र ग्रह बैठा हुआ है तो ऐसे जातक को किसी भी गैर महिला या पुरुष से अवैध संबंध नहीं बनाने चाहिए इससे शुक्र ग्रह खराब परिणाम देने लगता है।

शनि : जन्म कुंडली के प्रथम भाव में यदि शनि देव बैठे हुए हैं तो ऐसे व्यक्ति को किसी के साथ भी कभी धोखा नहीं करना चाहिए। यदि आप किसी के साथ धोखा या झूठ, कपट करते हैं तो आपको इसके

गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

सूर्य : लग्न में बैठा सूर्य वाला जातक यदि किसी भी तरह का दिखावा, घमंड या ईगो करता हैं तो गंभीर परिणाम मिलते है। ऐसे व्यक्ति को सूर्य से संबंधित अच्छे फल प्राप्त नहीं होते।

गुरु : लग्न में यदि के गुरु बृहस्पति बैठा हो तो ऐसे जातक को सदैव धर्म सम्मत आचरण करना चाहिए। इन्हें किसी भी प्रकार का लालच नहीं करना चाहिए। यदि यह किसी भी तरह से लालच या बेईमानी करते हैं तो इनका बृहस्पति खराब हो जाता है।

केतु : यदि किसी जातक की जन्म कुंडली में लग्न में केतु ग्रह बैठा हुआ है तो ऐसे जातक को कभी भी किसी की चुगली, बुराई नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से केतु ग्रह के अनिष्ट फल प्राप्त होते हैं।

मंगल : यदि जन्म कुंडली में मंगल ग्रह लग्न में बैठा हो तो व्यक्ति को भी वजह गुस्सा नहीं करना चाहिए। यदि आप बात-बात पर गुस्सा करेंगे तो आपको ब्लड प्रेशर से संबंधित बीमारियां और चोट आदि लगना शुरू हो जाएंगे।

बुध : जन्म कुंडली में यदि बुध देव लग्न स्थान में बैठे हों तो ऐसे व्यक्ति को बहुत मर्यादित रहना चाहिए। किसी की बातों से बहकावे में नहीं आना चाहिए। अपनी बुद्धि और विवेक का इस्तेमाल करें अन्यथा स्किन से संबंधित बीमारियां होगी और व्यापार ठप होना शुरू हो जाएगा।

चंद्र : यदि जन्म कुंडली में चंद्र ग्रह लग्न भाव में स्थित है तो ऐसे व्यक्ति को शांत रहना चाहिए। यदि आप चंचल मन से व्यवहार करेंगे तो आपका चंद्रमा पीड़ित हो जाएगा आपको जगह-जगह पानी नहीं पीना चाहिए, अन्यथा शीत रोग आपको दिक्कत पैदा करेंगे।

आज ही हुआ था स्वामी महावीर का जन्म

निर्मला बैद

जैन धर्म के लोगों के लिए महावीर जयंती का खास महत्व होता है। यह त्योहार हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस खास दिन पर शोभ यात्रा, प्रभात फेरी और अनुष्ठान का आयोजन भी किया जाता है। बता दें कि जैन धर्म के लोग इस त्योहार को बहुत धूम-धाम से मनाते हैं। इस वर्ष महावीर जयंती की सही तारीख को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज है। ऐसे में आइए जानें महावीर जयंती 10 अप्रैल को मनाई जाएगी ।

इस वर्ष महावीर जयंती का त्योहार 10 अप्रैल दिन गुरुवार को मनाई जाएगी। जैन मंदिरों में इस दिन महावीर की मूर्तियों का अभिषेक किया जाता है। इसके बाद, प्रतिमा को रथ में बैठाकर शोभ यात्रा निकाली जाती है। महावीर जयंती की शोभ यात्रा में जैन समुदाय के लोग जाते भाग लेते हैं। साथ ही, कई जगह पंडाल लगते हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती है।

महावीर जयंती क्यों मनाई जाती है

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महावीर देवता का जन्म हुआ था। यह तिथि इस वर्ष 10 अप्रैल को शुरू हो रही है और इसका समापन 10 अप्रैल के दिन रात में 01 बजकर 01 मिनट पर होगा। पौराणिक मान्यताओं और कथा में बताया गया है कि भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थकर थे। उनके जन्म के उपलक्ष में यह पर्व मनाया जाता है। महावीर स्वामी को उन 24 लोगों में से एक माना जाता है, जिन्होंने कठिन तपस्या करके आत्मज्ञान प्राप्त किया था। कहा जाता है कि लगातार 12 साल तक महावीर भगवान ने कठोर तपस्या की थी। मौन, तप और जप करने के बाद महावीर देवता ने अपनी इंद्रियों पर पूरी तरह काबू पाया और ज्ञान प्राप्त किया था।

जैन धर्म के लोग महावीर जयंती के खास अवसर पर शोभ यात्रा निकालने से पहले मंदिरों में महावीर देवता का सोने और चांदी के कलश से अभिषेक भी करते हैं। मान्यताओं के मुताबिक, महावीर भगवान अपना घर-परिवार और राजसी ठाठ बाट को त्यागकर अध्यात्म की राह पर निकल गए थे। उनके द्वारा बताए गए 5 प्रमुख सिद्धांत सत्य, अहिंसा, असत्य, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य का पालन करना है।

चंद्र दोष के हो सकते लक्षण: बस चैत्र पूर्णिमा पर कर लें ये उपाय

ज्योतिशी शास्त्र में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक स्थिरता का कारक माना जाता है। अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा कमजोर हो या किसी क्रूर ग्रह से पीड़ित हो, तो उसे मानसिक तनाव और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसे चंद्र दोष कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र में चंद्र दोष से बचने के कई उपाय बताए गए हैं। माना जाता है कि अगर विशेष तिथि पर ये उपाय किए जाएं, तो चंद्र दोष से छुटकारा मिल सकता है।

पूर्णिमा के दिन करें ये उपाय:

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि चंद्र दोष से छुटकारा पाने के लिए पूर्णिमा के दिन चीनी, दूध, सफेद वस्त्र, छाता और घड़ा आदि चीजों का दान करना चाहिए। इसके साथ ही उसी दिन रात में चंद्रमा की पूजा कर दूध में हल्की चीनी मिलाकर अर्घ्य देना चाहिए। अगर व्यक्ति ये उपाय कर ले, तो चंद्र दोष से छुटकारा मिल जाएगा और सभी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

किसे वश में करना चाहती हैं तमन्ना भाटिया?

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म 'ओडेला 2' का ट्रेलर लॉन्च किया गया। यह एक तेलुगु फिल्म है, जिसे हिंदी में डब करके रिलीज किया जाएगा। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में हिस्सा लिया। इस दौरान अभिनेत्री से जब उनके कथित एक्स-बॉयफ्रेंड विजय वर्मा का नाम लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने उसे टालते हुए करारा जवाब दिया।

तमन्ना से पूछा गया ये सवाल

दरअसल, तमन्ना भाटिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में 'ओडेला 2' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री से पूछा गया, "ऐसी कोई पर्सनालिटी है, जिनके ऊपर आप तंत्र मंत्र की विद्या से विजय हासिल करना चाहती हैं?"

इस सवाल पर तमन्ना भाटिया ने जवाब दिया, "ये तो आप पर ही करना पड़ेगा। फिर पैपराजी मेरी मुट्ठी में होंगे। आप क्या कहते हैं? करले? सर पर ही करले? फिर मैं जो भी कहूंगी, वो सारे पैपराजी सुनेंगे।" हालांकि, तमन्ना ने यह जवाब माहौल को हल्का करने के लिए मजाकिया अंदाज में दिया।

तमन्ना भाटिया-विजय वर्मा का ब्रेकअप

पिछले महीने दावा किया गया कि कथित तौर पर तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा दो साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद अलग हो गए हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक इस बारे में कुछ आधिकारिक रूप से नहीं कहा है, लेकिन होली के दिन जब दोनों रवीना टंडन के घर पहुंचे तो एक दूसरे से अलग नजर आए। अलग-अलग तस्वीरें भी खींचवाईं। इसके बाद से उनके ब्रेकअप की अटकलों को और बल मिला।

कब रिलीज होगी 'ओडेला 2'

तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म 'ओडेला 2' रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म 17 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन अशोक तेजा कर रहे हैं। हालांकि, तमन्ना इसके पहले पार्ट का हिस्सा नहीं थीं, लेकिन 'ओडिला 2' में वह प्रमुख भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी।

काजोल ने किया कन्फर्म, कहा- बेटी ने लिया फैसला

एक्टिंग में फिलहाल कोई इंटरेस्ट नहीं है

बॉलीवुड के पावर कपल कहे जाने वाले काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी किसी फैशन इवेंट में शिरकत करती हैं, तो कभी किसी स्टार किड पार्टी में अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं और हर बार एक सवाल फिर से उठता है – 'क्या न्यासा फिल्मों में आने वाली हैं?'

लेकिन हाल ही में एक इवेंट में जब काजोल से ये सवाल सामने आया, तो उन्होंने बहुत ही साफ और बिना घुमाए जवाब दिया – नहीं। उसने खुद तय कर लिया है कि फिलहाल उसका फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं।

काजोल हाल ही में न्यूज18 के एक इवेंट में गेस्ट बनकर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब उनसे बेटी न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया गया, तो काजोल मुस्कुराते हुए बोलीं, 'बिलकुल नहीं... नो। वो 22 साल की हो गई है, होने वाली है अभी। मुझे लगता है कि उसने अपना मन बना लिया है कि नहीं आने वाली है अभी।'

लोग कहेंगे– नाक बदलो, बालों का रंग बदलो

इवेंट में काजोल से पूछा गया कि अगर कोई नया लड़का या लड़की फिल्म लाइन में आना चाहता है, तो वो उसे क्या सलाह देंगी?

इस पर काजोल ने कहा, 'सबसे पहली बात, हर किसी से सलाह मत लो। क्योंकि अगर तुम पूछोगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग खड़े हो जाएंगे और कहेंगे – नाक बदलो, हाथ बदलो, बालों का रंग बदलो, ये करो, वो करो और वैसे ही इंसान कन्फ्यूज हो जाता है।'

अगली फिल्म में 'मां' के रोल में नजर आएंगी काजोल

काजोल के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अगली फिल्म का नाम है 'मां', जो एक माइथोलॉजिकल हॉरर ड्रामा है। इस फिल्म को विशाल फुरिया डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक मार्च में सामने आया था, जिसमें काजोल एक मजबूत मां के रोल में दिखीं, जो किसी भी हद तक जाकर अपनी बेटी की हिफाजत करती है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा। 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'कृष 4' में फिर नजर आएंगी प्रीति जिंटा और रेखा

ट्रिपल रोल के साथ निर्देशन भी करेंगे ऋतिक

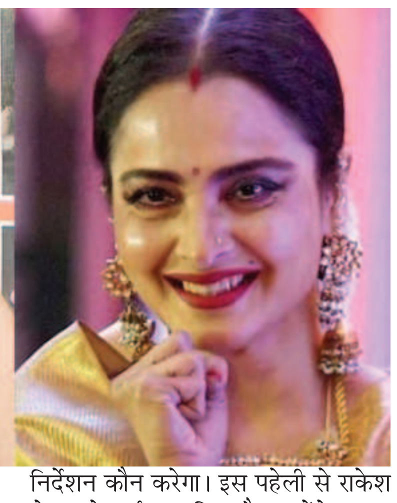

ऋतिक रोशन की फिल्म 'कृष 4' बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फैंस को इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। कुछ दिनों पहले ही निर्देशक राकेश रोशन ने इस बात को स्पष्ठ किया कि 'कृष 4' को ऋतिक रोशन निर्देशित करने वाले हैं। फिल्म के बारे में अभी बहुत ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 'कृष 4' में प्रीति जिंटा और रेखा एक बार फिर नजर आएंगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ऋतिक रोशन 'कृष 4' में ट्रिपल रोल अदा करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में प्रीति जिंटा, रेखा और विवेक ओबराय भी इस फिल्म में अदाकारी करते हुए नजर आएंगे। बताया जाता है कि फिल्म में भूतकाल और भविष्यकाल भी दिखाया जाएगा, ताकि दर्शकों को कहानी समझ में आए। फिल्म में नई तकनीकि के इस्तेमाल किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, फिल्म रिश्तों और भावनाओं पर ही आधारित होगी।

ऋति रोशन करेंगे फिल्म का निर्देशन

काफी समय से इस बात पर चर्चा हो रही थी कि कृष फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म का निर्देशन कौन करेगा। इस पहेली से राकेश रोशन ने पर्दा उठा दिया है। उन्होंने बताया कि 'कृष 4' का निर्देशन खुद ऋतिक रोशन करेंगे। राकेश रोशन ने इंटाग्राम पर एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा दुग्गू 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक अभिनेता के तौर पर लॉन्च किया था। 25 साल बाद आज फिर तुम फिल्म निर्माताओं आदित्य चोपड़ा और मेरे द्वारा एक निर्देशक के तौर पर लॉन्च किए जा रहे हो। हमारी फिल्म को आगे बढ़ाओ। आशीर्वाद के साथ इस नए अवतार में आपको कामयाबी की बधाई।

कब रिलीज होगी कृष 4?

आपको बता दें कि 'कृष 4' साल 2026 के शुरूआत में रिलीज हो सकती है। फिलहाल ऋतिक रोशन 'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। इस फिल्म के बाद ऋतिक 'कृष 4' में काम शुरू करेंगे, जिसका निर्देशन वह खुद ही करेंगे। ऋतिक की पिछली फिल्मों की बात करें तो उन्हें फिल्म फाइटर में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

एनटीआर-नील की अगली फिल्म का नाम 'ड्रैगन' साउथ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत आएंगी नजर

फिल्म 'देवरा पार्ट 1' में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुके साउथ अभिनेता जूनियर एनटीआर अब अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस रहे हैं। जूनियर एनटीआर निर्देशक प्रशांत नील के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर काम कर रहे हैं। इस

फिल्म में उनके साथ कौन सी अभिनेत्री नजर आएंगी और साथ ही यह फिल्म कब रिलीज होगी। इन सभी के बारे में जानकारी सामने आई है।

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म के नाम से उठा पर्दा

देवरा के बाद जूनियर एनटीआर के प्रशंसक उनकी आगामी फिल्म की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक खबर के मुताबिक, जूनियर एनटीआर साउथ फिल्म निर्देशक प्रशांत नील के साथ अपनी अगले प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं, जिसका अस्थाई नाम 'ड्रैगन' है।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

ड्रैगन फिल्म का निर्देशन प्रशांत नील कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर की यह फिल्म भी देवरा पार्ट 1 की तरह ही एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। जूनियर एनटीआर की इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों को एक और साल का इंतजार करना होगा, क्योंकि यह फिल्म 9 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। हालांकि, फिल्म को लेकर किसी भी प्रकार की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। पहले जानकारी आई थी कि यह फिल्म संक्रांति 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन शूटिंग में देरी की वजह से तारीख बदल दी गई है।

जूनियर एनटीआर के साथ जमेंगी इस अभिनेत्री की जोड़ी

फिल्म ड्रैगन में कन्नड़ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत मुख्य महिला किरदार में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म को माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स मिलकर बना रहे हैं। फिल्म के गाने रवि बसरूर तैयार करेंगे।

देवरा पार्ट 1 की रिलीज के साथ ही इस फिल्म के दूसरे भाग की जानकारी सामने आ गई थी। बहरहाल, जूनियर एनटीआर देवरा पार्ट 2 से पहले प्रशांत नील के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर काम कर रहे हैं। फैंस को उनकी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार रहता है।

'ड्यून' से कॉपी किया गया अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म का पोस्टर? एलान के बाद विवादों में घिरी

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर उनकी नई फिल्म 'एए 22' का एलान हुआ, जिसका निर्देशक एटली करेंगे। अभी फिल्म के एलान को एक दिन भी नहीं हुआ है, लेकिन अब यह विवादों में घिर गई है। इंटरनेट पर निर्देशक पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगाया जा रहा है। घोषणा वीडियो लॉन्च होने के बाद प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने इसे प्राप्त हुए व्यूज को बढ़ावा देते हुए एक पोस्टर साझा किया।

फिल्मों के पोस्टर पर बवाल

हालांकि, एक्स पर कई यूजर्स ने एटली पर 'ड्यून' के पोस्टर की कथित रूप से नकल करने का आरोप लगाया और दोनों के बीच समानताओं की ओर इशारा किया। 8 अप्रैल को सन पिक्चर्स ने अल्लू अर्जुन और एटली के मेगा-बजट प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे कई हॉलीवुड वीएफएक्स स्टूडियो के साथ सहयोग कर रहे हैं। उनके द्वारा शेयर किया गया पोस्टर 2021 की हॉलीवुड फिल्म 'ड्यून' से काफी मिलता-जुलता है।

एटली की कई फिल्मों पर लगे ये आरोप

अनाउंसमेंट वीडियो साझा किए जाने के कुछ ही घंटे बाद सन पिक्चर्स ने घोषणा की कि यूट्यूब पर इसे छह मिलियन से अधिक बार देखा गया है। तुरंत ही एक्स यूजर्स ने समानताओं की ओर ध्यान दिलाया और निर्देशक पर 'ड्यून' के पोस्टर की कथित नकल करने का आरोप लगाया। यह पहली बार नहीं है जब निर्देशक एटली पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगाया गया है। इससे पहले भी लोगों ने बताया है कि कुछ दृश्यों को दूसरी फिल्मों से कॉपी किया गया है।

फिल्म का निर्माण

वहीं, फिल्म की बात करें तो अल्लू अर्जुन ने साउथ के निर्देशक एटली के साथ मिलकर एक शानदार प्रोजेक्ट बनाया है, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया साइंस-फिक्शन एक्शनर बताया जा रहा है।

यह अल्लू अर्जुन की 22वीं और एटली की छठी फिल्म है। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का बजट बहुत बड़ा है और उम्मीद है कि यह फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आ जाएगी।

हमने पहले बताया था कि युवा संगीत सनसनी साईं अभ्यंकर को संगीत देने के लिए चुना गया है । निर्माताओं ने अभी तक 'एए 22' के कलाकारों और क्रू की घोषणा नहीं की है।

सितारों से सजेगा 'खतरों के खिलाड़ी' का नया सीजन

रियलटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन का इंतजार सभी को बड़ी बेसब्री है।

अब इसके 15वें सीजन को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। शो के मेकर्स ने कई सितारों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। कुछ ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जानिए शो को लेकर अपडेट।

इस एक्टर ने शो में हिस्सा बनने को लेकर दी प्रतिक्रिया

'कुमकुम भाग्य' सीरियल के अभिनेता बसीर अली के बारे में ये जानकारी सामने आ रही थी कि उन्हें शो का हिस्सा बनने के लिए ऑफर दिया गया था। अब अभिनेता ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनसे शो के लिए किसी ने संपर्क नहीं किया। आपको बताते चलें कि बसीर अली एकता कपूर के शो 'कुमकुम भाग्य' में अद्रिजा रॉय और पारस कलनावत के साथ मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

इन कलाकारों का भी है नाम

'खतरों के खिलाड़ी' शो के 15वें सीजन के लिए कई खबरे मीडिया रिपोट्र्स के जरिए सामने आ रही हैं। इस शो में एल्विश यादव के भी शामिल होने की बातें चल रही हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसके अलावा 'गुम हैं किसी के प्यार में' सीरियल के कलाकार हितेश भारद्वाज और भाविका शर्मा को भी शो ऑफर दिया गया है। इस पर भाविका ने कहा कि उन्हें शो के लिए बुलाया गया था। आगे बात करें तो दिशा पाटनी की बहन खूश्बू पाटनी भी इस शो का हिस्सा हो सकती हैं। यही नहीं मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक ईशा मालवीय, रागिनी खन्ना, मल्लिका शेरावत से भी शो के लिए अप्रोच किया गया है।

एक नजर 'खतरों के खिलाड़ी' पर

रियलटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' को रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किया जाता है। 'खतरों के खिलाड़ी' के 14वें सीजन में करण वीर मेहरा विजेता बने थे। वहीं, कृष्णा श्रॉफ दूसरे नंबर पर थे। इस शो का नया सीजन भी जल्द आने वाला है, जिसका दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है।

अमेरिका में ऋतिक के कार्यक्रम में बदइंतजामी पर भड़के फैंस, एक्टर से की मदद की अपील

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अपने अमेरिका दौरे पर हैं। जहां वो अलग-अलग शहरों में जा रहे हैं और कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। इस दौरान वो फैंस से भी मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में अभिनेता टेक्सास के डलास में पहुंचे, जहां उन्होंने एक फैन मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम में हिस्सा लिया। लेकिन वहां मौजूद फैंस का अनुभव अच्छा नहीं रहा और उन्होंने मैनेजमेंट की आलोचना की है। क्योंकि फैंस कई लाख रुपए खर्च करके अभिनेता से मिलने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें ऋतिक से मिलने का मौका भी नहीं मिला। जिसके बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत की है।

फैंस ऋतिक से कर रहे शिकायत

अभिनेता के कार्यक्रम की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। जहां भारी संख्या में ऋतिक के फैंस को देखा जा सकता है। इस दौरान ऋतिक ने अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए अपने डांस मूव्स भी दिखाए। लेकिन दूसरी ओर कार्यक्रम की अव्यवस्थाओं और अपने साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर फैंस ऋतिक के इंस्टाग्राम पर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शिकायत कर रहे हैं।

इस दौरान एक प्रशंसक जिसने ऋतिक से मिलने के लिए 1.2

लाख रुपये से अधिक खर्च करने का दावा किया है, वह उनके साथ एक तस्वीर लेने के लिए मना किए जाने के बाद अपनी निराशा व्यक्त करने के लिए इंटरनेट पर वायरल हो गया है।

प्रशंसक का पोस्ट हुआ वायरल

इस प्रशंसक ने पोस्ट में लिखा, "ऋतिक रोशन से मिलने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के लिए 1500 डॉलर (लगभग 1.2 लाख रुपए) + सामान्य प्रवेश टिकट खर्च किए और मुझे एक तस्वीर भी नहीं मिली। मीट एंड ग्रीट करने वाली आधी लाइन के साथ तस्वीरें लेने से इनकार कर दिया गया और इतने पैसे खर्च करने के बावजूद हमें वापस भेज दिया गया। क्या हमने मना करने के लिए 2 घंटे लाइन में इंतजार किया?"

फैंस ने की ऋतिक से मदद करने की अपील

इसके अलावा कई फैंस ने ऋतिक के इंस्टाग्राम पर भी अपनी शिकायत की है। ऋतिक की अमेरिका टूर की पुरानी पोस्ट पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक प्रशंसक ने कमेंट में ऋतिक रोशन को मेंशन करते हुए लिखा, "अब समय आ गया है कि आप आगे आएं और अपने यूएस-स्थित प्रशंसकों के विश्वास के अनुसार हीरो बनें। आपके रंगोत्सव होली टूर कार्यक्रमों में, युवा लड़कियों को धक्का दिया जा रहा है और मिलने-जुलने के लिए 1500 डॉलर तक का भुगतान करने वाले प्रशंसकों को वापस भेज दिया जा रहा है।

ये आपके प्रशंसक हैं - आपके समर्थक हैं, जो अपने दिल में खुशी और अपने आदर्श से मिलने के सपने लेकर आए हैं। हम समझते हैं कि आपका समय कीमती है। लेकिन अभी, आपकी उपस्थिति और स्वीकृति उन लोगों के लिए सब कुछ है जो आपसे प्यार करते हैं और आपका सम्मान करते हैं। सबसे कम उम्र के प्रशंसकों से लेकर आजीवन प्रशंसकों तक, उनके लिए आगे आने का समय आ गया है। हम बे एरिया में आपका इंतजार करेंगे। आइए इसे सही करें।"

फैंस ने इवेंट को ही बताया स्कैम

एक अन्य प्रशंसक ने आयोजकों को मेंशन करते हुए लिखा, "मिस मैनेजमेंट से बहुत निराश हूं। ऋतिक डलास में थे और बहुत सारा पैसा देने के बाद भी हमें उनसे मिलने का मौका नहीं मिला। ऋतिक आपके बहुत बड़े प्रशंसक हैं और आम लोगों के लिए यह उचित नहीं है कि उन्हें आपसे मिलने का मौका न मिले।" कई फैंस ने इस 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम को स्कैम बताया है। तो वहीं कई फैंस ने अभिनेता से न मिल पाने के लिए निराशा जताई है और समारोह के दौरान बच्चों और महिलाओं को धक्का देने और उनसे बदतमीजी करने के भी आरोप लगाए हैं।

प्रियंका ने पति निक जोनस को बताया शानदार कलाकार

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ऐसे कपल हैं, जो एक-दूसरे पर प्यार लुटाने और एक-दूसरे की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब एक बार फिर प्रियंका ने अपने पति निक जोनस की तारीफ की है और उन्हें एक शानदार कलाकार बताया है। प्रियंका निक जोनस के साथ न्यूयॉर्क में 'द लास्ट फाइव इयर्स' के ब्रॉडवे डेब्यू में शामिल हुईं। इस समारोह की कई तस्वीरें अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। साथ ही शो के लिए पति निक की तारीफ भी की है।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर साझा की तस्वीरें

प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर समारोह से जुड़ी कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका पति निक जोनस और शो की मुख्य अभिनेत्री एड्रिएन वॉरेन के साथ पोज दे रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने पति निक पर प्यार भी लुटाया और उन्हें किस करते हुए भी एक फोटो साझा की है। इस पोस्ट को

साझा करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, "ब्रॉडवे पर 'द लास्ट फाइव ईयर्स' की ओपनिंग नाइट। वाकई शानदार कलाकारी। बधाई हो निक जोनस और शो की पूरी टीम व क्रू को।"

बेटी मालती ने पापा के लिए बनाया पोस्टर

अपनी इस पोस्ट में प्रियंका ने बेटी मालती की एक प्यारी सी तस्वीर भी साझा की, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस तस्वीर में मालती एक पोस्टर बना रही हैं। जो उन्होंने अपने पिता निक जोनस को बधाई देने के लिए बनाया है। प्रियंका ने निक के लिए कार्ड बनाती मालती की ये तस्वीर भी शेयर की। दिल को छू लेने वाली यह तस्वीर कपल की शाम की तस्वीरों में शामिल हो गई और लोगों का दिल जीत रही है। प्रियंका की इस पोस्ट पर निक जोनस ने भी प्रतिक्रिया दी है। निक ने कमेंट सेक्शन में दिल वाला इमोजी बनाकर इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है।

एसएस राजामौली की फिल्म में नजर आएंगी प्रियंका

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा इन दिनों एसएस राजामौली की आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। पिछले दिनों उन्होंने जयपुर और ओडिशा में शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में प्रियंका के साथ अभिनेता महेश बाबू प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का नाम फिलहाल अभी 'एसएसएमबी 29' बताया जा रहा है।

समर में रिफ्रेश कर देंगे ये देसी ड्रिंक्स

हम आपको यहां ऐसे ही रिफ्रेशिंग समर ड्रिंक्स और वो भी देसी व हेल्दी ड्रिंक्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो आपको गर्मी से राहत

दिलाकर रखेंगे कूल. मौसम का मिज़ाज जब गर्म हो तो ज़रूरत होती है ऐसा कुछ पिया जाए जो गर्मी से राहत भी दिलाए और आपको एनेर्जेटिक भी फ़ील कराए.

छाछ: कैल्शियम, मिनरल, प्रोटीन, विटामिन बी 12 से भरपूर छाछ गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाती है. इसमें इलेक्ट्रोलाइट भी होते हैं और ये बॉडी को हाइड्रेट करके पेट पेट को ठंडा रखती है. आप मसाला छाछ भी बना सकते हैं, इसमें नमक, अदरक-मिर्च का पेस्ट मिला सकते हैं या फिर भुना जीरा पाउडर, सेंधा नमक, पुदीने के पत्ते भी मिलाकर इसका मज़ा लिया जा सकता है.

नारियल पानी: ये हर मौसम में सेफ है लेकिन गर्मी में ये पेट व शरीर को ठंडक प्रदान करता है. ज़ाहिर है डिहाइड्रेशन से भी बचाता है और एनर्जी से भरपूर है. अगर आपको इसे ठंडा करके पीना है तो पानी निकालकर कुछ देर फ्रिज में रख दें.

बेल का शर्बत: ये बेहद गुणकारी है, विटामिन सी, आर्यन, प्रोटीन व फाइबर से भरपूर बेल पेट

को ठंडक देता है. इसके गूदे को मैश करके इसमें पानी, शक्कर, काला नमक मिलाकर पिएं. चाहें तो उसको ठंडा करके पिएं. ये लू से भी बचाव करता है और पेट को रोगमुक्त रखता है.

गन्ने का रस: पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है, शरीर और पेट को भी ठंडक देता है. कैल्शियम, आयरन व मिनरल्स से भरपूर गन्ने का रस आपको गर्मी में एनर्जी देगा.

सत्तू का शर्बत: सत्तू के गुणों से सभी वाक़िफ़ हैं. एनर्जी से भरपूर सत्तू गर्मी से भी राहत दिलाता है. पानी में इसे मिक्स करके नींबू का रस व काला नमक डालकर पिएं.

नींबू पानी या शिकंजीः नींबू शरीर को हाइड्रेट करता. विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है ये. टॉक्सिंस को बाहर निकालने में भी कारगर है. नींबू पानी बनाकर उसे ठंडा करके पिएं.

आम पना: आम पना लू से भी बचाव करता है और बेहद स्वादिष्ट भी होता है. आप कच्चे आम यानी कैरी का छिलका हटाकर उबाल लें. इसकी गुठली निकालकर इसमें काला नमक, शक्कर मिलाकर ब्लेंड कर लें. चिल्ड सर्व करें, चाहें तो ऊपर से चाट मसाला या भुना जीरा या जीरा पाउडर बुरक लें.

इन सबके अलावा हाइड्रेटेड रहें. पानी से बेहतरीन ड्रिंक और भला क्या हो सकता है हाइड्रेटेड रहने के लिए. पानी से टॉक्सिंस भी निकल जाते हैं. हल्का भोजन करें, अल्कोहोल, तेज़ मसाले व तली चीज़ें और एरिएटेड/कार्बोनेटेड ड्रिंक्स और पैक्ड जूस अवॉइड करें. इससे बेहतर होगा कि आप जलजीरा, तरबूज़ का रस, टमाटर, ककड़ी, गाजर आदि का जूस लें और मौसमी फल व सब्ज़ियों का सेवन करें.

गर्मी और इससे होने वाली दिक्कतों से बचाव के लिए टिप्स

पिछले कुछ दिनों से तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। दिल्ली-उत्तर प्रदेश में दैनिक तापमान 35-40 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के मुताबिक आने वाले महीनों में इसके और भी बढ़ने का खतरा हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं सभी लोगों को बढ़ते तापमान के बीच सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

लू-गर्मी का शरीर पर कई प्रकार से दुष्प्रभाव होने का खतरा रहता है इससे सुरक्षित रहने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की आवश्यकता है।

देश में बढ़ती गर्मी को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ सुझाव जारी किए हैं जिनका पालन करके आप बढ़ते तापमान

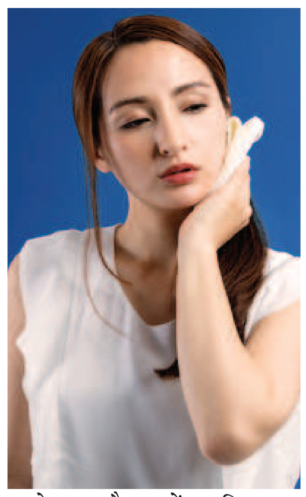

वाले इस मौसम में सुरक्षित रह सकते हैं। डॉक्टर्स कहते हैं, पहले से ही कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के शिकार लोगों के लिए ये मौसम और भी समस्याकारक हो सकता है, इसलिए बचाव के उपाय करना और भी आवश्यक हो जाता है।

गर्मी-लू की बढ़ती समस्याएं

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा आपका स्वास्थ्य आपकी प्राथमिकता है। गर्मी-लू के लक्षणों को पहचानना और गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति सतर्कता बरतते रहना जरूरी है। गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाव के लिए जरूरी है कि आपके शरीर में पानी की कमी न होने पाए। इस मौसम में डिहाइड्रेशन और इसके कारण होने वाली बीमारियों का जोखिम अधिक होता है।

बाहरी तापमान के अधिक संपर्क में रहने से सेहत पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है। गर्मी से होने वाली समस्याओं को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

गर्मी से रहें सावधान

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में गर्मी से बचाव के लिए कुछ जरूरी टिप्स बताए हैं, जिसकी मदद से आप कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

धूप में अनावश्यक रूप से घर से बाहर जाने से बचें।

बच्चों या पालतू जानवरों को पार्क किए गए वाहनों में न छोड़ें।

नंगे पैर बाहर न निकलें। शरीर को कवर करने के लिए सूती और ढीले कपड़े ही पहनें।

दोपहर के समय बाहर की गतिविधियों से बचें।

गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं का खतरा

डॉक्टर्स कहते हैं, गर्मी का मौसम कई प्रकार बीमारियों का कारण बन सकता है। लू-लगने या तेज गर्मी के कारण शरीर का तापमान बढ़ने और लो ब्लड प्रेशर की दिक्कतों के कारण चक्कर आने, सिरदर्द, बेहोशी की समस्या हो सकती है। गर्मी के दिनों में हीट-स्ट्रोक सबसे गंभीर बीमारी है। यह तब होता है जब शरीर अपने तापमान को नियंत्रित नहीं कर पाता। शरीर का तापमान तेजी से बढ़ने के साथ पसीना तंत्र विफल हो जाता है जिससे शरीर प्राकृतिक रूप से ठंडा होने में असमर्थ हो जाता है। इस स्थिति में कई प्रकार की अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर के लिए क्यों जरूरी होता है सिट्रिक एसिड? क्या आपके आहार में है इसकी मात्रा

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हमें निरंतर ऐसे आहार के सेवन की जरूरत होती है, जिससे जरूर सभी पोषक तत्व आसानी से प्राप्त हो सकें। प्रोटीन-विटामिन्स और मिनरल्स पर तो हम सभी अक्सर चर्चा करते रहते हैं, पर क्या आप साइट्रिक एसिड की जरूरतों के बारे में जानते हैं? वैसे तो इसकी चर्चा काफी कम होती है पर ये हमारी सेहत के लिए बहुत आवश्यक माना जाता है।

साइट्रिक एसिड प्राकृतिक यौगिक है जिसका कई प्रकार से इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर को कई गंभीर और संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं।

साइट्रिक एसिड सभी खट्टे फलों में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। यह मेटाबॉलिज्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसका उपयोग आपका शरीर भोजन को ऊर्जा में बदलने के लिए करता है।

साइट्रिक एसिड क्यों जरूरी है?

साइट्रिक एसिड का मुख्य का य शरीर में ऊर्जा के उत्पादन में मदद करना है। जब हम कार्बोहाइड्रेट्स-फैट्स और प्रोटीन वाली चीजें खाते हैं, तो शरीर उन्हें ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजरता है। इनमें से एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है क्रेब्स साइकल, जो कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पन्न करने में मदद करती है। इस साइकल में साइट्रिक एसिड का मुख्य योगदान होता है। वैसे तो हमें आहार के माध्यम से ये पोषक तत्व प्राप्त होता रहता पर कुछ लोगों में इसकी कमी होने का भी खतरा हो सकता है।

साइट्रिक एसिड की कमी होना वैसे तो काफी दुर्लभ है, क्योंकि शरीर इसे विभिन्न आहार स्रोतों से प्राप्त करता है। हालांकि कुछ कारणों या बीमारियों के कारण जब साइट्रिक एसिड साइकल में कोई गड़बड़ी आ जाती है, तो शरीर में ऊर्जा उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसके कारण आपको थकान, मांसपेशियों में कमजोरी सहित अन्य शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

आहार से साइट्रिक एसिड की पूर्ति कैसे करें?

साइट्रिक एसिड मुख्य रूप से खट्टे फलों में पाया जाता है। आहार में इससे भरपूर चीजों को शामिल करके शरीर को कई प्रकार से लाभ हो सकते हैं।

नींबू में साइट्रिक एसिड की उच्च मात्रा होती है। इसका सेवन ताजे रूप में या पानी में निचोड़कर किया जा सकता है। इसी तरह संतरा और अन्य खट्टे फल, जैसे अंगूर, टमाटर, और आमला, साइट्रिक एसिड का अच्छा स्रोत होते हैं। अनार को आहार में शामिल करके साइट्रिक एसिड की पूर्ती की जा सकती है। ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है।

सही मात्रा में करें सेवन

साइट्रिक एसिड शरीर में ऊर्जा उत्पादन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसकी कमी से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अच्छे आहार, जैसे खट्टे फल, साइट्रिक एसिड की कमी को दूर करने में मदद कर सकते हैं। उचित मात्रा में इनका सेवन करना शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने में सहायक है। हालांकि इसकी मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है, अधिक मात्रा में सेवन से कई दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

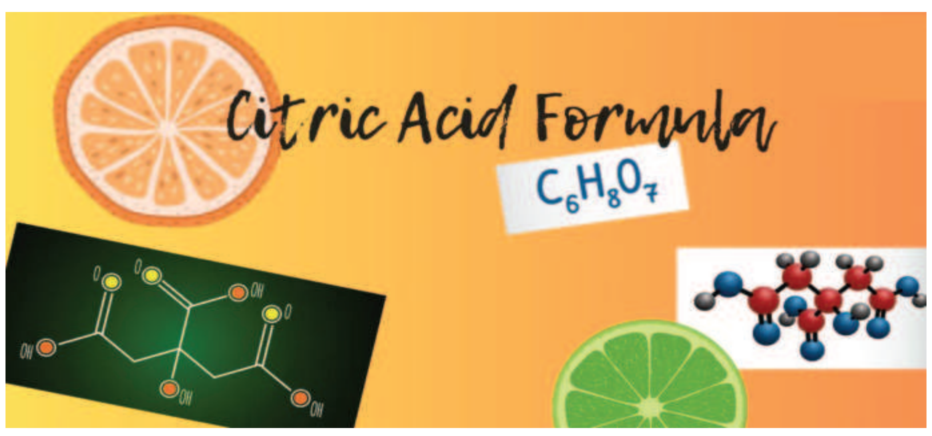

स्ट्रेच मार्क्स हैं, अच्छा नहीं लग रहा तो अपनाएं ये टिप्स

स्ट्रेच मार्क्स एक ऐसी समस्या है, जिससे खासतौर पर गर्भवती महिलाओं को जूझना पड़ता है। गर्भावस्था के दौरान उनके शरीर पर जो बदलाव आते हैं, उनकी वजह से पेट पर स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं। इनकी वजह से कई बार महिलाओं का आत्मविश्वास भी डोल जाता है।

वैसे तो इन स्ट्रेच मार्क्स को दूर करने के लिए बाजार में तमाम तरह की क्रीम आती हैं, जोकि हर महिला को सूट नहीं करतीं। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आपको स्ट्रेच मार्क्स से छुटकारा मिल जाता है। इन नुस्खों की वजह से स्ट्रेच मार्क्स दिखना काफी कम हो जाएंगे। तो चलिए आपको भी इन साधारण से नुस्खों के बारे में बताते हैं।

चीनी और बादाम का तेल

चीनी में बादाम का तेल और नींबू का रस मिलाकर स्ट्रेच मार्क्स पर लगाएं। इस मिश्रण से कुछ ही दिनों में स्ट्रेच मार्क्स कम दिखने लगेंगे। नींबू का रस इस्तेमाल करने से पहले एक बार पैच टेस्ट अवश्य करें, ताकि किसी तरह की एलर्जी की संभावना न रहे।

शहद

शहद में पाए जाने वाले तत्व त्वचा को रिपेयर करने में मदद करते हैं। इसके लिए आप शहद को स्ट्रेच मार्क्स पर लगाएं और हल्के हाथ से मसाज करें। आधे घंटे के बाद उसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको इसका असर दिखने लगेगा।

एलोवेरा जेल करें इस्तेमाल

यदि आप चाहती हैं कि शरीर के स्ट्रेच मार्क्स कम दिखें तो इसके लिए नियमित रूप से प्रभावित क्षेत्र पर एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। इसके लिए आपको हर रोज

त्वचा पर रात के समय एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना है। चाहें तो इसे आधे घंटे के बाद धो लें। नहीं तो आप इसे रातभर भी लगा रहने दे सकती हैं।

नारियल का तेल

नारियल तेल तो हर घर में होता ही है। ऐसे में आप इसे भी अपने स्ट्रेच मार्क्स पर लगा सकती हैं। इसके लिए हर दिन नारियल के तेल से स्ट्रेच मार्क्स पर मालिश

करें। आप इसे भी रातभर लगा कर सो सकती हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट तत्व और विटामिन ई आपकी त्वचा को दमकाने में मदद करेगा।

नींबू का रस

नींबू के रस में पाए जाने वाले तत्वों की वजह से त्वचा पर पड़ने वाले स्ट्रेच मार्क्स कम होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि नींबू के रस में एसिडिक तत्व पाए जाते हैं, जोकि त्वचा को निखारने में आपकी मदद करते हैं। इसलिए आप इसका इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

खूबसूरती में दाग लगाते हैं 'हीट पिंपल्स' इससे छुटकारा पाने के आसान तरीके

अप्रैल का महीना बस शुरू ही हुआ है कि गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखाने लगी है। सूरज की तेज किरणें इस समय न सिर्फ शरीर को पसीने से तर कर रही हैं, बल्कि त्वचा को भी नुकसान पहुंचा रही है। इस कारण त्वचा पर ऑयल और गंदगी जमा होने से सनबर्न, रैशेज और हीट पिंपल्स की समस्याएं सामने आ रही हैं, जिससे बचने के लिए आपको सही स्किनकेयर रूटीन अपनाना चाहिए।

क्यों होते हैं

हीट पिंपल्स, जिनको मिलियारी रैश भी कहते हैं, त्वचा की एक समस्या है। ये मुख्य रूप से तब होते हैं, जब पसीने की ग्रंथियां बंद हो जाती हैं, जिससे पसीना त्वचा के अंदर फंस जाता है। ऐसे में जब यह पसीना शरीर पर लंबे समय तक बना रहता है तो कीटाणुओं की संख्या बढ़ जाती है, जिससे छोटे-छोटे लाल चकत्ते या पिंपल्स त्वचा पर नजर आने लगते हैं। यह समस्या आमतौर पर गर्दन, पीठ, छाती और शरीर के अन्य हिस्सों को प्रभावित करती है। इस स्थिति में प्रभावित एरिया पर तेज जलन और खुजली होती है, जिस कारण त्वचा लाल और सूजी हुई नजर आती है।

हाइड्रेटेड रहें

गर्मी के मौसम में 'हाइड्रेशन' बेहद जरूरी है, इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी एवं अन्य इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक, जैसे कि नारियल और नींबू पानी पीएं। सही मात्रा में पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। असल में, जब शरीर में पानी की कमी होती है तो त्वचा सूखी और मुरझाई हुई नजर आती है। शरीर में पानी की कमी से रोमछिद्रों में गंदगी और तेल जमा होने लगता है, जो पिंपल्स और हीट पिंपल्स के होने की मुख्य वजह बनते हैं।

ऑयल-फ्री मॉइश्चराइजर

त्वचा से पिंपल्स को दूर रखने के लिए सुबह उठने के बाद और सोने से पहले चेहरे को हल्के और सल्फेट-मुक्त फेसवॉश से धोएं, ताकि त्वचा पर मौजूद तेल, गंदगी साफ हो सके। इसके बाद चेहरे को ऑयल-फ्री मॉइश्चराइजर से मॉइश्चराइज करें। आप जेल या वॉटर बेस्ड स्किन केयर प्रॉडक्ट का ही इस्तेमाल करें। इससे पोर्स बंद नहीं होते और पिंपल का खतरा कम हो जाता है।

सही कपड़ों का चुनाव

इस मौसम में आप कॉटन जैसे हल्के फैब्रिक के ढीले-ढाले कपड़े पहनें। इन कपड़ों से हवा पास होती है, जिससे पसीना शरीर पर जमा नहीं होता। वहीं अधिक टाइट और सिंथेटिक फैब्रिक में पसीना लंबे समय तक फंसा रहता है और पिंपल्स के साथ अन्य परेशानी का कारण बनता है।

कुछ उपाय

आप हीट रैश से प्रभावित जगह पर एलोवेरा जेल लगाएं। एलोवेरा जेल की कूलिंग और एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज त्वचा को आराम पहुंचाकर पिंपल्स को बढ़ने से रोकती हैं। आप कॉटन के कपड़े में बर्फ डालकर प्रभावित जगह पर लगाएं, जो खुजली, सूजन और लालिमा को कम करती है।

खान-पान का खास ख्याल

त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.एल. जांगिड़ का कहना है कि हीट पिंपल्स मुख्य रूप से पसीने के कारण होते हैं और जिन लोगों को अधिक पसीना आता है, उनमें इसके बढ़ने का अधिक खतरा होता है। इसलिए आप मॉइश्चराइजर बेस क्रीम का उपयोग करें। पसीने को शरीर पर न ठहरने दें। ऐसे कपड़े पहनें, जो पसीने को जल्दी सोख लें। हीट पिंपल्स से बचने के लिए खान-पान का ध्यान रखें। तैलीय और मसालेदार भोजन से बचें, क्योंकि ये शरीर में अधिक तेल उत्पन्न करते हैं, जिससे त्वचा के रोमछिद्र बंद हो सकते हैं। अधिक ताजे फल, जैसे तरबूज, खीरा और संतरा तथा हरी सब्जियों का सेवन करें, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं और त्वचा को पोषण देते हैं। साथ ही भरपूर मात्रा में पानी पीएं।

ट्रंप के टैरिफ का असर! आरबीआई ने घटा दिया जीडीपी ग्रोथ का अनुमान

इस साल कैसी रहेगी इकॉनमी की चाल?

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा आज मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देने के लिए मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि व्यापार शुल्क संबंधी उपायों ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित किया है, जिससे वैश्विक वृद्धि और महंगाई के लिए नई चुनौतियों के साथ जोखिम पैदा हुए हैं। ग्लोबल टैरिफ वॉर के

भारत पर प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि इसका देश के निर्यात पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया है जो आज से लागू हो गया है। मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बारे में जानकारी हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण वस्तुओं के निर्यात पर दबाव पड़ेगा जबकि सेवाओं के निर्यात में मजबूती बनी रहने की उम्मीद है। वैश्विक व्यापार में बाधाओं के कारण आने वाली चुनौतियों से गिरावट का जोखिम बना हुआ है। वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है।

किस सामान पर लगा है टैरिफ

आरबीआई गवर्नर ने कहा, 'हालांकि, इन आधारभूत अनुमानों के इर्द-गिर्द जोखिम समान रूप से संतुलित हैं, लेकिन हाल ही में बढ़ी वैश्विक अस्थिरता के मद्देनजर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं।'

उन्होंने कहा कि यह कमी मूलतः वैश्विक व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताओं के प्रभाव को दर्शाती है। मल्होत्रा ने कहा कि हाल ही में व्यापार शुल्क से संबंधित उपायों ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य पर अनिश्चितताओं को और बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के लिए नई चुनौतियां सामने आई हैं।

'भारत व्यापार समझौते पर अमेरिका से कर रहा बातचीत'

टैरिफ से जुड़ी चिंताओं पर बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका की ओर से दुनियाभर के देशों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक शुल्कों का प्रभाव अभी ज्ञात नहीं है। विदेश मंत्री के अनुसार इस स्थिति से निपटने के लिए नई दिल्ली की रणनीति इस साल के अंत तक वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना है।

टैरिफ पर अमेरिकी नीति के बारे में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद भारत शायद एकमात्र देश है जो वाशिंगटन के साथ व्यापार समझौते पर सहमति बना पाया है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी ट्रंप की ओर से भारत सहित लगभग पांच देशों के खिलाफ लगाए गए व्यापक टैरिफ के लागू होने के कुछ घंटों बाद आई है। टैरिफ के लागू होने से बड़े पैमाने पर व्यापार से जुड़ा व्यवधान उत्पन्न हो गया है और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई है।

भारत उन देशों में शामिल है, जिन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था में संभावित भूचाल पर प्रतिक्रिया देते हुए सतर्क रुख अपनाया है और कहा है कि वह द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर ट्रम्प प्रशासन के साथ बातचीत कर रहा है। जयशंकर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ₹मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बात करना संभव है कि इसका क्या प्रभाव होगा, क्योंकि हम नहीं जानते। हमारी रणनीति क्या है? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा, ₹हमने निर्णय लिया है कि हम इन मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन के साथ शीघ्र ही बातचीत करेंगे। हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि इस वर्ष के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत को अंतिम रूप देने की कोशिश की जाएगी।

किआ कार की फैक्ट्री से चोर चुरा ले गए 900 इंजन

तिरुपति, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पेनकोंडा के पास किआ मोटर्स की कार बनान की फैक्ट्री है। इस फैक्ट्री से बीते पांच साल में करीब 900 इंजन चोरी हो गए हैं। यह मामला तब सामने आया जब कंपनी ने बीते मार्च के दौरान पूरे साल का ऑडिट किया।

शुरुआत में किआ मोटर्स शिकायत दर्ज कराने में हिचकिचा रही थी। वे चाहते थे कि पुलिस बिना औपचारिक शिकायत के ही मामले की जांच करे। लेकिन पुलिस ने साफ़ कह दिया कि बिना शिकायत के जांच नहीं हो सकती। इसके बाद किआ मोटर्स ने 19 मार्च को पेनकोंडा इंडस्ट्रियल एस्टेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। श्री सत्य साईं जिले के एसपी वी. रत्ना ने किआ मोटर्स के कारखाने का दौरा किया और सारे रिकॉर्ड देखे। उन्होंने कहा, ₹हमने मामले की जांच के लिए तीन विशेष टीमें बनाई हैं। हमारी टीमें महत्वपूर्ण जानकारी जुटाने के लिए पूरे देश में जा रही हैं। मामले की जांच तेजी से चल रही है।

पेनकोंडा के डीएसपी वाई. वेंकटेश्वरुलु भी जांच टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि किआ मोटर्स में इंजन की चोरी 2020 में शुरू हुई थी। उन्होंने कहा, ₹शुरुआती जांच से पता चला है कि पिछले पांच सालों में 900 इंजन धीरे-धीरे और योजना बनाकर चुराए गए हैं। यह निश्चित रूप से किसी अंदर के आदमी का काम है। हमें शक है कि किआ मोटर्स के कुछ पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों ने मिलकर इस चोरी को अंजाम दिया है।

पहले पुलिस को शक था कि तमिलनाडु से पेनकोंडा के किआ मोटर्स प्लांट में आते समय इंजन चोरी हो गए होंगे। लेकिन जांच के बाद पता चला कि सारे इंजन प्लांट से ही चुराए गए थे। चोरों ने रिकॉर्ड में भी हेरफेर किया। दूसरी तरफ, किआ मोटर्स ने इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि पुलिस अभी जांच कर रही है। लेकिन कंपनी ने यह जरूर कहा कि इंजन चोरी होने से कारखाने के उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ा है।

किआ मोटर्स के एक प्रतिनिधि ने बताया, ₹हम हर साल लगभग 3-4 लाख गाड़ियां बनाते हैं। 900 इंजन चोरी होने से उत्पादन में कोई कमी नहीं आई है। वैसे यह घटना कई सवाल खड़े करती है। इतनी बड़ी संख्या में इंजन कैसे चोरी हो गए? क्या कारखाने में सुरक्षा व्यवस्था कमजोर थी? क्या कंपनी के अंदर कुछ लोग चोरों के साथ मिले हुए थे? पुलिस इन सभी सवालों के जवाब ढूंढने की कोशिश कर रही है। यह भी सोचने वाली बात है कि इंजन चोरी होने के बाद भी कंपनी को इसका पता क्यों नहीं चला।

भारत ने बंद की बांग्लादेश की 'दुकान'

अब नहीं भेज पाएगा भूटान, नेपाल और म्यांमार को सामान!

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने पिछले महीने चीन का दौरा किया था। वहां उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्य लैंड लॉक्ड हैं और समुद्र तक उनकी पहुंच का एकमात्र रास्ता बांग्लादेश है। यूनुस ने चीन को बांग्लादेश की स्थिति का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया था। भारत को उनकी यह हरकत नागवार गुजरी है। भारत ने बांग्लादेश को दी गई ट्रांसशिपमेंट की फैसिलिटी खत्म कर दी है। इससे बांग्लादेश का भूटान, नेपाल और म्यांमार के साथ व्यापार प्रभावित हो सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स ने इस बारे में एक सर्कुलर जारी किया है। इसमें बोर्ड ने 29 जून, 2020 के अपने पुराने आदेश को रद्द कर दिया है। उसमें बांग्लादेश से आने वाले सामान को भारत के रास्ते दूसरे देशों में भेजने की अनुमति दी गई थी। यह सामान जमीन के रास्ते भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंचता था। इसका मकसद यह था कि बांग्लादेश आसानी से भूटान, नेपाल और म्यांमार जैसे देशों को सामान भेज सके।

निजी नियोक्ता नियुक्ति पत्र में बताएं कहां होगा विवादों का निपटारा

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। निजी नियोक्ता कर्मचारी के नियुक्ति पत्र में यह प्रावधान शामिल कर सकते हैं कि रोजगार संबंधी किसी भी विवाद का समाधान किस विशेष अदालत या क्षेत्राधिकार में किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह बात कही है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि अनुबंध एक कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता है, चाहे इसमें शामिल पक्ष या उनकी ताकत कुछ भी हो। अदालत ने कहा, ₹कानूनी तरीके से विवादों को सुलझाने का अधिकार किसी भी पक्ष की ओर से अनुबंध के माध्यम से नहीं छीना जा सकता

सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

है, बल्कि पक्षों की सुविधा के लिए इसे कुछ न्यायालयों को सौंपा जा सकता है। न्यायालय ने कहा कि वर्तमान विवाद में यह धारा कर्मचारी से कानूनी दावा करने के अधिकार को नहीं छीनती, बल्कि उन्हें केवल मुम्बई की अदालतों में ही दावा करने तक सीमित कर देती है।

सर्वोच्च न्यायालय पटना में नियुक्त एचडीएफसी बैंक और दिल्ली में नियुक्त लॉर्ड कृष्णा बैंक के दो कर्मचारियों द्वारा दायर अपीलों पर सुनवाई कर रहा था। दोनों मामलों में बैंकों ने अपने नियुक्ति पत्रों में उल्लेख किया था कि पक्षों के बीच कोई भी विवाद जिसके कारण कानूनी कार्रवाई की नौबत आती है, उसका समाधान मुम्बई स्थित सक्षम न्यायालय में किया जाना चाहिए। जब धोखाधड़ी और कदाचार के आरोपों के कारण दोनों कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं, तो उन्होंने पटना और दिल्ली की संबंधित अदालतों में अपनी बर्खास्तगी को चुनौती दी। इन स्थानों के उच्च न्यायालयों ने यह निर्णय दिया कि कर्मचारी अपनी सेवा समाप्ति को उस न्यायालय में चुनौती दे सकते हैं जहां वे सेवा समाप्ति से पहले तैनात थे।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि सार्वजनिक सेवा और निजी नियोक्ता के साथ सेवा अनुबंध के बीच बहुत अंतर है। अदालत ने कहा, सरकारी सेवा की उत्पत्ति संविदात्मक है।

अगले 5 दिनों में 4 दिन बंद रहेंगे बैंक

आज महावीर जयंती पर काम-काज नहीं, शेयर बाजार भी बंद रहेगा

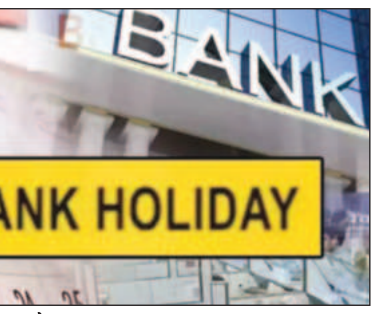

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अगले 5 दिनों में बैंकों में सिर्फ 1 ही दिन काम काज होगा। इस दौरान सिर्फ 11 अप्रैल, शुक्रवार को ही बैंक खुले रहेंगे, बाकी सभी दिन छुट्टियां रहेंगी।

10 अप्रैल को महावीर जयंती, 12 अप्रैल को दूसरा शनिवार, 13 अप्रैल को रविवार और 14 अप्रैल को अम्बेडकर पर बैंक बंद रहेंगे। इन दिनों शेयर बाजार में भी कारोबार नहीं होगा।

ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम

आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और ATM के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

अप्रैल में शेयर बाजार में 11 दिन कारोबार नहीं

अप्रैल 2025 में शेयर बाजार में 11 दिन कारोबार नहीं होना है। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार बंद है। इसके अलावा शेयर बाजार 10 अप्रैल को महावीर जयंती, 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर जयंती और 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे पर भी बंद रहेगा।

भारत से आईफोन से भरे 5 विमान अमेरिका भेजे गए

टैरिफ से बचने के लिए एपल ने बुलाया शिपमेंट, भारत में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाएगी कंपनी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। एपल ने मार्च के आखिरी हफ्ते में सिर्फ तीन दिनों में भारत से आईफोन और अन्य उत्पादों से भरे पांच विमानों को अमेरिका पहुंचाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन द्वारा लागू किए गए रेसिप्रोकल टैरिफ से बचने के लिए ये शिपमेंट किए गए हैं। एक सीनियर भारतीय अधिकारी के हवाले से इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ये भी कहा कि टैरिफ के बावजूद एपल की भारत या अन्य बाजारों में रिटेल कीमतें बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार इस स्टोरेज से एपल को अस्थायी रूप से वर्तमान मूल्य बनाए रखने में मदद मिलेगी। कंपनी यह भी विश्लेषण कर रही है कि मैन्युफैक्चरिंग लोकेशन्स पर अलग-अलग टैरिफ स्ट्रक्चर्स उसकी सप्लाई चेन को किस प्रकार प्रभावित करेंगी। अमेरिका एपल के प्रोडक्ट्स के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। ऐसे में कंपनी बढ़ी हुई लागत का बोझ कंज्यूमर्स पर डालने से बचने के लिए काम कर रही है। इससे एपल के प्रोडक्ट्स की डिमांड और प्रॉफिट मार्जिन दोनों पर असर पड़ सकता है।

अभी तक केवल बेसलाइन 10% टैरिफ ही लागू हुआ है। इससे ज्यादा टैरिफ 9 अप्रैल लागू हो रहे हैं। भारत इस बदलाव में बड़ी भूमिका निभा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका भारत पर 26% की दर से टैरिफ लगाएगा जबकि चीन पर 104% की दर से टैरिफ लगेगा। यानी, एपल को चीन की तुलना में भारत से अपने प्रोडक्ट अमेरिका एक्सपोर्ट करने में कम टैरिफ चुकाना होगा। एपल भारत में मौजूद अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में कई आईफोन मॉडल बनाती है। कंपनी टैरिफ इम्पैक्ट को कम करने के लिए भारत से आईफोन की खरीद बढ़ा सकती है।

अमेरिका और चीन की लड़ाई से तेल में हो गया बड़ा खेल

भारत की आने वाली है मौज!

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमत में आज भारी गिरावट आई है और यह चार साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देशों अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर गहराने से क्रूड की यह दुर्गति हुई है। इसकी एक वजह यह भी है कि सप्लाई बढ़ने से कीमत गिर रही है। पिछले पांच दिनों से तेल के दाम लगातार गिर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर बहुत ज्यादा टैक्स लगा दिया है। इससे डर है कि दुनिया में ट्रेड कम हो जाएगा और तेल की मांग भी कमी आएगी। अमेरिका चीन का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है जबकि चीन अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। इससे समझा जा सकता है कि इन दोनों देशों के लिए एकदूसरे की क्या अहमियत है। दोपहर 12 बजे ब्रेंट क्रूड \$2.07 यानी 3.30 फीसदी की गिरावट के साथ \$60.75 प्रति बैरल रह गया। इसी तरह U.S. वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) क्रूड ऑयल का दाम \$2.17 गिरकर \$57.41 हो गया। यह 3.64% की गिरावट है। ब्रेंट का दाम मार्च 2021 के बाद सबसे कम है और WTI का दाम फरवरी 2021 के बाद सबसे कम है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका चीन से आने वाले सामान पर 104% टैक्स लगाएगा। ट्रंप ने कहा था कि अगर चीन अमेरिकी सामान पर लगाए गए टैक्स को नहीं हटाता है तो वह और ज्यादा टैक्स लगाएंगे।

आज सोने के दाम में तेजी, चांदी सस्ती हुई

सोना 808 बढ़कर 89,358 पर पहुंचा, चांदी 90,010 किलो बिक रही

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 8 अप्रैल को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 808 बढ़कर 89,358 पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 88,550 थी।

हालांकि एक किलो चांदी की कीमत 353 गिरकर 90,010 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 90,363 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 3 अप्रैल को सोने ने 91,205 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इस साल अब तक 13,196 रुपए महंगा हो चुका है सोनाइस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 13,196 रुपए बढ़कर 89,358 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 3,993 रुपए बढ़कर 90,010 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।इस साल 94 हजार रुपए तक जा सकता है सोना केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड ETF में निवेश भी बढ़ रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 94 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच सकता है। वहीं अगर चांदी की बात करें तो HDFC सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार इसकी कीमत में आगे भी तेजी देखने को मिल सकती है। साल के आखिर में चांदी 1 लाख 8 हजार रुपए तक जा सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,**सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 06-07
सूर्यास्त - 18-27
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	मे	मीन.... 04-44	बजे
चंद्र-	सिंह	मे	मेष--- 06-19	बजे
मंगल	कर्क	मे	वृष--- 08-04	बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..10-05	बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....12-17	बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह---14-29	बजे
शनि-	मीन	मे	कन्या--16-36	बजे
राहु-	मीन	मे	तुला---18-41	बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक.20-52	बजे
			धनु......23-04	बजे
			मकर...01-11	बजे
			कुंभ....03-01	बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 01-00 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - चैत्र शुक्ल, गुरुवार 10 April
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 12-24 तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - वृद्धि 18-25 तक उप ध्रुव
करण- कौलव 11-55 तक उप तैतिल
विशेष:- प्रदोष व्रत,अनंग त्रयोदशी
व्रत -त्योहार - श्री महावीर जयंती

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:51 से 15:24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:07 - 07:38	शुभ	अमृत	18:27 - 19:57	शुभ
रोग	07:38 - 09:11	अशुभ	चंचल	19:57 - 21:24	शुभ
उत्पात	09:11 - 10:44	अशुभ	रोग	21:24 - 22:50	अशुभ
चंचल.	10:44 - 12:17	शुभ	काल	22:50 - 00:17	अशुभ
लाभ.	12:17 - 13:51	शुभ	लाभ	00:17 - 01:44	शुभ
अमृत.	13:51 - 15:24	शुभ	उत्पात	01:44 - 03:11	अशुभ
काल.	15:24 - 16:57	अशुभ	शुभ.	03:11 - 04:37	शुभ
शुभ	16:57 - 18:27	शुभ	अमृत	04:37 - 06:07	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है। यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा। हालाँकि, आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा, फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर, रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपकी लंबित कई प्रतिबद्धताएं है जिन्हे आपको आज आसानी से पूरा करने के लिए समय मिलेगा, हालांकि आप अपने आप को बेचैन, असावधान और सुस्त महसूस करेंगे। परिणाम के रूप में, आपका कार्य लंबित होता जाएगा, क्योकि आपका ध्यान केंद्रित नहीं है, इसलिए एक दिन की छुट्टी ले और आराम करे।

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी। पदोन्नति भी आपका इतंजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है। ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है और आपको इस बात का ध्यान रखना है

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा, लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे। आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चो पर लगाम लगाएंगे।

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे। भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है। आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है।

वृश्चिक — तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है, लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए, अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा। आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो।

धनु — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आप संसाधनो से पूर्ण हैं और आज आप अगर गंभीरता से काम करते हैं तो धन कमाने का ऐसा अवसर आपको मिल सकता है जिसमे आपको ख़ुशी महसूस होती है। इस बात की भी संभावना है की आप कला की अभिरुचि को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नौकरी छोड़ सकते हैं। आपको विवेक से कार्य करना है।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपना बेहतर प्रयास डाले। आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए। आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते।

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे। आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है। हालाँकि आप अवगत नहीं है।

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
कार्यालय का प्रेम आपको एक चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा है, लेकिन कार्यालय काम करने के लिए है और अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए नहीं है ये आपको याद रखने की जरुरत है। आपके सहकर्मी इस बात की सराहना नहीं करेंगे। यह एक मोह हो सकता है। आपने काम पर ध्यान लगाइये और अगर ये होना है तो यह निश्चित रूप से होगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पीएम को पसंद आया रायपुर की पुचका-गर्ल का आइडिया

लाखों का पैकेज छोड़कर गोलगप्पे का कैफे शुरू किया, कहा- रिसर्च से रिजल्ट मिलते हैं

रायपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर की पुचका गर्ल पीएम नरेंद्र मोदी से मिलीं। अपने यूनिक स्टार्टअप आइडिया की वजह से उन्हें ये मौका मिला। खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने बैठकर उनका प्रेजेंटेशन देखा, और सराहा भी। दरअसल, मंगलवार को देशभर में मुद्रा लोन से कुछ यूनिक और सफल बिजनेस स्टार्टअप करने वालों से दिल्ली में प्रधानमंत्री ने मुलाकात कीं। इनमें छत्तीसगढ़ के रायपुर से ईशा पटेल भी शामिल रहीं। ईशा का रायपुर में गोलगप्पे (गुपचुप) का कैफे है। हाउस ऑफ पुचका नाम का ये स्टार्टअप हाल ही में ईशा ने शुरू किया है। बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कर चुकीं ईशा मुंबई की एक कंपनी में 6 लाख रुपए सालाना के पैकेज पर काम कर रही थीं। कॉर्पोरेट कंपनी में काम से उब चुकीं 23 साल की ईशा ने, अपना बिजनेस शुरू करने का सोचा। दोस्तों और

परिवार के लोगों से मिले सपोर्ट के बाद उन्होंने इसे शुरू किया। 6 लाख रुपए का मुद्रा लोन लिया।

ईशा बताती हैं जब मैंने फंडिंग के बारे सोचा तो लोन चाहिए था। तब मेरी उम्र 22 थी, इस उम्र में बैंक लोन दें और ये पैसे कैसे वापस बैंक को हम लौटाएंगे, इसे लेकर फंडिंग एजेंसी भरोसा नहीं जता पा रही थीं। ऐसे में मैंने रिसर्च किया तो सरकारी योजना के बारे पता चला और हमें मदद मिली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने ईशा से मुलाकात में कहा कि आपने इतना रिस्क लिया। आपके दोस्त इसपर क्या सोचते हैं, ईशा ने जवाब में बताया कि प्रॉपर रिसर्च के साथ काम करें तो रिजल्ट मिलते हैं।

चर्चा में ईशा ने कहा कि अच्छी सैलरी छोड़ कर आना रिस्क तो था ही मगर काम करने के दौरान कुछ सेविंग की और कैफे बिजनेस के बारे में लगातार दोस्तों से बात की। स्टडी किया तो समझ आया कि कैसे प्रॉफिट जनरेट किया जाए। इसके बाद काम शुरू किया, आज रिस्पॉन्स अच्छा है।

ईशा ने बताया कि हम 5 तरह के चटपटे पानी के साथ गोलगप्पे सर्व करते हैं। कोलकाता वाला पानी खूब पसंद किया जाता है। इसलिए हमनें अपने स्टार्टअप का नाम हाउस ऑफ पुचकास रखा। इसके लिए हमनें अहमदाबाद से मशीनें मंगवाई हैं, जो हाइजीन के साथ गोलगप्पे तैयार करती है। ईशा ने बताया कि उनका परिवार रायपुर के खमतराई में रहता है। पिता नवीन पटेल बिजनेसमैन और मां रश्मि होममेकर हैं।

बहन की शादी कार्ड बांट रहे 2 भाइयों की मौत

बाइक पहले साइन बोर्ड, फिर खड़े हाइवा से टकराई, मातम में बदली खुशियां

बलरामपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के करकली में तेज रफ्तार बाइक सवार पहले सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से टकराए, फिर खड़े हाईवा के पीछे जा घुसे। हादसे में 2 भाईयों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, दोनों बहन की शादी का कार्ड बांटकर घर लौट रहे थे। घटना कुसमी थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम कुटकु निवासी संदीप नगेशिया (28) अपने फुफेरे भाई दीपू नगेशिया (22) के साथ शादी का कार्ड बांटने 7 अप्रैल को घर से निकला था। दोनों राजपुर के पाढ़ी में रात में रुक गए थे। वे शादी का कार्ड बांटते हुए मंगलवार देर शाम कुटकु लौट रहे थे। कुसमी-अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर करकली के पास बाइक हादसे का शिकार हो गई। युवकों की बाइक देर शाम करीब 8.30 बजे करकली में स्कूल की साइन बोर्ड से टकरा गए। साइन बोर्ड से टकराने के बाद बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़े हाईवा से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल दीपू नगेशिया की कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। वहीं, कुसमी सीएचसी से शुरुआती इलाज के बाद संदीप नगेशिया को अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। संदीप नगेशिया को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती किया गया।

कोडरमा के संत मौरियो स्कूल में वज्रपात

क्लास चलने के दौरान हुआ हादसा, 9 छात्राएं हुई बेहोश, स्कूल में नहीं लगा है तड़ित चालक

कोडरमा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के मरकच्चो स्थित संत मौरियो स्कूल में वज्रपात की घटना सामने आई है। आज 11:30 बजे के करीब स्कूल में पढ़ाई के दौरान अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिरी। इस घटना में अलग-अलग कक्षाओं की 9 छात्राएं बेहोश हो गईं।

स्कूल के शिक्षकों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी छात्राओं को स्कूल की वैन से मरकच्चो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सा पदाधिकारी प्रदीप बैठा के अनुसार सभी छात्राएं अब खतरे से बाहर हैं।

प्रखंड के बीपीओ प्रभुदेव यादव ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर छात्राओं का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि स्कूल में वज्रपात से बचाव के लिए तड़ित चालक यंत्र नहीं लगा था। स्कूल का बुनियादी ढांचा भी नियमों के अनुरूप नहीं है।

इस मामले में स्कूल संचालक के खिलाफ जिला स्तरीय कमेटी में शिकायत की जाएगी।

यूपी के बदायूं से पकड़ा गया ज्वैलरी चोरी का मास्टरमाइंड

तीन दुकानों से चोरी करने वाले गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार, 3 फरार

बोकारो, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने तीन ज्वैलरी शॉप से हुई चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड नरेश उत्तर प्रदेश पुलिस की गिरफ्त में है।

चोरी की वारदात 8 मार्च को चंचली मार्केट स्थित बीरेंद्र ज्वेलर्स में हुई थी। एसपी के निर्देश पर बनी विशेष टीम ने चास से चार अपराधियों को पकड़ा। ये सभी उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के भोजपुर के रहने वाले हैं।

अपराधी किराए के मकान में रहते थे। साइकिल से कुर्सी-बेंच बेचने के बहाने दुकानों की रेकी करते थे। मौका मिलते ही चोरी कर लेते थे।

पुलिस ने इनके पास से चोरी के गहने बरामद किए हैं। साथ ही सात साइकिल, चार गुलेल, कटर और एयरपंप भी मिले हैं। पूछताछ में पता चला कि इस गिरोह ने कई अन्य चोरियां भी की हैं।

इस गिरोह में कुल सात सदस्य थे। तीन अभी भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है। सभी गिरफ्तार अपराधियों का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस का मानना है कि इस गिरोह की गिरफ्तारी से क्षेत्र में होने वाली चोरियों पर अंकुश लगेगा।

दुर्ग रेप-मर्डर, पिता बोले- भाई ऐसा नहीं कर सकता

बचपन से उसके लिए सब किया, कार मालिक पर शक, पड़ोसी बोली- रिवॉल्वर दो मैं मारूंगी

दुर्ग, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दुर्ग में बच्ची से रेप-मर्डर केस में नया मोड़ आ गया है। मृतक के पिता के मुताबिक उसका भाई ऐसा कर ही नहीं सकता। बचपन से उसके लिए सबकुछ किया है। परिजन का शक कार मालिक पर है, जिस गाड़ी से बच्ची का शव मिला था। पुलिस पर उसे बचाने का आरोप है। वहीं इस घटना के बाद आक्रोश इतना है कि, पड़ोसी महिला कहती है, कि मेरे हाथ में रिवॉल्वर दे दो मैं मर्डर कर दूंगी। चाहे मुझे फांसी हो जाए।

वहीं पीड़ित परिवार के घर पहुंची कांग्रेस जांच टीम ने भी सवाल उठाए हैं। बालोद विधायक संगीता सिन्हा के मुताबिक जांच के नाम पर पीड़ित परिवार को ही प्रताड़ित किया जा रहा है, रात ढाई बजे सबको उठाकर ले जाना, पूछताछ के नाम पर 8 साल की बच्ची को भी प्रताड़ित किया गया। बता दें कि बच्ची से रेप-मर्डर के आरोप में जांच के बाद उसके चाचा को गिरफ्तार किया गया है।

बच्ची से रेप और हत्या मामले में स्थानीय वकील के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के 5 वकील भी केस लड़ेंगे। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बताया कि भिलाई के वकील राजकुमार तिवारी इस केस को बिना किसी फीस के लड़ेंगे।

घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र की है। वहीं, इस मामले में दुर्ग एसपी ने एसआईटी का गठन किया है। यह 7 सदस्यीय टीम होगी, जो तेजी से मामले की जांच कर कोर्ट में उसे रखेगी और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले को चलाकर आरोपी को कड़ी सजा दिलाएगी।

इधर, दुर्ग में 24 घंटे के अंदर लड़की से छेड़छाड़ का एक और मामला सामने आया है। जहां मूक बधिर लड़की (19) के मुंह बोले चाचा ने मंगलवार को घर में घुसकर जबरन उसका हाथ पकड़ा और विरोध करने पर पीड़िता का मुंह भी दबाया। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने थाने के बाहर हंगामा किया।

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से स्थानीय वकीलों के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के पांच वकील भी होंगे। जल्द ही सुप्रीम कोर्ट के पांच वकीलों की टीम भिलाई आएगी।

इसको लेकर दिल्ली भाजपा से सांसद और वकील बांसुरी स्वराज से भी बातचीत चल रही है। आरोपी फांसी के तख्ते तक पहुंच सके इसके लिए हर लड़ाई लड़ेंगे। इस कानूनी लड़ाई में वकीलों का जो भी खर्च होगा, उसे वो खुद जनसहयोग से वहन करेंगे और राज्य सरकार भी मदद करेगी।

काम के दौरान चालू हो गई बिजली, कर्मचारी झुलसा

धनबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में बिजली विभाग की घोर लापरवाही से जुड़ा मामला सामने आया है। शहर के नया बाजार विद्युत डिवीजन में बड़ी लापरवाही से एक बिजली मिस्त्री बुरी तरह झुलस गया।

बैंक मोड़ के पास एक ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत के लिए शट डाउन लिया गया था। मेंडेज नाम की कंपनी में संविदा पर कार्यरत बिजली मिस्त्री विजय कर्मकार काम कर रहे थे। उसी दौरान बिजली सप्लाई चालू कर दी गई।

बिजली चालू होते ही विजय करंट की चपेट में आ गए। वह बुरी तरह झुलस भी गए। किसी तरह सप्लाई बंद कराई गई। सहकर्मियों ने जख्मी विजय को ट्रांसफॉर्मर से उतारा और पुलिस की मदद से इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजवाया। वहां उनका इलाज जारी है। मेंडेज कंपनी के कर्मी अनिल कुमार ने बताया कि विजय लाइन बंद कर के काम कर रहे थे, जब यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फोन कर ऑफिस में दी। इसके बाद हमलोग यहां से लाइन बंद करा दिए। इसके बाद हमलोग मौके पर पहुंचे तो वहां देखा कि विजय ट्रांसफॉर्मर में लटके हुए थे। कर्मी अनिल कुमार ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर में आग लगी हुई थी। वहां काम कर रहे कर्मी पूरी तरह झूलस गए थे।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को मारी टक्कर

रायगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तेज रफ़्तार ट्रेलर की ठोकर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इस घटना में उसकी पत्नी और बेटे को गंभीर चोट आई है। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रहा है। उक्त मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, फिलमोन एक्का ने लैलूंगा थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि कल दोपहर 3 बजे महेश एक्का 36 साल निवासी भेडीमुडा (अ) तेंदुपारा किसी काम के सिलसिले में मोटर सायकल क्रमांक सीजी-13-के-5002 टीवीएस में सवार होकर अपनी पत्नी के और बेटे के साथ गया हुआ था।

जहां से वापसी के दौरान जब वे चौरंगा पतरापारा के बीच मेन रोड पर पहुंचे। तो पीछे की तरफ से आ रहे ट्रेलर क्रमांक सीजी-10-बीडब्ल्यू-9555 के चालक ने तेज और लापरवाही पूर्वक वाहन बाइक सवार पति पत्नी को जोरदार ठोकर मार दी।

इस घटना में बाइक सावर पति-पत्नी के अलावा उनके बेटे को गंभीर चोट लगने के अलावा उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों की मदद से तीनों घायलों लैलूंगा सिविल अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान महेश एक्का की मौत हो गई। उसकी पत्नी और बच्चे का इलाज जारी है। बहरहाल, सड़क हादसे में एक की मौत हो जाने के बाद लैलूंगा पुलिस आरोपी ट्रेलर चालक के खिलाफ धारा 106(1) 125(ए) 281 के तहत अपराध दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

घर पर मिली पति-पत्नी की लाश

खून से लथपथ पड़ी थी महिला, फंदे पर झूलते मिला पति, हत्या के बाद सुसाइड की आशंका

बिलासपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पति और पत्नी की घर पर लाश मिली है। महिला का शव खून से लथपथ पड़ा था। जबकि, पति फंदे पर झूलते मिला।

पुलिस को शक है कि, पति ने पहले पत्नी की हत्या की होगी, फिर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया होगा। घटना कोटा थाना इलाके के बेलगहना चौकी क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम उमरिया निवासी सुखसिंह बैगा (55) रोजी-मजदूरी करता था। वो अपनी पत्नी कुंवारिया बाई (50) और बेटे दिलेश (11) के साथ रहता था। उसका बड़ा बेटा चुन्नी लाल बैगा दूसरे गांव में रहकर मजदूरी करता है।

दरअसल, रविवार की रात सुखसिंह बैगा ने पत्नी से पैसे मांगे तो उसने देने से इनकार कर दिया। जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।

पिता को मां से मारपीट करते देख दिलेश घर से भागकर पास ही स्थित अपने मामा के घर चला गया। रात में वहीं सो गया था।

दिलेश सोमवार की सुबह उठने के बाद जब घर पहुंचा तो मां की लाश खून से लथपथ पड़ी मिली।

कमरे में पिता का शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। वह दौड़कर बाहर निकला और पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। गांव के लोगों ने घटना की जानकारी बेलगहना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने दिलेश से पूछताछ के बाद मामले में पत्नी की हत्या करने के बाद पति के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की आशंका जताई है। चौकी प्रभारी भावेश शेंडे ने बताया कि, शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि, पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता रहता था। दोनों आपस में छोटी-बड़ी बातों को लेकर लड़ते रहते थे। इसके चलते परिवार के अन्य सदस्यों और ग्रामीणों ने उनके बीच रविवार को हुए विवाद पर ध्यान नहीं दिया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जुनेजा को देखकर खड़गे बोले- स्कूटर वाले सरदार जी

चलते हुए रुके, पीछे लौटे, कहा- छत्तीसगढ़ से हैं ना, कांग्रेस के अधिवेशन में पहुंचे थे

रायपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन चल रहा है, जिसमें राष्ट्रीय नेताओं से लेकर क्षेत्रीय नेता भी शामिल हैं।

इसी दौरान रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के साथ एक दिलचस्प वाकया देखने को मिला, जब पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें देखकर रुकते हुए 'स्कूटर वाले सरदार जी' के रूप में पहचानते हुए उनसे बातचीत की।

ये वाकया अधिवेशन के पहले दिन का है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद जब राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे बाहर निकलकर होटल की तरफ रवाना हो रहे थे, उस वक्त मंच के पास खड़े नेताओं का दोनों नेता अभिवादन कर रहे थे।

इसी दौरान विधायक कुलदीप जुनेजा ने भी दोनों नेताओं को नमस्कार किया। राहुल और खड़गे दोनों आगे बढ़ गए, लेकिन कुछ कदम चलने के बाद खड़गे अचानक रुके, पीछे लौटे और बोले- 'आप तो स्कूटर वाले सरदार जी हैं।'

इस पर वहां मौजूद नेता और कार्यकर्ता भी मुस्करा उठे। दरअसल, राहुल गांधी भी पहले जुनेजा को इसी नाम से संबोधित कर चुके हैं, जो उस वक्त भी इसकी चर्चा हुई।

अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट पर आज कांग्रेस का 84वां राष्ट्रीय अधिवेशन का आखिरी दिन है। सुबह 9:30 बजे झंडावंदन के साथ आज के कार्यक्रम की शुरुआत हुई और फिर एआईसीसी का प्लेनरी सेशन यानी पूरा अधिवेशन होगा।

इस अधिवेशन की थीम है, 'न्यायपथः संकल्प, समर्पण, और संघर्ष।' इसके इर्द-गिर्द कांग्रेस की पूरी पॉलिटिकल प्लानिंग बनाई गई है। आने वाले चुनावों की कैंपेनिंग भी इसी थीम को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की जाएगी।

इस मौके पर देशभर से 1700 से ज्यादा एआईसीसी प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं, जिनमें मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा जैसे बड़े नेता भी मौजूद हैं।

सीएम हेमंत औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए स्पेन और स्वीडन जाएंगे, महत्वपूर्ण फैसले

रांची, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल स्पेन और स्वीडन की यात्रा करेगा। झारखंड कैबिनेट ने इस यात्रा और इससे संबंधित खर्च को भी मंजूरी दे दी है। सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कई अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

झारखंड सरकार ने कैबिनेट की बैठक में जल संसाधन विभाग, वाणिज्यिक कर विभाग, शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कई अहम फैसले लिए हैं। सरकार ने लिपिकों की नियुक्ति के लिए नियमावली को मंजूरी दी है। विमान ईंधन पर टैक्स की दर में बदलाव किया है। वहीं शिक्षकों को प्रमोशन देने का फैसला किया है। वहीं अस्पतालों के प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए गाइडलाइन जारी की है। साथ ही आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति की अवधि बढ़ाई है।

जल संसाधन विभाग में अब लिपिकों की नियुक्ति के लिए एक नई नियमावली होगी। सरकार ने झारखण्ड राज्य जल संसाधन विभाग क्षेत्रीय लिपिक पदों पर भर्ती नियमावली, 2025 को मंजूरी दे दी है। इससे विभाग में लिपिक, लिपिक-सह-टंकक और टंकक जैसे पदों पर भर्ती हो सकेगी। शिक्षा विभाग में भी कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। अवर शिक्षा सेवा संवर्ग के पदाधिकारियों को राज्य शिक्षा सेवा वर्ग-2 के पद पर प्रमोशन मिलेगा। यह प्रमोशन पिछली तारीख से लागू होगा।

युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने 'झारखण्ड ग्रासरूट्स इनोवेशन इंटर्नशिप योजना' को भी मंजूरी दी है। इस योजना के तहत युवाओं को इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा और वे नए विचारों को विकसित कर सकेंगे।

10 मिनट में 13 लाख के जेवर और नकदी चोरी

बैंक कर्मी के बंद घर को बनाया निशाना, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

कोडरमा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा के तिलैया थाना क्षेत्र में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। गंगोत्री अपार्टमेंट में बैंक ऑफ इंडिया के दो कर्मचारियों के फ्लैट से चोरी हुई है। पूरी घटना अपार्टमेंट के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक पीड़ित परिवार की मां वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि उनका बेटा और बहू बच्चों के साथ वेल्लोर गए थे। वह खुद अपने पैतृक गांव पहाड़पुर गई हुई थीं। मंगलवार को बेटे के कहने पर जब वह फ्लैट पहुंचीं तो कमरे का सामान बिखरा मिला।

अलमारी से सभी जेवरात गायब थे। पीड़िता ने बताया कि वह सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं। नौकरी के दौरान उन्होंने अपने और बच्चों के लिए काफी जेवरात

बनवाए थे। चोरों ने करीब 12 लाख के जेवरात और 1 लाख रुपए नगद चुरा लिए।

इधर, फ्लैट में रहने वाले अमित कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से यह मालूम हुआ है कि यह घटना सोमवार दोपहर की है। उन्होंने बताया कि जिस फ्लैट में चोरी हुई है, वे उस फ्लैट के ठीक बगल वाले फ्लैट में रहते हैं। शाम को जब दूध वाला आया तो उसने देखा कि घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। उसने यह बात फ्लैट के अन्य लोगों को बताई। इसके बाद फ्लैट मालिक को इसकी सूचना दी गई।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर सोमवार को दोपहर 12 बजकर 9 मिनट पर दोनों फ्लैट में घुसे और महज 10 मिनट के अंदर 12 बजकर 19 मिनट में चोरी की घटना को अंजाम देकर रफूचक्कर हो गए।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए हैं। विनय कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान की जा रही है।

हाईकोर्ट बोला- सीजीपीएससी घोटाला हत्या से भी गंभीर अपराध

लाखों कैंडिडेट्स का करियर बर्बाद उद्योगपति गोयल के बेटे और बहू को बेल नहीं

बिलासपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सीजीपीएससी घोटाले पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह हत्या से भी ज्यादा जघन्य अपराध है क्योंकि, एक व्यक्ति की हत्या करने से केवल एक परिवार प्रभावित होता है। लेकिन, लाखों अभ्यर्थियों का करियर बर्बाद करने से पूरा समाज प्रभावित होता है। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने इस टिप्पणी के साथ ही डिप्टी कलेक्टर बने शशांक गोयल और उसकी पत्नी भूमिका कटियार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि सीबीआई ने दोनों आरोपियों को 6 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। सीजीपीएससी की 2020-2022 की भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत की गई थी। भाजपा के सीनियर लीडर ननकीराम कंवर ने इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका भी लगाई थी। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों की सूची भी हाईकोर्ट को दी थी, जिसमें नेता, अधिकारी और रसूखदार कारोबारियों के रिश्तेदारों का सिलेक्शन किया गया। मामला हाईकोर्ट पहुंचने के बाद राज्य सरकार ने जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंपा था। इस मामले में तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी पर अपने रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाने का आरोप है।

पुतिन को बड़ा तोहफा देने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप

खतरे में पड़ी यूरोप की सुरक्षा अमेरिकी योजना से घबराए यूरोपीय नेता

पेरिस, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दोस्त रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। लेकिन ट्रंप का यह तोहफा यूरोप के लिए बहुत महंगा होने जा रहा है, जो महाद्वीप के देशों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाला होगा। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विभाग ने अपनी सैन्य स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव की योजना बनाई है, जिसके तहत पूर्वो यूरोप से 10,000 सैनिकों की वापसी पर विचार किया जा रहा है। बुल्गारिया मिलिट्री डॉट कॉम ने मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।

ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद अतिरिक्त बलों को तैनात किया था। अब तीन साल ट्रंप प्रशासन इसे वापस लेने जा रहा है, जिसने यूरोप में बेचैनी बढ़ा दी है। यूरोपीय अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इस तरह के कदम से रूसी को तनाव के समय में हिम्मत मिल सकती है। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटननेशनल स्टडीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सेठ जोन्स ने चेतावनी दी है कि 'अमेरिकी बलों की कमी से प्रतिरोध कमजोर होगा।' पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद पूर्वी यूरोप में लगभग 20,000 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती को मंजूरी दी थी, जिससे महाद्वीप पर अमेरिकी सैनिकों की उपस्थिति बढ़कर 100,000 लोग हो गई।

इस बढ़ोतरी का उद्देश्य नाटो सहयोगियों को आश्वस्त करना और आगे रूसी आक्रमण को रोकना था।

बलों में पैदल सेना, बख्तरबंद इकाइयां और विमानन संपत्तियां शामिल थीं। अब अमेरिकी रक्षा विभाग 2022 की वृद्धि को आधे तक घटाने पर विचार कर रहा है। रसद के दृष्टिकोण से पूर्वी यूरोप से 10,000 सैनिकों को बाहर निकालने के लिए इकाइयों और उपकरणों को सावधानीपूर्वक अलग करना होगा। तेजी से तैनाती के लिए डिजाइन की गई ये यूनिट नाटो की प्रतिरोध रणनीति के लिए महत्वपूर्ण रही हैं। वापसी का मतलब ऐसी संरचनाओं में कमी हो सकती है, जिससे संकट के समय तुरंत जवाब देने की क्षमता कम हो सकती है।

ऐतिहासिक रूप से यूरोप में अमेरिकी उपस्थिति वैश्विक खतरों के साथ घटती-बढ़ती रही है। शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने महाद्वीप पर 300,000 से अधिक सैनिक तैनात किए थे, जो 1950 के दशक में एक समय में 400,000 तक पहुंच गए। 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद सैनिकों की संख्या में कमी कर दी गई। साल 2015 में कुल संख्या केवल 62,000 थी।

कैरेबियन देश डोमिनिकन में नाइट क्लब की छत गिरने से 98 लोगों की मौत

150 से ज्यादा घायल

सैंटो डोमिंगो, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कैरेबियन देश डोमिनिकन रिपब्लिक में एक नाइट क्लब की छत गिरने से 98 लोगों की मौत हुई है, जबकि 150 से ज्यादा लोग घायल हैं। घटना राजधानी सैंटो डोमिंगो के जेट सेट नाइट क्लब में स्थानीय समय के मुताबिक मंगलवार सुबह हुई, जब एक सिंगर का कॉन्सर्ट चल रहा था। इस घटना में सिंगर की भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त नाइट क्लब में 400 से ज्यादा लोग मौजूद थे। जीवित लोगों की तलाश की जा रही है। आशंका है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

स्लोवाकिया पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति महल में हुआ औपचारिक स्वागत

ब्रैटिस्लावा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बुधवार को स्लोवाक गणराज्य के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू बुधवार को अपनी दो-राष्ट्र राजकीय यात्रा के दूसरे चरण में यहां पहुंचीं, वह स्लोवाक गणराज्य की यात्रा करने वाली दूसरी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष बन गईं।

राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'स्लोवाक गणराज्य के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया। लोक परिधान पहने एक जोड़े ने उन्हें रोटी और नमक देकर पारंपरिक स्लोवाक स्वागत किया। राष्ट्रपति का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत किया गया।' यह प्राचीन परंपरा विभिन्न विशेष अवसरों पर विशिष्ट अतिथियों के लिए आतिथ्य, मित्रता और सम्मान के प्रतीक के रूप में प्रतीकात्मक रूप से निभाई जाती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति भवन पहुंचीं। स्लोवाकिया के राष्ट्रपति

पीटर पेलेग्रिनी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत किया। यह लगभग तीन दशकों में भारत से स्लोवाकिया की पहली राष्ट्रपति यात्रा है।' स्लोवाकिया में अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको और राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष रिचर्ड रासी से मुलाकात करेंगी। इस यात्रा के दौरान कई समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। बता दें कि, पिछली बार किसी भारतीय राष्ट्रपति ने 29 साल पहले स्लोवाकिया का दौरा किया था। राष्ट्रपति मुर्मू मध्य यूरोपीय देश का दौरा करने वाले दूसरे भारतीय राष्ट्रपति बन गई हैं। विदेश मंत्रालय के सचिव पश्चिम तन्मय लाल ने 4 अप्रैल को एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया था कि, 'स्लोवाकिया में विशेष रूप से संस्कृत अध्ययन के साथ गहरे संबंध हैं। महात्मा गांधी की रचनाओं का स्लोवाक में अनुवाद किया गया है, और स्लोवाकिया ने 2022 में यूक्रेन से भारतीय छात्रों को निकालने के दौरान बहुमूल्य सहायता प्रदान की'।

गलती से खत्म किए, ट्रंप प्रशासन ने वापस लिया यूएन के खाद्य कार्यक्रमों की फंडिंग में कटौती का फैसला

वॉशिंगटन, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने 14 कम आय वाले देशों में संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत आपातकालीन परियोजना के लिए फंडिंग की कटौती के फैसले को वापस लिया है। मंत्रालय ने कहा कि कुछ जीवन रक्षक मदद के अनुबंधन गलती से समाप्त कर दिए गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कुछ ऐसे कार्यक्रम थे, जिन्हें अन्य देशों में की गई कटौती में गलती से शामिल किया गया था। उन्हें वापस ले लिया गया है और फिर से लागू किया गया है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि कौन से देश हैं, जहां अमेरिका की फंडिंग बहाल की गई है। यह गलती कैसे हुई, इस बारे में भी ब्रूस ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। विश्व खाद्य कार्यक्रम की ओर से इस पर मुद्दे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। ट्रंप प्रशासन ने अफगानिस्तान, सीरिया, यमन और 11 अन्य संघर्ष ग्रस्त देशों में विश्व खाद्य कार्यक्रम की आपातकालीन परियोजनाओं के लिए फंडिंग में कटौती की थी।

बलूचिस्तान में फिर मिला सोने और तांबे का विशाल भंडार

खरबों डॉलर के खजाने से भरा है पाकिस्तानी सूबा, कितनी है तादाद

इस्लामाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की नेशनल रिसोर्सेज लिमिटेड (एनआरएल) ने बलूचिस्तान के चगाई जिले में सोने और तांबे का भंडार मिलने की जानकारी दी है। कंपनी ने 500 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में खोज करते हुए पिछले 18 महीनों में 16 संभावित खनिज स्थलों की पहचान की है। इसमें मुख्यतौर पर सोने और तांबे के भंडार हैं। एनआरएल ने जल्दी ही इसके खनन का काम शुरू करने की बात कही है। बलूचिस्तान में पहली बार इस तरह से खनिज नहीं मिले हैं। इस क्षेत्र में खनिजों का बड़ा भंडार है।

पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत बलूचिस्तान खनिजों से भरा हुआ है। हालांकि इनकी सही कीमत और मात्रा पर बहस होती रहती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां पूरी तरह से खोज नहीं हुई है। इस क्षेत्र में धातु और गैर-धातु दोनों तरह के खनिज मौजूद हैं। बीते कुछ वर्षों में यहां खनन में तेजी आई है। इससे इस क्षेत्र ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। बलूचिस्तान में तांबा, सोना, लोहा, क्रोमाइट, कोयला, मार्बल,

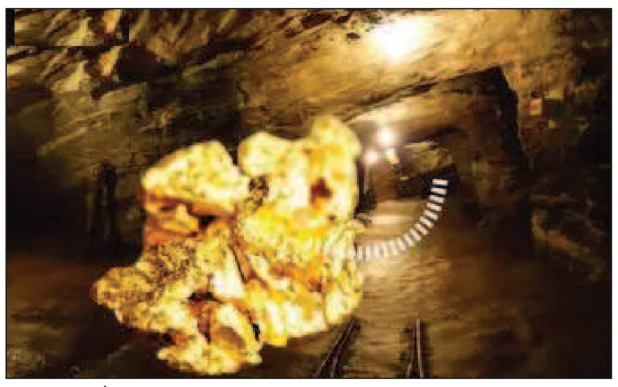

ओनिक्स, बैराइट, एंटीमनी, लेड, जिंक और मोलिब्डेनम जैसे खनिज शामिल हैं। इनकी कुल कीमत खरबों डॉलर में आंकी जाती है।

बलूचिस्तान की रेको डिक दुनिया के सबसे बड़े तांबा-सोना के भंडारों में से एक है। यह चगाई जिले में स्थित है। यहां 5.9 अरब टन अयस्क होने का अंदाजा है। इसमें औसतन 0.41% तांबा और 0.22 ग्राम प्रति टन सोना है। प्रमाणित भंडार में करीब 11.66 मिलियन टन तांबा और 660 टन सोना शामिल है। यह 50 साल से तक चल सकता है। रेको डिक की कीमत 500 अरब डॉलर से लेकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक आंकी गई है। चगाई में एक और महत्वपूर्ण तांबा-सोना की खान सैनाक है। यहां करीब 412 मिलियन टन का भंडार है। इसमें 1.69 मिलियन टन निकालने योग्य अयस्क शामिल हैं। इससे हर साल तकरीबन 15,800 टन तांबा, 1.47 टन सोना और 2.76 टन चांदी का उत्पादन होता है। इसके प्रमाणित भंडार की कीमत 50-100 अरब डॉलर के बीच है।

बलूचिस्तान में लोहे के अयस्क का भी बड़ा भंडार है। यह खासकर चगाई, लसबेला और चिलगाजी में है। यहां 200 मिलियन टन लौह अयस्क हो सकता है। इसकी गुणवत्ता अलग-अलग है। चिलगाजी में सबसे ज्यादा उच्च-गुणवत्ता वाले भंडार (60-65% लोहा) हैं। इसकी कीमत प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करती है। मोटे तौर पर भंडार की कीमत 10-20 अरब डॉलर है।

बलूचिस्तान प्रांत पाकिस्तान का सबसे बड़ा क्रोमाइट उत्पादक भी है। इसके भंडार मुस्लिमबाग, खुजदार, किला सैफुल्लाह और झोब में हैं। क्रोमाइट का सालाना उत्पादन 20,000 टन है और इसका अनुमानित भंडार 500 मिलियन टन है। क्रोमाइट का उपयोग स्टेनलेस स्टील और रिफ्रेक्टरी उद्योगों में किया जाता है। इसके ज्ञात भंडार की कीमत 5-10 अरब डॉलर मानी जाती है।

बलूचिस्तान प्रांत में माच, शहरग, दुकी, चमालंग और क्वेटा जैसे क्षेत्रों में एक अरब टन कोयले का भंडार है। यह कोयला प्रोसेसिंग के बाद यह बिजली बनाने के लिए उपयुक्त है।

चीन के एक नर्सिंग होम में लगी भीषण आग

अब तक 20 लोगों की मौत, बढ़ सकती है हताहतों की संख्या

बीजिंग, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई। आग मंगलवार रात करीब 9 बजे चेंगडे शहर के लोंगहुआ काउंटी में लगी। बुधवार सुबह तक कुल 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 बुजुर्गों की मौत हो गई। मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) रात करीब 9 बजे चेंग्दे शहर के लोंगहुआ काउंटी में जब आग लगी, तब इमारत में कुल 39 बुज़ुर्ग रह रहे थे। रात करीब 11 बजे आग पर काबू पाया जा सका। अब तक कुल 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है,

जबकि 19 को जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस ने नर्सिंग होम के प्रभारी शख्स को हिरासत में ले लिया है। रिपोर्ट में कहा गया कि आग लगने के कारणों की अभी भी जांच की जा रही है। सार्वजनिक रिकॉर्ड के आधार पर 300 बिस्तरों वाले गुओन सीनियर होम में आग लगने के समय 260 बुजुर्ग रह रहे थे। इनमें से 98 लोग पूरी तरह से दिव्यांग थे और 84 को आंशिक दिव्यांग बताया गया। रिकॉर्ड के मुताबिक, 78 लोग पूरी तरह से ठीक थे। लाइसेंसिंग रिकॉर्ड के अनुसार, नर्सिंग होम में बुजुर्गों और विकलांगों के लिए आवास, भोजन और डेकेयर मुहैया कराने का किया जाता था। इससे पहले अक्तूबर में 50 से अधिक अधिकारियों को एक मामले में सजा सुनाई गई थी, क्योंकि उन्हें जनवरी 2024 में दक्षिण-पूर्वी प्रांत जियांग्शी के शिनयू शहर में एक इमारत परिसर में लगी आग के लिए जिम्मेदार पाया गया था।

सऊदी अरब से इकामा पर बड़ी खबर

एमबीएस सरकार ने बदले रेजीडेंस परमिट से जुड़े नियम, भारतीयों की होगी बल्ले-बल्ले

रियाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सऊदी अरब की सरकार ने प्रवासियों के लिए नई इकामा (रेजीडेंसी परमिट) नीति की घोषणा की है। इसमें इकामा नवीनीकरण से जुड़े नियम बदले गए हैं। सऊदी सरकार का कहना है कि इकाना नवीनीकरण में प्रवासियों को प्रशासनिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं। इससे प्रवासियों को अपने रेजीडेंसी परमिट को रिन्यू कराने में आसानी हो जाएगी। सऊदी अरब के पासपोर्ट महानिदेशालय ने मंगलवार को ये नई नीति पेश की है।

सऊदी सरकार के पासपोर्ट महानिदेशालय ने बताया है कि नई यह नीति देश में रह रहे उन प्रवासियों को भी रेजीडेंसी परमिट को नवीनीकृत करने की अनुमति देती है, जिनके परिवार के कुछ सदस्य या आश्रित देश से बाहर हैं। हालांकि इसमें शर्त यह है कि परिवार का मुखिया सऊदी के अंदर ही रहना चाहिए। इससे बड़ी तादाद में प्रवासियों को प्रशासनिक चुनौतियों से राहत मिलने की उम्मीद है। अभी तक परिवार के किसी सदस्य के सऊदी अरब से बाहर रहने पर उन्हें रेजीडेंसी नवीनीकृत करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

महानिदेशालय ने अपने बयान में कहा, 'इकामा नवीनीकरण के लिए अब परिवार के मुखिया की सऊदी के अंदर उपस्थिति काफी है।' यह उन परिवारों के लिए राहत लेकर आई है, जिनके बच्चे विदेश में पढ़ रहे हैं या माता-पिता किन्ही कारणों से विदेश यात्रा कर रहे होते हैं। या फिर परिवार में कोई आपात स्थिति हो जिसके लिए यात्रा की आवश्यकता हो। ऐसे मामलों में देरी या कानूनी जटिलताओं का खतरा होता था। सऊदी अरब में रहने वाले विदेशियों में भारतीय बड़ी संख्या में हैं। ऐसे में बदले हुए नियमों से भारतीयों को सीधेतौर पर फायदा होगा। महानिदेशालय ने घोषणा की कि परिवार के सदस्यों के लिए एग्जिट और रीएंट्री वीजा का विस्तार अब पूरी तरह से ऑनलाइन किया जा सकता है। यह सेवा अबशेर प्लेटफॉर्म और सरकार के सादद भुगतान प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध है। इसका मतलब है कि अब पासपोर्ट कार्यालयों में व्यक्तिगत रूप से जाने की आवश्यकता नहीं है।

मस्क ने ट्रम्प के सलाहकार को बेवकूफ बताया

टेस्ला को कार असेंबलर बताने पर भड़के, टैरिफ नीति पर भी असंतोष जताया

वॉशिंगटन, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सीनियर ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो को बेवकूफ बताया। नवारो ने एक इंटरव्यू कहा था कि मस्क की टेस्ला कंपनी कार निर्माता (मैन्युफैक्चरर) नहीं बल्कि कार असेंबलर है। नवारो ने कहा था कि टेस्ला ने बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और टायर बाहर से इंपोर्ट किए थे। मस्क सस्ते विदेशी पार्ट्स चाहते हैं। नवारो के मुताबिक विदेशों पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगने से ये सभी पार्ट्स महंगे हो जाएंगे।

मस्क ने जवाब देते हुए कहा कि टेस्ला के पास सबसे ज्यादा अमेरिका में मैन्युफेक्चड्ड कारें हैं। नवारो ईंटों की बोरी से भी ज्यादा मूर्ख हैं। उन्होंने केली ब्लू बुक के एक आर्टिकल लिंक पोस्ट किया, जिसमें बताया गया था कि टेस्ला व्हीकल के ज्यादातर पार्ट्स अमेरिका में मैन्युफेक्चर होते हैं।

नवारो ने सोमवार को सीएनबीसी पर कहा था कि ट्रम्प अमेरिका में मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री को पुनर्जीवित करना चाहते हैं। अगर आप अभी हमारी ऑटो इंडस्ट्री को देखेंगे तो हम जर्मन इंजन और ट्रांसमिशन के लिए असेंबली लाइन हैं। हम जल्द ऐसी स्थिति में पहुंच जाएंगे जहां अमेरिका फिर से सामान बनाएगा, मजदूरी बढ़ेगी, मुनाफा बढ़ेगा। नवारो के साथ विवाद से पहले ही मस्क ने ट्रम्प की टैरिफ नीति को लेकर अपना असंतोष जाहिर किया था। उन्होंने सोमवार को टैरिफ विरोधी अर्थशास्त्री मिल्टन फ्रीडमैन का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे फ्री मार्केट की तारीफ कर रहे हैं। मस्क ने हाल ही में ट्रम्प से टैरिफ नीति में बदलाव करने की अपील भी की थी, लेकिन ट्रम्प ने इसे वापस लेने से मना कर दिया था। दरअसल इलॉन मस्क, ट्रम्प से जीरो टैरिफ जोन की डिमांड कर रहे हैं। मस्क ने इटली में एक कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अमेरिका और यूरोप को जीरो टैरिफ पॉलिसी अपनानी चाहिए।

उन्होंने ट्रम्प की टैरिफ नीति को अव्यवहारिक बताया था। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के नेता भी इससे खुश नहीं हैं। मिच मैककोनल, रैंड पॉल, सुसन कोलिन्स व लिसा मुर्कोव्स्की ने टैरिफ को 'असंवैधानिक, इकोनॉमी के लिए नुकसानदायक और कूटनीतिक रूप से खतरनाक बताया।

कनाडा ने प्राइवेट नौकरी करने वालों को दिया बड़ा तोहफा

न्यूनतम वेतन में किया बदलाव, भारतीयों में खुशी की लहर

ओटावा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा सरकार ने प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन दर बढ़ा दी है। 1 अप्रैल से कनाडा ने संघीय विनियमित (फेडरली रेगुलेटिड) निजी क्षेत्र में काम करने वालों के लिए न्यूनतम वेतन 17.30 कनाडाई डॉलर से बढ़ाकर 17.75 डॉलर प्रति घंटा कर दिया है। इसे कनाडा में रहने वाले भारतीयों को खासतौर से फायदा होगा। कनाडा में रहकर पढ़ाई और नौकरी करने वाले भारतीयों को इससे बढ़ती महंगाई और घरों के भारी किराए के बीच थोड़ी राहत मिलेगी।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा की मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली सरकार का कहना है कि इससे कनाडा में आर्थिक असमानता कम होगी। कनाडा के रोजगार और श्रम मंत्री स्टीवन मैकिनॉन ने इस संबंध में कहा, 'संघीय न्यूनतम वेतन कनाडाई कर्मचारियों और व्यवसायों दोनों के लिए स्थिरता और निश्चितता लाने और आय असमानता को कम करने में मदद करने के लिए है। न्यूनतम वेतन में ये वृद्धि हमें बेहतर अर्थव्यवस्था के निर्माण के करीब ले जाती है।

कनाडा में न्यूनतम वेतन दर अलग-अलग प्रांत के हिसाब से अलग-अलग है। कंपनियों को कहा गया है कि वे अपने पेरोल सिस्टम को अपडेट करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी कर्मचारियों और इंटर्न को भी बढ़ी हुई दर से भुगतान किया जाए। कनाडा में संघीय न्यूनतम वेतन दर हर साल 1 अप्रैल से बदलती है। यह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स) के आधार पर होता है। यानी महंगाई के हिसाब से हर साल वेतन में बदलाव किया जाता है।

भारत की आपदा विशेषज्ञता से म्यांमार को मिलेगी अहम मदद

संयुक्त राष्ट्र ने जमकर की तारीफ

मांडले, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने म्यांमार की मदद के लिए भारत की तारीफ की है। उन्होंने कहा- म्यांमार में हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने जिस तेजी और प्रभावी तरीके से सहायता पहुंचाई है, उसने उसे एक प्रमुख मानवतावादी सहयोगी के रूप में स्थापित कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय के लिए कार्यालय (ओसीएचए) के म्यांमार प्रमुख सज्जाद मोहम्मद सज्जाद ने कहा कि भारत ने 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत तेजी से मदद पहुंचाई है, जिसमें 1,000 मीट्रिक टन से ज्यादा राहत सामग्री— जैसे खाना, दवाएं और फील्ड हॉस्पिटल — भेजा गया।

पाकिस्तान के परमाणु मिसाइल कार्यक्रम पर चला अमेरिका का हथौड़ा

लिया बड़ा ऐक्शन, भड़की शहबाज सरकार

इस्लामाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के परमाणु मिसाइल कार्यक्रम पर अमेरिका ने बडी. कार्रवाई की है। अमेरिका उद्योग के एवं सुरक्षा ब्यूरो (बीआईएस) ने असुरक्षित परमाणु गतिविधियों में संलिप्तता के कारण एक दर्जन से अधिक पाकिस्तानी कंपनियों को अपनी निगरानी सूची में शामिल किया है। इस लिस्ट में शामिल फर्मों को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के हितों के लिए महत्वपूर्ण खतरा माना जाता है। इसके साथ ही 7 दूसरी कंपनियों को पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में योगदान के कारण प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा है।

अमेरिका ने यह कदम निर्यात प्रशासन विनियमों (ईएआर) में हाल ही में किए गए बदलावों के बाद उठाया गया है। संघीय रजिस्टर की वेबसाइट पर बताया गया है कि इसका असर चीन, पाकिस्तान, ईरान, दक्षिण अफ्रीका और यूएई की 70 कंपनियों पर पड़ेगा। परमाणु संबंधी गतिविधियों के लिए लिस्ट में जोड़ी गई पाकिस्तानी कंपनियों में ब्रिटलाइट इंजीनियरिंग, इंटेनटेक इंटरेशनल, इंट्रालिंक इनकॉर्पोरेटेड, प्रोक मास्टर, रहमान इंजीनियरिंग एंड सर्विसेज और अन्य शामिल हैं।

वॉशिंगटन ने कहा है कि ये कंपनियां अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेश नीति हितों के विपरीत काम कर रही हैं। नए प्रतिबंध अमेरिकी प्रोद्योगिकी तक पहुंच को सीमित कर देंगे, जिससे इन कंपनियों से जुड़े निर्यात, पुनः निर्यात और देश में स्थानांतरण के लिए अतिरिक्त लाइसेंस की जरूरत होगी। इसके साथ ही पाकिस्तान के

बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में भूमिका के लिए सात फर्मों पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिनमें बिजनेस कंसर्न, ग्लोबल ट्रेडर्स और लिंकर्स ऑटोमेशन प्रमुख हैं। ये कंपनियां मुख्य रूप से इस्लामाबाद, कराची, लाहौर, फैसलाबाद और वाह कैंटोनमेंट में स्थित हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के इस कदम की आलोचना की है और इसे अनुचित व राजनीति से प्रेरित बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने इन कार्रवाइयों को वैश्विक निर्यात नियंत्रण उद्देश्यों के प्रतिकूल कहा है।

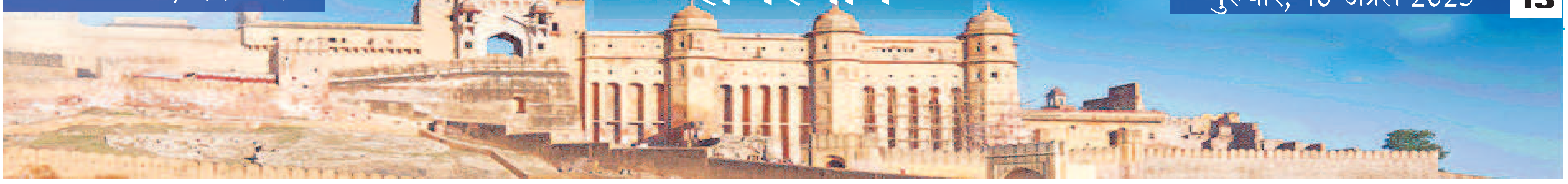

मंदिर को गंगाजल से धोने पर भड़के राहुल गांधी

बोले- यह बीजेपी की दलित विरोधी सोच का उदाहरण; पीएम मोदी को घेरा

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में बीजेपी से निलंबित नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा अलवर के एक मंदिर में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली के जाने के बाद गंगाजल से धोने का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसको लेकर बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर दलित विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह बीजेपी की दलित विरोधी और मनुवादी सोच का एक और उदाहरण है। इसलिए संविधान का सम्मान और रक्षा करना जरूरी है।

दरअसल, राहुल गांधी की यह टिप्पणी राजस्थान के अलवर में भाजपा नेता द्वारा राम मंदिर में गंगाजल छिड़कर 'शुद्धिकरण' किए जाने के संदर्भ में की है।

देश संविधान के आदर्शों से चलेगा- राहुल गांधी

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखते हुए कहा कि बीजेपी की दलित विरोधी और मनुवादी सोच का एक और उदाहरण, बीजेपी लगातार दलितों को अपमानित और संविधान पर आक्रमण करती आ रही है। इसलिए संविधान का सिर्फ सम्मान नहीं, उसकी सुरक्षा भी ज़रूरी है। मोदी जी, देश संविधान और उसके आदर्शों से चलेगा, मनुस्मृति से नहीं जो बहुजनों को दूसरे दर्जे का नागरिक मानती है।

क्या है गंगाजल छिड़कने का पूरा विवाद?

बताते चलें कि रामनवमी के दिन अलवर की एक सोसायटी स्थित श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन हुआ था। इस कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी शामिल हुए और मंदिर में पूजा-अर्चना की। लेकिन, अगले ही दिन ज्ञानदेव आहूजा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसे लोगों को बुलाया गया जिन्होंने भगवान श्रीराम के अस्तित्व को ही नकारा है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेता राम मंदिर का बहिष्कार करते हैं, इसलिए उनके नेताओं को मंदिर में आने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर में अपवित्र लोग आ गए थे, इसलिए हमने गंगाजल से शुद्धिकरण किया है। हालांकि उन्होंने जूली का नाम नहीं लिया, पर उनके बयान को जातीय द्वेषता से जोड़कर देखा गया।

इसके चलते भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा कदम उठाते हुए उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। भाजपा प्रदेश संगठन ने ज्ञानदेव आहूजा को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी की मूल विचारधारा और अनुशासन का उल्लंघन किया है।

मदन राठौड़ ने बयान से किया किनारा

भाजपा नेता ज्ञान देव आहूजा की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर की गई टिप्पणी के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी साफ कर दिया है कि आहूजा के बयान से उनका कोई लेना देना नहीं है। भाजपा ऐसे बयान को समर्थन नहीं देती है। उन्होंने कहा कि जुली साहब तो नेता हैं और नेता की कोई जाति नहीं होती है। उन्होंने कहा कि मैंने फोन पर ज्ञानदेव आहूजा से बात की उन्होंने किस प्रसंग में ये बयान क्यों दिया समझ नहीं आया।

अफसरों पर बिफरीं पूर्व सीएम वसुंधरा

जल जीवन मिशन पर उठाए सवाल

राजे के सहारे जूली ने सरकार पर बोला हमला

झालावाड़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने पेयजल संकट की शिकायत पर जल जीवन मिशन और जलदाय विभाग के अफसरों की जमकर क्लास ली। उन्होंने झालावाड़ के रायपुर कस्बे के ग्रामीणों की पेयजल संकट की शिकायत पर अफसरों को त्वरित समाधान के सख्त निर्देश दिए। राजे ने अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए कहा कि क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ़ आप अफसरों को ही लगती है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राजे के सहारे सरकार पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर लिखा कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का यह ट्वीट भाजपा सरकार की सच्चाई उजागर करने के लिए काफी है, कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी।

'राजे' के सहारे 'जूली' ने लगाए आरोप

उन्होंने आगे लिखा कि पूर्व मुख्यमंत्री को अपनी पार्टी की सरकार के बावजूद पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति के लिए अपनी बात मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से कहनी पड़ रही है। जब भाजपा की ही पूर्व मुख्यमंत्री इस सरकार के अधिकारियों के सामने इतनी मजबूर हैं तो आमजन की स्थिति समझी जा सकती है।

राजे ने अफसरों की लगाई क्लास

वसुंधरा राजे ने अफसरों की क्लास लगाते हुए कहा कि क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ़ आप अफ़सरों को ही लगती है। गर्मी में पेयजल संकट के कारण जनता त्रस्त है।अफ़सर तृप्त है। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुँचे। अफ़सर सो रहें है, लोग रो रहें हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूँगी। उन्होंने रायपुर कस्बे के ग्रामीणों की पेयजल संकट की शिकायत पर जलजीवन मिशन और जलदाय विभाग के अफसरों को त्वरित समाधान के सख्त निर्देश दिए।

'पाई-पाई का हिसाब दो'- वसुंधरा

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पेयजल को लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर असफरों से सवाल-जवाब किए। उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री ने 42 हज़ार करोड़ जल जीवन मिशन में दियें हैं। पाई-पाई का हिसाब दो कि झालावाड़ के हिस्से की राशि का आपने क्या किया?

उन्होंने आगे कहा कि पेयजल संकट निवारण के लिए हमारी सरकार तो पैसा दे रही है, लेकिन अफसर योजनाओं की सही क्रियान्विति नहीं कर रहे। इसलिए राजस्थान के लोग प्यास से व्याकुल है। यह तो अप्रैल का हाल है। जून-जुलाई में क्या होगा? अधीक्षण अभियंता सहित उपस्थित कोई भी अधिकारी मुझे संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। लोगों के धैर्य की परीक्षा मत लीजिए। झालावाड़ में ऐसा हरगिज नहीं चलेगा।

अतिक्रमण पर चलीं 31 जेसीबी, अफसरों से उलझे बीजेपी विधायक; 160 फीट चौड़ी होगी सड़क

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर के सिरसी रोड से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बुधवार सुबह से शुरू हो गई है। इस दौरान खातीपुरा व्यापार मंडल की ओर से कार्रवाई का विरोध किया जा रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़ ने कहा कि सभी व्यापारी, स्थानीय लोग परिवार के साथ खातीपुरा रोड पर कार्रवाई का विरोध कर रहे है।

वहीं, भाजपा विधायक गोपाल शर्मा भी कार्रवाई रोकने पहुंचे और अधिकारियों से उलझ गए। उन्होंने कहा कि अफसरशाही तथा सिस्टम बीजेपी सरकार के खिलाफ काम कर रहा है।

बता दें कि कार्रवाई से पहले बड़ी संख्या में लोगों ने अपने स्तर पर ही दुकानों को खाली किया। सड़क सीमा में आ रहे निर्माण भी हटाए।

कार्रवाई के लिए गठित की गईं पांच टीमों ने मौके पर जाकर समझाइश की। जेडीसी आनंदी ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश की पालना में झाड़खंड मोड़ तिराहे से 200 फीट बाइपास पुलिया तक सड़क की चौड़ाई जोनल डवलपमेंट प्लान के अनुसार की जा रही है।

इन संसाधनों के साथ उतरा प्रशासन

जेसीबी-31, डंपर – 14, ट्रैक्टर ट्रॉली- 16, मजदूर-127, कटर -05, लोखंडा – 05, पोकलेन मशीन – 8, जनरेटर - 3।

राज्यपाल से 15 दिन का मांगा समय

इससे पहले विधायक गोपाल शर्मा ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मुलाकात की।

इसके अलावा उन्होंने जनता का पक्ष कई जगह रखा। उन्होंने कहा कि जेडीसी आनंदी से भी 15 दिन की मोहलत देने का आग्रह किया है।

ब्रह्माकुमारी प्रमुख दादी रतनमोहिनी की अंतिम यात्रा

माउंट आबू से वापस शांतिवन पहुंचे सुबह 10 बजे होगा अंतिम संस्कार

आबूरोड (सिरोही), 9 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी के मंगलवार को हुए निधन के बाद बुधवार सुबह उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई। आबूरोड के शांतिवन से शुरू हुई अंतिम यात्रा माउंट आबू पहुंची।

माउंट आबू में संस्थान के ज्ञानसरोवर, पांडव भवन, ग्लोबल अस्पताल और ब्रह्माकुमारी म्यूज़ियम में पार्थिव देह को ले जाया गया।

इस दौरान माउंट आबू के स्थानीय लोगों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद दोपहर में आबूरोड के शांतिवन के लिए रवाना हुई।

दादी रतनमोहिनी का अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह 10 बजे शांतिवन में उनके कॉटेज के सामने स्थित गार्डन में किया जाएगा। उनके निधन पर देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने शोक व्यक्त किया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और राज्यपालों ने भी दुख जताया है।

मोहन भागवत ने शोक व्यक्त किया

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दादी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने हजारों युवा बहनों को प्रशिक्षण देकर भारतीय संस्कृति को दुनियाभर में फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। साथ ही, फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने भी संवेदना व्यक्त की है।

जिंदा युवक को मृत बताकर पोस्टमार्टम मामले में आया नया मोड़, अब कोर्ट ने दिए निर्देश

झुंझुनू, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राजकीय भगवानदास खेतान (बीडीके) अस्पताल में एक युवक को मृत घोषित कर झूठी पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने के चर्चित मामले में नया मोड़ आया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय ने कोतवाली थानाधिकारी को मामले की दोबारा जांच कर 22 अप्रेल तक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि जिले के सबसे बड़े बीडीके अस्पताल में मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक रोहिताश को 21 नवंबर 2024 को भर्ती कराया गया था। जहां कुछ ही देर बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया और शव को मोर्चरी में डी-फ्रीजर में रख दिया गया।

वहां एक चिकित्सक ने कागजों में उसका पोस्टमार्टम कर बगड़ की संस्थान को सुपुर्द कर दिया। संस्थान के लोग उसे श्मशान घाट में चिता पर रखकर मुखाग्नि देने लगे, तभी उसकी सांसें चलने लगी। उसे वापस अस्पताल लाया गया। जहां से देर रात उसे जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया। एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

इन बिंदुओं पर फिर से जांच के आदेश

21 नवंबर 2024 को युवक के बीडीके अस्पताल में भर्ती होने से लेकर पोस्टमार्टम के लिए रैफर किए जाने तक किस-किस चिकित्सक ने इलाज किया, उसके दस्तावेज मांगे गए हैं। किस चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित किया और उस समय के समस्त दस्तावेज की जानकारी तलब की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने वाले चिकित्सक का पूरा विवरण और उनसे संबंधित दस्तावेज मांगे गए हैं। अस्पताल के मोर्चरी या अन्य हिस्सों में उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज की रिकार्डिंग मांगी गई है। युवक को दोबारा कब अस्पताल में भर्ती किया गया, वहां किस डॉक्टर ने इलाज किया और जयपुर किस चिकित्सक ने कब रेफर किया, इसका पूरा रिकॉर्ड मांगा गया है। यदि एसएमएस में पोस्टमार्टम के समय वीडियोग्राफी की गई हो तो उसकी रिकॉर्डिंग भी मांगी।

दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे सीएम, इंदिरा गांधी फीडर और सिंचाई परियोजनाओं का निरीक्षण किया

हनुमानगढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन हनुमानगढ़ जिले में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं का निरीक्षण किया और किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रगति में किसानों की अहम भूमिका है। यदि किसान सशक्त होंगे तो प्रदेश भी समृद्ध होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार किसानों को पर्याप्त जल व बिजली उपलब्ध कराने तथा नहर प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, माही बेसिन प्रबंधन और इंदिरा गांधी नहर परियोजना के सुदृढ़ीकरण जैसे कई अहम निर्णय लिए हैं। उन्होंने घोषणा की कि परियोजना के सुदृढ़ीकरण हेतु 3,400 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चलाई जाएंगी। साथ ही भाखड़ा और गंगनहर से जुड़ी खालों की समस्याओं के समाधान के लिए भी आवश्यक कार्य किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने लखूवाली हेड, घग्घर डायवर्जन चैनल और कोहला सहित कई स्थानों पर दौरा किया। उन्होंने घग्घर नदी की जल प्रवाह क्षमता और डायवर्जन चैनल की कार्यप्रणाली का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा हेतु आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री ने घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र में 325 करोड़ रुपये की लागत से बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएं संचालित करने की घोषणा पहले ही कर दी थी। मुख्यमंत्री ने पंजाब के तरनतारन स्थित हरिके बैराज का निरीक्षण करते हुए नहर की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने मल्लेवाला हेड, बल्लेवाला हेड, बीकानेर कैनाल, फिरोजपुर फीडर और इंदिरा गांधी फीडर का हवाई निरीक्षण किया।

इसके बाद वे हरियाणा के सिरसा जिले स्थित लोहगढ़ हेड पहुंचे, जहां उन्होंने भाखड़ा सिंचाई परियोजना से जुड़े लिंक का निरीक्षण किया। इंदिरा गांधी फीडर पर बने हेड और नहर की रिलाइनिंग कार्यों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने नक्शों के माध्यम से मुख्यमंत्री को जल उपलब्धता और नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की जानकारी दी।

शातिर चोर गैंग का भंडाफोड़, कंठी चोरी के मामले में शामिल महिला गिरफ्तार, साथी की तलाश जारी

जोधपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। लूणी थाना पुलिस ने शिकारपुरा स्थित राजाराम आश्रम मेले में कंठी चोरी के मामले में शामिल एक शातिर चोर गैंग का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका साथी अभी फरार है और उसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार धांधिया गांव (लूणी) निवासी चेनाराम पटेल की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। चेनाराम ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी शांति देवी परिवार सहित मेले में गई थीं, जहां उनकी गले में पहनी हुई ढाई तोला सोने की कंठी अज्ञात चोर ने चुरा ली। उसी दिन मेले में अन्य कई महिलाओं के आभूषण भी चोरी हुए थे।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन किया और आसूचना व तकनीकी निगरानी के आधार पर जांच शुरू की। थाना अधिकारी डॉ. हनुमंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बीकानेर के गंगाशहर स्थित धोरा बास की निवासी शकुंतला उर्फ लाली देवी को गिरफ्तार किया गया है। शकुंतला एक शातिर महिला चोर है, जो इससे पहले भी कई मामलों में वांछित रही है।

पूछताछ में आरोपी महिला ने खुलासा किया कि उसने राजाराम जी के मेले में भीड़ का फायदा उठाते हुए जेवरात चोरी किए। उसके खिलाफ नागौर के रोल थाना, पाली के रोहट थाना और जीआरपी थाना सहित कई स्थानों पर चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में कई और वारदातों का खुलासा हो सकता है। महिला ने अपने फरार साथी की जानकारी भी दी है, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

इधर एक अन्य घटना में बालोतरा जिले के चांदेलाई निवासी गंगाराम पटेल की जेब से किसी ने 10,500 रुपये की नकदी चोरी कर ली। इस मामले में पुलिस ने भरतपुर निवासी करण फूल माली को गिरफ्तार किया है।

बेकाबू ट्रक ने मारी कार को टक्कर 5 साल के मासूम की मौत

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। हरमाड़ा थाना इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। बेकाबू ट्रक ने तेज रफ्तार में कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार परिवार के कई लोग घायल हो गए। जिन्हें इलाज के अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान 5 साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित परिवार थार गाड़ी में कहीं जा रहा था। उसी दौरान एक बेकाबू ट्रक ने उनकी गाड़ी को तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

17 साल बाद जख्मों पर लगा मरहम, आंखों में आंसू लिए बोलीं पीड़िता

'आज मेरे दर्द में कुछ कमी आई है'

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आज जैसे ही पता चला कि जयपुर बम धमाकों के आरोपियों को उम्र कैद मिली है तो आंखें नम हो गईं। फैसला हमारे लिए एक खुशी लेकर आया है। कोर्ट पर भरोसा था। हमारे साथ न्याय होगा। यह कहना है उन परिवारों का जिन्होंने बम धमाकों में अपनों को खो दिया।

हाईकोर्ट में चार दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाए जाने के बाद राजस्थान पत्रिका ने धमाकों में जान गंवाने वाले मृतकों के परिजन से बात की तो उनका दर्द सामने आया, वहीं फैसले से खुशी भी छलक उठी...। उन्होंने कहा कि वो दर्द तो ताउम्र सालता रहेगा...फैसले से जख्म पर मरहम जरूर लग गया।

कोर्ट में गणगौरी बाजार निवासी बम धमाकों की पीड़ित 70 वर्षीय बुजुर्ग रमा देवी शर्मा और दो अन्य पीड़ित भी पहुंचे। इस दौरान उनके आंसू नहीं थम रहे थे। पत्रिका से बातचीत में उन्होंने बताया कि बम धमाकों के दौरान पति के साथ चौपड़ स्थित खंदे में थी। हादसे में दोनों घायल हुए थे। कुछ दिन पहले उनके पति की मौत हो गई अब वह अकेली हैं।

उन्होंने बताया कि वो काली रात मैं कभी भूल नहीं सकती। चारों ओर चीखने चिल्लाने की आवाजें, खून से लथपथ सड़कें और बिलखते हुए बच्चे... ये दृश्य आज भी जेहन में आता है तो दिल बैठ जाता है। उस हादसे में मेरे सिर में गहरी चोट आई थी, जिसका असर आज तक है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को सजा मिलने के बाद मेरे दुख में कुछ कमी आई है।

आज चैन मिला

13 मई 2008 की वो रात मैं कभी नहीं भूल सकती, उस समय मैं 10 साल की थी। इस हादसे ने हमारे पिता को हम से छीन लिया। बम धमाके के अपराधियों को आज सजा मिल गई है। इसलिए सालों बाद आज चैन की नींद आएगी। -मुस्कान तंवर (मृतक घनश्याम सिंह तंवर की पुत्री)

पत्नी को मिलेगी शांति

बम धमाकों ने मेरी पत्नी छीन ली। 17 साल से मैं अकेला जीवन जी रहा हूं। हर पल पत्नी की कमी महसूस होती है। हर खुशी में उसकी याद आती है, तो चुपचाप रो लेता हूं। आज मेरी पत्नी को कुछ शांति मिली होगी। -राजेंद्र साहू (मृतक सुशीला साहू के पति)

सुकून का एहसास

इंसानियत के दुश्मनों को आज सजा मिली है, ऐसे में एक सुकून का एहसास हो रहा है। मुझे मेरे पति से जुदा करने वालों के लिए आज भी दिल से बद-दुआ निकलती है। खुदा से यही दुआ करती हूं कि कभी ऐसे हादसे न हों, किसी का अपना न बिछड़े। -मुबीना (मृतक हनीफ खान की पत्नी)

ऑपरेशन भौकाल के तहत पुलिस ने नकबजनी की वारदात का किया खुलासा, चोरी करने वाला भांजा सहित 6 गिरफ्तार

जालौर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। जालौर जिले की झाब थाना पुलिस ने ऑपरेशन भौकाल के तहत नकबजनी की एक बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए सोने-चांदी के जेवरात और नकदी की चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मुख्य आरोपी पीड़ित व्यापारी का सगा भांजा निकला। सभी आरोपी पहले भी लूट, चोरी और नकबजनी जैसी वारदातों में शामिल रह चुके हैं। फिलहाल चोरी गए माल की बरामदगी और अन्य पहलुओं को लेकर जांच जारी है।

झाब थाना क्षेत्र के अणखोल निवासी बलवतराज पुत्र दीपाराम ने 23 फरवरी 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21 फरवरी की रात अज्ञात चोरों ने उसके घर सहित उसके भाइयों – कान्तिलाल, बाबूलाल और रमेश कुमार के मकानों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन और नकदी चुरा ली। रिपोर्ट दर्ज होते ही थानाधिकारी अरुण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। पुलिस जांच में शुरू से ही आशंका थी कि वारदात में कोई नज़दीकी व्यक्ति शामिल हो सकता है। जब बलवतराज की बहन से पूछताछ की गई, तो उसने अपने बेटे भरत कुमार पर शक जाहिर किया। पुलिस ने भरत कुमार पुरोहित निवासी खिरोड़ी को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की तो उसने पूरे मामले का खुलासा कर दिया।

भरत कुमार ने बताया कि उसने अपने मामा के घर की रेकी की और अपने साथियों – प्रकाश पुरोहित निवासी देवड़ा तथा मांगीलाल उर्फ मुंगाराम निवासी कांटोल के साथ मिलकर पूरी योजना बनाई। वारदात से दो दिन पहले इन्होंने मकानों की टोह ली और जब परिवार धार्मिक यात्रा पर गया, तब रात के समय ताले तोड़कर सामान चुरा लिया। चोरी किए गए आभूषणों को भरत कुमार और उसके साथियों ने पोपटलाल सोनी के जरिए गलवाया और डली बनाकर बेच दिया। ये डली आगे घनश्याम और रोहित सैनी के माध्यम से बुलियन कारोबारी कृषान भाई अग्रवाल निवासी पालनपुर तक पहुंचाई गई।

इंदिराम्मा घरों को पिछड़ी जातियों के गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सिफारिश होगी

पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में हुआ फैसला

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग आयोग ने आज आयोजित अपनी बैठक में सरकार को इंदिराम्मा घरों को मंजूरी देने में सबसे पिछड़ी पिछड़ी जातियों के गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सिफारिश करने का फैसला किया। आयोग ने पाया कि पिछले महीने आयोग द्वारा दौरा किए गए वेमुलावाड़ा, जगित्याला, सिरसिला, अमंगल, अचंपेटा और अन्य क्षेत्रों में खानाबदोश समुदायों की स्थिति बहुत खराब है।इन जातियों के लोगों को आवास और रोजगार के अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। आयोग ने सरकार से अपील की है कि वह कदम उठाए ताकि बैंक भी राजीव युवा विकास योजना के तहत इन जातियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर उनकी मदद कर सकें। सरकार से अनुरोध करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के समान अधिकार दिए जाएं। आयोग तेलंगाना के गठन के बाद छोड़ी गई 26 जातियों को फिर से शामिल करने के मामले की जांच करना चाहता है। पिछड़ा वर्ग आयोग ने कहा कि यदि योजना विभाग जाति सर्वेक्षण 2024 के माध्यम से एकत्रित जानकारी पिछड़ा वर्ग आयोग को उपलब्ध करा दे तो उसे संबंधित जातियों से संबंधित मुद्दों पर शीघ्र निर्णय लेने का अवसर मिलेगा। पिछड़ा वर्ग आयोग ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र और राज्य सरकारों से पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण संबंधी विधेयक को तत्काल पारित करने का अनुरोध किया है। सभी राजनीतिक दलों और जाति संगठनों को इसका समर्थन करना चाहिए।

सवारी को सुरक्षित बनाने के हमारे मिशन में एक बड़ी छलांग - शिखा गोयल

टी-सेफ पर पोस्टर और वीडियो जारी किए गए

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा ने आज उबर एसओएस और शेफ गाड़ी के साथ टी-सेफ के एकीकरण के लॉन्च के साथ सार्वजनिक सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। तेलंगाना अब भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने सार्वजनिक और निजी परिवहन प्लेटफ़ॉर्म में सीधे नागरिक-पहल वाली पुलिस-नेतृत्व वाली सवारी निगरानी को एम्बेड किया है। टी-सेफ वार्षिक सफलता बैठक के अवसर पर, आज अमीरपेट मेट्रो स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल पर आयोजित की गई थी, जिसकी मेजबानी पुलिस महानिदेशक, महिला सुरक्षा शाखा शिखा गोयलने की, जिसमें महिलाओं के पारगमन के दौरान सक्रिय पुलिस प्रतिक्रिया को बढ़ाने के उद्देश्य से एकीकृत सेवाओं का लाइव प्रदर्शन किया गया। बालकृष्ण, सुरक्षा प्रबंधक, एचएमआरएल हैदराबाद, श्रीहरिश, सीईओ, कृष्ण डिजिटल टेक्नोलॉजीज, हर्षिनी, दक्षिण भारत में संचालन प्रमुख, उबर, रमेश रेड्डी, संस्थापक, सेफगाडी.कॉम और परिमाला हाना नूतन, डीआईजी, निदेशक - आईसीसीसी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उबर और सेफगाडी के साथ एकीकरण करके, इन सेवाओं के ग्राहक अब अपने ऐप/क्यूआर कोड के माध्यम से टी-सेफ तक पहुंच सकेंगे। जब कोई सवार उबर ऐप में एसओएस टैप करता है, तो टी-सेफ टीम, तेलंगाना पुलिस को तुरंत स्थान और सवारी का विवरण प्राप्त होता है, जिससे स्थानीय पुलिस द्वारा आपातकालीन हस्तक्षेप संभव हो जाता है। सेफगाडी क्यूआर-आधारित वाहन और चालक सत्यापन प्रदान करता है, जो ऐप के बिना उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श है, जिससे टी-सेफ की सेवाएं व्यापक जनता के लिए सुलभ हो जाती हैं। पुलिस महानिदेशक निदेशक महिला सुरक्षा शिखा गोयल ने कहा कि यह हर सवारी को सुरक्षित बनाने के हमारे मिशन में एक बड़ी छलांग है। एसओएस और सेफगाडी एकीकरण के साथ, टी-सेफ वास्तविक समय अलर्ट और त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करता है-प्रतिक्रियात्मक सुरक्षा से सक्रिय हस्तक्षेप की ओर स्थानांतरित होता है। जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में टी-सेफ पर पोस्टर और वीडियो जारी किए गए। टी-सेफ सेवा का उपयोग करने वाली विभिन्न महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने सभी यात्रियों, खासकर महिलाओं से टी-सेफ सेवा का उपयोग करने का आग्रह किया क्योंकि यह डिजिटल रूप से समावेशी है। उपयोग करने में बहुत आसान है और पुलिस द्वारा निगरानी की जाने वाली तनाव-मुक्त सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में मदद करता है। टी-सेफ के बारे में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा 12 मार्च, को लॉन्च की गई टी-सेफ भारत की अपनी तरह की पहली नागरिक-प्रारंभिक सवारी निगरानी सेवा है। यह डिजिटल विभाजन को समाप्त करती है और उपयोगकर्ताओं-खासकर महिलाओं को स्मार्टफोन, फीचर फोटो वेब लिंक के माध्यम से अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस द्वारा अपनी यात्रा की निगरानी करने की अनुमति देती है।

कांग्रेस नेताओं ने गांधी भवन में एनएसयूआई स्थापना दिवस मनाया

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को यहां गांधी भवन में 55वें एनएसयूआई स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी ने कार्यक्रम के दौरान गांधी भवन में पार्टी का झंडा फहराया और उसके बाद केक काटा। राष्ट्रीय समन्वयक राज्य प्रभारी फिरोज खान, राष्ट्रीय कानूनी प्रकोष्ठ सदस्य अकबर, राज्य उपाध्यक्ष रितेश राव और महासचिव रचना रेड्डी, श्रीराम यादव, वर्धन, विष्णुवर्धन रेड्डी, करुणाकर, राकेश और सुमन सहित अन्य नेता और एनएसआई जिला नेता भी कार्यक्रम में मौजूद थे। इस अवसर पर 8 अप्रैल को एनएसयूआई राज्य समिति द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में एनएसयूआई राष्ट्रीय कानूनी समिति सदस्य अकबर और राज्य के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया।

डीजीपी ने पुलिस शूटिंग खिलाड़ियों की सराहना की

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस स्पोर्ट्स शूटिंग खिलाड़ियों ने रेती में आयोजित 18वीं अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लिया। रेंज, बीएसएफ, इंदौर, मध्य प्रदेश 24 से 29 मार्च 2025 तक प्रतियोगिता हुई। इस खेल में निशानेबाजी खिलाड़ियों ने 3 टीम रजत पदक, 3 टीम कांस्य पदक और 1 व्यक्तिगत रजत पदक जीता है। महिला 300 मीटर बिग बोर प्रोन राइफल टीम रजत पदक विजेता वी.सुवर्णा, डब्ल्यूएएसआई , सीपी वारंगल, एम.विजयम्मा, डब्ल्यूआरएचसी , जीआरपी सिकंदराबाद और चौ.माधवी, डब्ल्यूपीसी , सीएआर निजामाबाद है। इसी क्रम में पुरुषों में 300 मीटर बिग बोर प्रोन राइफल टीम कांस्य पदक विजेता, के.श्रीनिवास, एआरएसआई ,आरबीवीआरआर,टीजीपीए, के.श्याम सुंदर, एचसी , आईएसडब्ल्यू, हैदराबाद और के.राज कुमार, पीसी ,डीएआर कामारेड्डी, पुरुषों में 300 मीटर बिग बोर 3 पोजीशन (स्टैंडिंग, नीलिंग और प्रोन) राइफल व्यक्तिगत रजत पदक विजेता ई. राज कुमार, पीसी, 8वीं बटालियन टीजीएसपी, कोंडापुर है। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने पदक विजेताओं को बधाई दी और सम्मानित किया। कार्यक्रम में आईजीपी, खेल श्री एम. रमेश, डीएसपी (खेल) रामाराव ने भाग लिया।

कैट ने आंध्र प्रदेश के आईएएस अधिकारी रोनाल्ड रोज को तेलंगाना में काम करने की अनुमति दी

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रोनाल्ड रोज को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) से महत्वपूर्ण राहत मिली है। राज्य के विभाजन के दौरान आंध्र प्रदेश में नियुक्त होने के बावजूद, कैट ने उन्हें तेलंगाना में रहने की अनुमति देते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। तेलुगु राज्यों के अलग होने के बाद, केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने रोनाल्ड रोज को आंध्र प्रदेश में नियुक्त किया। हालाँकि उन्होंने शुरुआत में आंध्र प्रदेश को रिपोर्ट किया, लेकिन बाद में वे विभिन्न कारणों से तेलंगाना लौट आए, जिससे रोनाल्ड रोज को अपने स्थानांतरण के संबंध में न्यायिक हस्तक्षेप की माँग करनी पड़ी।यह दूसरी बार है जब आईएएस अधिकारी ने तेलंगाना में अपनी सेवा जारी रखने की अनुमति देने के लिए डीओपीटी से आदेश का अनुरोध करते हुए कैट से संपर्क किया है। हाल ही में, न्यायाधिकरण ने रोनाल्ड रोज की याचिका के संबंध में उनके पक्ष में फैसला सुनाया। राज्य के विभाजन के दौरान स्थापित व्यवस्थाओं की समीक्षा के बाद, न्यायाधिकरण ने डीओपीटी को रोनाल्ड रॉस को तेलंगाना में रहने की अनुमति देने का निर्देश दिया। इस निर्णय से रोनाल्ड रॉस की सेवा जारी रखने में सुविधा हुई है। इस स्थिति ने तेलंगाना में एक दिलचस्प चर्चा को जन्म दिया है। विश्लेषकों का सुझाव है कि यह मामला विभाजन के बाद आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के वितरण से उत्पन्न विवादों के साथ विकसित हुआ है।

केबीआर में श्री गणेश जी की पूजा करते हुए सुरेंद्र अग्रवाल (गोयल) शंकर अग्रवाल गोपाल बलदेवा अशोक लाकोटिया बाबूलाल केडिया विजय अग्रवाल भोज रेड्डी अशोक सरायवाला सुभाष देहलीवाले,शेष साईं, महेश डकोटिया तंबी मंसाराम राम गोयल राहुल अनीता माया लता आदि।

जिले में मिलावटी बीजों की बिक्री पर सख्ती टास्क फोर्स के अधिकारियों ने जिले में 45

किलो नकली कपास के बीज जब्त किए

सिरपुर कागजनगर/ आसिफाबाद 09 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता):- कागजनगर में विभिन्न परिवहन वाहनों के माध्यम से जिले के विभिन्न मंडलों में नकली कपास के बीज की आपूर्ति किए जाने की पुख्ता सूचना के आधार पर, आसिफाबाद जिले के एसपी श्री डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस कुमराम भीम के आदेश पर टास्क फोर्स के अधिकारियों ने कागजनगर में 45 किलोग्राम सरकारी प्रतिबंधित नकली कपास के बीज जब्त किए। विश्वसनीय जानकारी के आधार पर कि नकली बीटी 3 कपास के बीज विभिन्न जिलों से कागजनगर में विभिन्न परिवहन दुकानों के माध्यम से आपूर्ति के लिए तैयार हैं, कागजनगर में नवता ट्रांसपोर्ट में कोकिडी.चंद्रशेखर पुत्र जोगय्या, उम्र 27, जाति आरे, निवासी कुशनापल्ली गांव, बेज्जुर मंडल* के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। टास्क फोर्स के सीआई ने बताया कि विजयवाड़ा से एक ही बैग में 45 किलोग्राम नकली बीटी3 कपास के बीज जब्त किए गए और कागजनगर पुलिस थाने को सौंप दिए गए तथा मामला दर्ज कर लिया गया है। सीआई राणा प्रताप ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से करीब एक लाख सत्तावन हजार पांच सौ रुपये (1,57,500 रुपये) कीमत के 45 किलो नकली कपास के बीज जब्त कर कागजनगर थाने को सौंप दिए गए। सीआई ने चेतावनी दी कि जिले में निर्दोष किसानों को धोखा देने और नकली कपास बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एचसीयू भूमि विवाद के लिए बीआरएस नेता जिम्मेदार: रघुनंदन राव

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद रघुनंदन राव ने बीआरएस पार्टी नेताओं पर एचसीयू की जमीन बचाने का झूठ बोलने का आरोप लगाया है और कहा कि वास्तव में गलत काम उन्होंने ही किया है। एचसीयू की जमीनों को लेकर बुधवार को चेवेल्ला के सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के आवास पर तेलंगाना भाजपा सांसदों की बैठक हुई। इस बैठक में सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, रघुनंदन राव, इटेला राजेंद्र और एचसीयू के कुलपति जगदीश्वर राव शामिल हुए। इस अवसर पर एचसीयू की जमीनों से जुड़े कानूनी मुद्दों पर चर्चा की गई। बाद में मीडिया से बात करते हुए रघुनंदन राव ने कहा कि तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय से 534 एकड़ जमीन लेने का समझौता किया था, जिसमें से केवल 397 एकड़ जमीन ही विश्वविद्यालय के नाम पर वापस हस्तांतरित की गई

ओपन परीक्षाएं सख्ती से कराई जाएं: जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में ओपन 10वीं और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं सख्ती से आयोजित की जानी चाहिए। बुधवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन कांफ्रेंस हॉल में एडिशनल एस.पी. प्रभाकर राव ने आसिफाबाद मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ जिला शिक्षा, चिकित्सा-स्वास्थ्य, परिवहन, आरटीसी, बिजली, ग्रामीण जलापूर्ति, डाक विभाग और नगर निगम के अधिकारियों के साथ परीक्षाओं के संचालन को लेकर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि तेलंगाना ओपन स्कूल सोसाइटी द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, इस महीने की 20 से 26 तारीख तक होने वाली 10वीं और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं सख्ती से आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन दो पेपर होंगे, सुबह 9 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक। 10वीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए आसिफाबाद मंडल केंद्र में जिला परिषद गर्ल्स हाई स्कूल, कागजनगर शहर में जिला परिषद गर्ल्स हाई स्कूल और ओपन इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए आसिफाबाद मंडल केंद्र में जनकपुर जिला परिषद हाई स्कूल और कागजनगर शहर में जिला परिषद बॉयज हाई स्कूल में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि परीक्षा केंद्रों में पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पंखे और फर्नीचर उपलब्ध हों। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की जाए तथा आवश्यक दवाइयां एवं ओ.आर.एस. उपलब्ध कराया जाए। कार्यक्रम में परीक्षा आयुक्त उदय बाबू, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीताराम, परिवहन अधिकारी रामचंदर, विद्युत अधिकारी शेष राव, नगर आयुक्त, संबंधित अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

गैस, पेट्रोल और डीजल की बढ़ी हुई कीमतें कम की जानी चाहिए: कोटा श्रीनिवास

कुमरमभीम आसिफाबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा बढ़ाई गई गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी की मांग को लेकर जिला केंद्र के अंबेडकर चौक पर खाली गैस के डिब्बों के साथ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए सीपीएम जिला सचिव कोटा श्रीनिवास ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने गैस की कीमतें बढ़ाकर आम लोगों पर भारी बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि गैस की बढ़ी हुई कीमतों के परिणामस्वरूप तेलंगाना राज्य पर 400 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिर रही हैं, तब भी देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाना अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बैरल कच्चे तेल की कीमत 2014 की तुलना में काफी कम हो गई है।

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम-परमाणु ऊर्जा विभाग)

नियमित आधार पर कार्यकारियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन हेतु शुद्धिपत्र संख्या 2

नियमित आधार पर कार्यकारियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन नं. सं. CO/HRM/32/2025 के संदर्भ में निम्नलिखित परिवर्तन शामिल किए गए हैं: ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि और समय को 17 अप्रैल, 2025 (14.00 बजे) तक बढ़ा दिया गया है।
विज्ञापन सं. CO/HRM/32/2025 के अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगे।
इच्छुक एवं पात्र उम्मीवारों को, उपर्युक्त संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु आईआरईएल की वेबसाइट (www.irel.co.in) के करियर अनुभाग में जाने हेतु सलाह दी जाती है।

स्थान : मुंबई — हस्ताक्षारित
दिनांक : 09.04.2025 — मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.प्र.)

CBC 48129/12/0001/2526

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

PUB/0361

प्रपत्र 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना

इसके द्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि,

सेक्शन:
सिकंदराबाद डिवीजन: काजीपेट—बल्लारशाह सेक्शन के बीच विद्युतीकरण सहित नई बीजी थर्ड लाइन का निर्माण कार्य—यात्रियों की ढुलाई हेतु रेछनी रोड एवम् बेल्लमपल्ली स्टेशनों के बीच किमी 233.711 से 243.347 तक बीजी थर्ड लाइन की नई ओएचइ का उर्जीकरण या एनर्जाइजेसन करना।

यात्रियों की ढुलाई हेतु रेछनी रोड एवम् बेल्लमपल्ली स्टेशनों के, नई बीजी थर्ड लाइन की रेछनी रोड (आरइसीएच) एवम् बेल्लमपल्ली(बीपीए) स्टेशनों के ओएचइ लोकेशन नं. 233/15 (किमी/सीएच:233/329.80एम) से 243/23(किमी/सीएच:243/620.80) तक विद्युतीकरण करना तथा दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) की फ्राइट सर्विसेज का संचालन के बारे में, तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को तिथि 20-04-2025 को या इसके बाद उर्जावान(एनर्जाइज) किया जायेगा। उपरोक्त तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनस् को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा, न कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रपत्र 10-02
(एसीटीएम पैरा 21020, वाल्यूम ।।, पार्ट ।, करेक्शन स्लिप नं.32, दि.9-10-2020)
25 केवी एसी इलेक. ट्रैक्शन का प्रारंभ
"सडक इस्तेमाल करनेवालों को चेतावनी"

आम जनता को निम्न अनुभाग के 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में अधिसूचित किया जाता है कि,

सेक्शन
सिकंदराबाद डिवीजन: काजीपेट—बल्लारशाह सेक्शन के बीच विद्युतीकरण सहित नई बीजी थर्ड लाइन का निर्माण कार्य—यात्रियों की ढुलाई हेतु रेछनी रोड एवम् बेल्लमपल्ली स्टेशनों के बीच किमी 233.711 से 243.347 तक बीजी थर्ड लाइन की नई ओएचइ का उर्जीकरण या एनर्जाइजेसन करना।

यात्रियों की ढुलाई हेतु रेछनी रोड एवम् बेल्लमपल्ली स्टेशनों के, नई बीजी थर्ड लाइन की रेछनी रोड (आरइसीएच) एवम् बेल्लमपल्ली(बीपीए) स्टेशनों के ओएचइ लोकेशन नं. 233/15 (किमी/सीएच:233/329.80एम) से 243/23(किमी/सीएच:243/620.80) तक विद्युतीकरण करना तथा दक्षिण मध्य रेलवे के यात्रियों की ढुलाई तथा फ्राइट सर्विसेज के संचालन हेतु तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के, सभी लेवल क्रासिंग्स पर सड़क के स्तर से 4.78 एम की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के हाइट गेजेस लगाए गए हैं ताकि अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर (संपर्क वायर) के खतरनाक निकटता से रोका जा सके।
अतः आम जनता को इसके द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, हाइट गेज का उल्लंघन कतई न करता हो।
अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं-
।)हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट
।।)मटेरियल को वाहन में लदान करने पर या तत्संबंधित वाहन को खतरा।
।।।). कंडक्टर्स के संपर्क में आने से या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम

A0457 — उप मुख्य बिजली अभियंता, सिकंदराबाद

शेरकोट ब्रश व पेंट हाउस का उद्घाटन

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शेरकोट के ब्रश व पेंट साउथ इंडिया में ही नहीं बल्कि देश के अनेक प्रांतों के साथ उत्तराखंड में भी अपनी गुणवत्ता का लोहा मनवा रहा है। देहरादून स्थित कारगी चौक पर शेरकोटी पेंट की ओपनिंग की गई जिसका उद्घाटन उद्योगपति व पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर शेरकोटी पेंट्स के एमडी मोहम्मद मुजाहिद ने कहा कि हम किसी भी प्रोडक्ट में क्वालिटी और क्वालिटी में कोई कंप्रोमाइज नहीं करते। उन्होंने बताया कि हमारी शॉप पर रोलर ब्रश स्प्रे पेंट और हार्डवेयर के सभी आइटम उपलब्ध हैं। इस मौके पर आजम प्रधान शराफत

ठेकेदार शकील ठेकेदार शोएब ठेकेदार रिफाकत ठेकेदार अयाज़ ठेकेदार वाकर ठेकेदार मोहम्मद साबिर मोहम्मद कासिम आदि मौजूद रहे।

सालार जंग संग्रहालय के निदेशक आशीष गोयल, महावीर जयंती के शुभ अवसर पर भगवान महावीर पर 62वीं विशेष फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मीर फिरासथ अली बाकरी, पूर्व राज्य प्रवक्ता - वरिष्ठ नेता भाजपा तेलंगाना, एसजेएम वरिष्ठ पदाधिकारी घनश्याम कुसुम, आर बी नाइक, क्यूरेटर और श मुरलीधरन, सहायक कमांडेंट और एसजेएम के कर्मचारी प्रथम तल सेंट्रल ब्लॉक में, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

छात्रावास के छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराएं: खुशबू गुप्ता

कुमरमभीम आसिफाबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आइटीडीए पीओ खुशबू गुप्ता ने शिक्षकों को आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। बुधवार को परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने रेबेना मंडल केंद्र के आश्रम स्कूल (लड़के) गोलेटी और आश्रम स्कूल (लड़के) आसिफाबाद का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा, चिकित्सा देखभाल और भोजन के बारे में विवरण मांगा। इस अवसर पर बोलते हुए पीओ ने सुझाव दिया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ प्रतिदिन मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा इस प्रकार से दी जानी चाहिए कि वह विषयवार छात्रों को समझ में आ सके। मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों जैसे डेंगू और मलेरिया को फैलने से रोकने के लिए सावधानी बरतने और रसोईघर, स्टोर रूम, पेयजल और शौचालय को प्रतिदिन साफ रखने के लिए उचित सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे निविदा सूचनाओं का विवरण हमारेa वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

PUB/0362

प्रपत्र 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना PUB/0362

इसके द्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि,

सेक्शन:
सिकंदराबाद : दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन में, यात्रियों की ढुलाई हेतु काजीपेट—बल्लारशाह सेक्शन के बीच नई बीजी थर्ड लाइन का निर्माण कार्य—सिरपुर कागज नगर (एसकेजेडआर) एवम् आसिफाबाद रोड(एएसएएफ) स्टेशनों के बीच किमी 203.457 से किमी 214.653 तक बीजी थर्ड लाइन की नई ओएचइ का उर्जीकरण या एनर्जाइजेसन करना।

यात्रियों की ढुलाई हेतु सिरपुर कागज नगर (एसकेजेडआर) एवम् आसिफाबाद रोड(एएसएएफ) स्टेशनों के नई बीजी थर्ड लाइन का सिरपुर कागज नगर (एसकेजेडआर) एवम् आसिफाबाद रोड(एएसएएफ) स्टेशनों के ओएचइ लोकेशन नं. 203/28 (किमी/सीएच:203/447.75एम) से 215/02(किमी/सीएच:215/39.50एम) तक विद्युतीकरण करना तथा दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) की फ्राइट सर्विसेज का संचालन के बारे में, तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को तिथि 25-04-2025 को या इसके बाद उर्जावान(एनर्जाइज) किया जायेगा। उपरोक्त तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनस् को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा, न कोई कार्य ही कर सकेगा।

प्रपत्र 10-02
(एसीटीएम पैरा 21020, वाल्यूम ।।, पार्ट ।, करेक्शन स्लिप नं.32, दि.9-10-2020)
25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन का प्रारंभ
"सडक इस्तेमाल करनेवालों को चेतावनी"

आम जनता को निम्न अनुभाग के 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में अधिसूचित किया जाता है कि,

सेक्शन :
सिकंदराबाद : दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन में, यात्रियों की ढुलाई हेतु काजीपेट—बल्लारशाह सेक्शन के बीच नई बीजी थर्ड लाइन का निर्माण कार्य— सिरपुर कागज नगर (एसकेजेडआर) एवम् आसिफाबाद रोड(एएसएएफ) स्टेशनों के बीच किमी 203.457 से किमी 214.653 तक बीजी थर्ड लाइन की नई ओएचइ का उर्जीकरण या एनर्जाइजेसन करना।

यात्रियों की ढुलाई हेतु सिरपुर कागज नगर (एसकेजेडआर) एवम आसिफाबाद रोड(एएसएएफ) स्टेशनों के नई बीजी थर्ड लाइन का, सिरपुर कागज नगर (एसकेजेडआर) एवम् आसिफाबाद रोड(एएसएएफ) स्टेशनों के ओएचइ लोकेशन नं. 203/28 (किमी/सीएच:203/447.75एम) से 215/02(किमी/सीएच:215/39.50एम) तक विद्युतीकरण करना तथा दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) की फ्राइट सर्विसेज का संचालन के बारे में, तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को तिथि 25-04-2025 को या इसके बाद उर्जावान(एनर्जाइज) किया जायेगा। उपरोक्त तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनस् को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा, न कोई कार्य ही कर सकेगा।
इसके चलते दक्षिण मध्य रेलवे के, सभी लेवल क्रासिंग्स पर सड़क के स्तर से 4.78 एम की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के हाइट गेजेस लगाए गए हैं ताकि अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर (संपर्क वायर) के खतरनाक निकटता से रोका जा सके।
अतः आम जनता को इसके द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, हाइट गेज का उल्लंघन कतई न करता हो।
अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं-
।) हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट
।।) मटेरियल को वाहन में लदान करने पर या तत्संबंधित वाहन को खतरा।
।।।) कंडक्टर्स के संपर्क में आने से या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम

A0458 — उप मुख्य बिजली अभियंता, सिकंदराबाद

दोहा डायमंड लीग से सत्र की शुरुआत करेंगे भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा

16 मई को होगा आयोजन

दोहा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। दोहा डायमंड लीग का आयोजन कतर की राजधानी में 16 मई को होगा। नीरज भारत के सबसे सफल भाला फेंक एथलीट हैं जिन्होंने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और फिर 2024 पेरिस खेलों में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने कहा कि वह लगातार तीसरे साल दोहा में वांडा डायमंड लीग प्रतियोगिता में एथलेटिक्स के सबसे उत्साही दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करने के लिए बेताब हैं।

नीरज को भारतीय प्रशंसकों से समर्थन की उम्मीद

नीरज ने 2023 में कतर स्पोर्ट्स क्लब में 88.67 मीटर के प्रयास से जीत हासिल की थी। प्रतियोगिता में तीसरी बार हिस्सा ले रहे नीरज ने कहा कि वह कतर में भारतीय प्रशंसकों से और अधिक उत्साही समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। नीरज ने कहा, मैं कतर में भारतीय लोगों से मिलने वाले समर्थन से हमेशा अभिभूत रहता हूं। उनका धन्यवाद करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं।

ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले ट्रैक एंड फील्ड भारतीय एथलीट हैं नीरज

चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी अब 27 वर्षीय नीरज को कोचिंग देते हैं जो विश्व भाला फेंक रिकॉर्ड धारक (98.48 मीटर) और कई ओलंपिक और विश्व चैंपियन हैं। नीरज ओलंपिक स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। साथ ही डायमंड लीग प्रतियोगिता और डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले भारतीय भी हैं। वह पिछले साल ओलंपिक फाइनल में अरशद नदीम और ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल में एंडरसन पीटर्स से पिछड़कर दूसरे स्थान पर रहे थे।

मैक्सवेल पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगा

बीसीसीआई ने एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया; आईपीएल नियम तोड़ने की सजा मिली

खेल डेस्क, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर आईपीएल के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। उनको आर्टिकल 2.2 के लेवल 1 को तोड़ने के तहत मैच फीस का 25% जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने उनपर फाइन लगाने के कारण को साफ नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि वो जल्दी आउट होने से निराश थे और गुस्से में उन्होंने स्टेडियम की प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया था। यह घटना 8 अप्रैल को मुल्लांपुर में खेले गए सीएसके और पीबीकेएस के मुकाबले के दौरान घटी थी। इस मैच में पीबीकेएस ने 18 रनों से जीत दर्ज की। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 219/6 का स्कोर बनाया। वहीं अगली पारी में टारगेट का पीछा करने उतरी सीएसके की टीम 201/5 तक ही पहुंच सकी।

मैच में मैक्सवेल का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। वो केवल 1 रन बनाकर आउट हो गए।

यह इस सीजन का ऐसा दूसरा मामला

इससे पहले गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए मैच में जीटी के इशांत शर्मा को भी आर्टिकल 2.2 के तहत दोषी पाया गया था। दरअसल इशांत को इस मैच में एक भी विकेट नहीं मिला। मैच में उनके ओवर में कुल 9 चौके और 1 छक्का लगा। इस वजह से वे खुद से नाराज नजर आए और गुस्से में स्टंप पर पैर मार दिया। इसके बाद उन पर भी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगा था।

इस सीजन में कुल 31 रन ही बना सके हैं मैक्सवेल

मैक्सवेल इस सीजन में अभी तक एक अभी शतक या अर्धशतक नहीं लगा सके हैं। वहीं उन्होंने 3 पारियों में 31 रन ही बनाए हैं। पिछले साल बेंगलुरु की तरफ से भी उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया था। वो 9 पारियों में 52 रन ही बना सके थे।

18 साल की महिला निशानेबाज सुरुची ने जीता स्वर्ण पदक, चीन के प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की 18 साल की प्रतिभाशाली सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 244.6 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चीन की किवान वेई (241.9) और दोहरा ओलंपिक पदक विजेता जियांग रैनजिन (221.0) को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर पछाड़ दिया।

मनु फाइनल में नहीं बना पाई थीं जगह

इससे पहले सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। सुरुचि ने नई दिल्ली में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के यूथ, जूनियर और सीनियर वर्ग में तीन स्वर्ण पदक हासिल किए थे। ट्रायल्स में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई थी।

धोनी को कहा- गिरगिट? नवजोत सिंह सिद्धू ने अंबाती रायडू पर किया पलटवार

खेल डेस्क, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के दौरान हो रही हिंदी कमेंट्री से एक और ड्रामा निकलकर सामने आया है. पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के मैच के दौरान नवजोत सिंह सिद्धू ने अंबाती रायडू पर पलटवार करते हुए कहा है कि गिरगिट अगर किसी के अराध्यदेव यानी ईष्ट देवता हैं तो वो तुम ही हो. सिद्धू ने ऐसा अंबाती रायडू की बातों का जवाब देते हुए कहा. दरअसल, पहले अंबाती रायडू ने सिद्धू को कहा था कि वो अपनी पसंदीदा टीम ऐसे बदलते हैं, जैसे गिरगिट रंग.

गिरगिट तुम्हारे अराध्यदेव, सिद्धू ने रायडू से कहा

पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच की कमेंट्री के दौरान अंबाती रायडू ऑन एयर ही सिद्धू से ये कहते दिखे कि पाजी, जैसे गिरगिट रंग बदलता है, वैसे आप टीम बदलते हो. रायडू के इतना कहते ही सिद्धू ने झट से पलटवार किया और कहा कि इस संसार में गिरगिट की तरह कोई है तो तुम हो और तम्हारे अराध्यदेव हैं.

सिद्धू का निशाना कहीं धोनी तो नहीं?

वीडियो में नवजोत सिंह सिद्धू ने रायडू के अराध्यदेव का जिक्र किया है, जिन्हें उन्होंने गिरगिट कहकर भी संबोधित किया. सिद्धू ने अराध्यदेव किसे कहा, उस बारे में तो उन्होंने नहीं बताया. सवाल ये है कि कहीं उन्होंने धोनी के लिए तो ऐसा नहीं कहा? क्योंकि जब सिद्धू ऐसा कह रहे थे तो लाइव टेलीकास्ट में धोनी का ही फुटेज दिखाया जा रहा था. अंबाती रायडू पहले सीएसके के लिए धोनी की कप्तानी में खेल भी चुके हैं.

आईपीएल 2025 में नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायडू दोनों ब्रॉडकास्टर चैनल के हिंदी कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं.

पूजा ठाकुर जहां से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनीं

अब वहां देंगी कोचिंग; हिमाचल में बतौर कोच देंगी सेवाएं

धर्मशाला, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 2014 के एशियाई खेलों में कबड्डी में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रहीं पूजा ठाकुर जहां से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनीं अब वहीं खिलाड़ियों को तराशेंगी। पूजा ने भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में बतौर कबड्डी कोच ज्वाइन कर लिया है।

इससे पहले वह बिलासपुर में सेवाएं दे रही हैं। पूजा एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग में असिस्टेंट कमीश्नर के पद पर तैनात हैं और डेपुटेशन पर खेल प्राधिकरण के धर्मशाला सेंटर में कबड्डी कोच के तौर पर सेवाएं देते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा निखार रही हैं।

पूजा ने वर्ष 2004 में धर्मशाला स्थित साई हास्टल में बतौर खिलाड़ी एंट्री की थी। यहां रहकर कबड्डी की बारीकियों को सीखते हुए हिमाचल और भारत को कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक दिलाए थे। इस दौरान पूजा कई प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम की कप्तान भी रहीं। वर्ष 2012 में पूजा को राज्य सरकार ने एक्साइज विभाग में नौकरी दी। इसके बाद पूजा ठाकुर ने वर्ष 2014 में एशियन गेम्स में भारतीय टीम को कबड्डी में स्वर्ण पदक दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। बिलासपुर के स्योहला गांव की पूजा ठाकुर ने 14 साल की उम्र में साई हास्टल में प्रशिक्षण लेना शुरू किया था।

पूजा ने कहा कि मेरे के लिए गौरव की बात है कि जो मेरी कर्म भूमि रही है। आज वहां पर ही बतौर कोच के रूप में सेवाएं देने का मौका मिला है। हिमाचल ने भारतीय कबड्डी टीम को कई खिलाड़ी दिए हैं। आज के समय में साई सेंटर की खिलाड़ी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, चंपा, भावना और निधि सहित कई खिलाड़ी भारतीय टीम से खेल रही हैं। कबड्डी में प्रदेश की सेकेंड लाइन की खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर आगे लाने का प्रयास है ताकि देश के ओर अधिक अच्छे खिलाड़ी मिल सकें।

कपिला-क्रास्टो की जोड़ी प्री क्वाटर्र फाइनल में

मलेशियाई जोड़ी को हराया

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की मिश्रित जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में मलयेशिया के हू पेंग रोन और सू यिन चेंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने 51 मिनट चले मुकाबले में 15-21, 21-12, 21-11 से जीत दर्ज की।

ध्रुव और क्रास्टो की अगली भिड़ंत ताइवान की वेई ये और नि को ल गोंजालेंज चैन की जोड़ी के साथ होगी। मिश्रित युगल में भारत की तीन अन्य जोड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियथ को तीसरी वरीयता की मलयेशियाई जोड़ी सून हुआत गोह और शेवन जेमी लेई ने हराया। असीथ सूर्या और अमरुथा भी मलयेशियाई प्रतिद्वंद्वी से 9-21, 11-21 हार गए। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी ने 56 मिनट चले मुकाबले में 21-18, 17-21, 17-21 से मिली हार के पहले कड़ी टक्कर दी।

दिमाग से सारे पैदल हैं, वीरेंद्र सहवाग ने जाटों को लेकर दिया बेतुका बयान

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। वीरेंद्र सहवाग एक बार फिर से अपने बेतुके बयान को लेकर चर्चा में हैं. इस बार उन्होंने जाट समुदाय को लेकर अजीबोगरीब बयान दिया है. सहवाग के इस बयान के बाद उनसे माफी मंगवाने की मांग भी हो रही है. भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग IPL मैचों के दौरान हिंदी में कमेंट्री कर रहे हैं. उन्होंने जाटों को लेकर बयान IPL से जुड़े स्टार स्पोर्ट्स के शो में ऑन एयर दिया है. सहवाग ने जो कहा उसके मुताबिक भारत के हर क्षेत्र के जाटों की भाषा अलग है पर होते सारे दिमाग से पैदल हैं.

'दिमाग से सारे पैदल', सहवाग का ये कैसा बयान?

स्टार स्पोर्ट्स के शो में बैठकर सहवाग ने कहा कि उत्तर प्रदेश के जाट की भाषा अलग है, राजस्थान के जाट की भाषा अलग है. हरियाणा के जाट की भाषा अलग है... लेकिन दिमाग से सारे पैदल है.

माफी मंगवाने की हुई मांग

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर अब उनसे माफी मंगवाने की मांग उठ खड़ी हुई है. सोशल मीडिया यूजर्स ने सहवाग से माफी मंगवाने की अपील रणदीप हुड्डा से की है.

वीरेंद्र सहवाग खुद भी जाट समुदाय से आते हैं. बावजूद इसके उनका ऑन एयर अजीबोगरीब बयान देना हैरान करने वाला है.

वीरेंद्र सहवाग का क्रिकेट करियर

वीरेंद्र सहवाग के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए 350 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें उनके नाम 17000 से ज्यादा रन दर्ज हैं. आईपीएल में भी सहवाग 104 मैच खेल चुके हैं. उन्होंने आईपीएल पंजाब और दिल्ली के लिए खेला और कुल मिलाकर 2728 रन बनाए. इस दौरान सहवाग ने 2 शतक और 16 अर्धशतक भी जमाए हैं.

क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वीरेंद्र सहवाग ने कमेंट्री में कदम रखा है.

धामी बॉबी के चार गोल ने आसान की हरियाणा की जीत

झांसी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पहला मैच गोवा हॉकी और तेलंगाना हॉकी के मध्य खेला गया। मैच में तेलंगाना हॉकी की ओर से सूर्य प्रकाश पोटलरी, नीरज कुमार पेड्डींटी, रोहित सिंह, राजू तल्ला, पीआर अय्यप्पा ने एक-एक गोल किए। वहीं गोवा हॉकी की तरफ से गणपति एच त्रिशूल ने एक गोल दागा। तेलंगाना हॉकी ने 5-1 गोल से मैच जीता। मैच में तेलंगाना हॉकी के राजू तल्ला मैन ऑफ द मैच रहे। दूसरा मैच हॉकी मिजोरम बनाम दादर एंड नगर हवेली और दमन एंड दीव रहा। मैच में दादर एंड नगर हवेली और दमन द्वीव हॉकी की ओर से मोहम्मद यासीन एस, कोमल सिंह, सजल सक्सेना, कप्तान अरविंद यादव, दीपक यादव, विजय यादव ने एक-एक गोल दागे। जवाब में हॉकी मिजोरम की तरफ से कोई गोल नहीं कर सका। दादर एंड नगर हवेली और दमन एंड दीव हॉकी की टीम ने 6-0 गोल से मैच जीता। तीसरा मैच हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा हॉकी मध्य प्रदेश की टीम के बीच खेला गया। मैच में हॉकी मध्य प्रदेश की ओर से अहमद अली ने सर्वाधिक दो गोल, मोहम्मद जैद खान ने एक गोल किया। वहीं हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की तरफ से संजीप नीलम व कप्तान अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किए। हॉकी मध्य प्रदेश की टीम 3-2 गोल से विजयी रही। मैन ऑफ द मैच मध्य प्रदेश की टीम के प्रताप लकरा रहे। चौथा मैच मणिपुर हॉकी और पुडुचेरी हॉकी के मध्य खेला गया। मैच में मणिपुर हॉकी के सीरिल लुगुन ने तीन गोल व थोकचोम किंगसन सिंह ने एक गोल किया। जवाव में पुडुचेरी हॉकी की तरफ से मणिकंदन एम, पी महेंद्रन व रजत मिंज ने एक-एक गोल दागे। मणिपुर हॉकी ने 4-3 गोल से जीत हासिल की।

प्लेयर ऑफ द मैच मणिपुर हॉकी के सिरिल लुगुन रहे। पांचवां मैच हॉकी हरियाणा और हॉकी झारखंड के मध्य खेला गया। मैच में हॉकी हरियाणा की ओर से धामी बॉबी सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल, अभिषेक ने तीन गोल, कप्तान मंजीत व पवन ने एक-एक गोल किया। वहीं हॉकी झारखंड की ओर से जोसेफ काँगरी ने एक गोल किया और हॉकी हरियाणा की टीम ने 9-1 गोल से मैच जीत लिया।

'फैंस आईपीएल छोड़कर पीएसएल देखने लगेंगे'

पाक तेज गेंदबाज हसन अली का चौंकाने वाला बयान

इस्लामाबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में इस समय इंडियन प्रीमियर लीग का घमासान जारी है, वहीं शुक्रवार से पाकिस्तान सुपर लीग की भी शुरुआत होने जा रही है। दुनियाभर में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो दोनों लीगों में खेलते नजर आते हैं। पीएसएल की शुरुआत से पहले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर इस लीग में खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो फैंस आईपीएल को छोड़कर पीएसएल को देखने लगेंगे।

पीएसएल आमतौर पर फरवरी और मार्च के बीच आयोजित किया जाता था, लेकिन इस बार इसकी शुरुआत अप्रैल में हो रही है। यही वजह है कि इसका सीधे तौर पर टकराव आईपीएल के साथ हो रहा है। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है, जिसे दुनियाभर में पसंद किया जाता है। हालांकि इसके बाद भी हसन अली को उम्मीद है कि कार्यक्रम में टकराव के बावजूद दर्शक पीएसएल देखना पसंद करेंगे, बशर्ते खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करें।

तो दर्शक हमें देखने के लिए आईपीएल छोड़ देंगे- हसन अली

हसन ने शुक्रवार को पीएसएल के उद्घाटन मैच से पहले जियो न्यूज से कहा, 'फैंस वो टूर्नामेंट देखते हैं, जहां मनोरंजन के साथ अच्छी क्रिकेट होती है। अगर हम पीएसएल में अच्छा खेलते हैं, तो दर्शक हमें देखने के लिए आईपीएल छोड़ देंगे। जब नेशनल टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है, तो इसका असर पीएसएल जैसी फ्रेंचाइजी लीगों पर पड़ता है। लेकिन जब पाकिस्तान अच्छा प्रदर्शन करता है, तो पीएसएल का ग्राफ भी बढ़ता है।'

कराची किंग्स के लिए खेलते नजर आएंगे हसन अली

हसन ने युवाओं का सपोर्ट करते हुए कहा, 'मौजूदा रिजल्ट अच्छे नहीं हैं, लेकिन टीम में और मैनेजमेंट में नए चेहरे हैं, जिन्हें समय की जरूरत है। खिलाड़ियों को पता है कि उनसे कहां गलती हुई और कहां सुधार करना है।' हसन अली पीएसएल के दसवें एडीशन में कराची किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मिलावटी ताड़ी पीने से तीस लोग पड़ गए हैं बीमार

कामारेड्डी, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में मिलावटी ताड़ी पीने की घटना में और अधिक लोग बीमार पड़ रहे हैं। सोमवार को अंकोले, दुरकी और दामरांचा गांवों में मिलावटी ताड़ी पीने से करीब 30 लोग बीमार पड़ गए थे, जबकि मंगलवार को महिलाओं समेत 25 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से अधिकांश का बांसवाड़ा के सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है, जबकि लगभग 12 लोगों को बेहतर इलाज के लिए निजामाबाद के सरकारी जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, बीमार पड़ने वाले अधिकतर लोग दुरकी गांव के थे। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने ताड़ी डिपो को जब्त कर लिया है और डिपो से नमूने एकत्र किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लोग जिले के कई मंडलों में मिलावटी ताड़ी की बिक्री के बारे में शिकायत कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

सोनिया गांधी के नेतृत्व में हम भाजपा को तेलंगाना में घुसने नहीं देंगे - रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में ऐलान किया

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यसमिति की विस्तारित बैठक में भाग लिया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी प्रसिद्ध साबरमती नदी के तट पर चिंतन बैठक कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में गोडसे की विचारधारा फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने से सभी नागरिकों, गांधी परिवार के सदस्यों और राहुल गांधी के अनुयायियों से मोदी की गोडसे विचारधारा के खिलाफ लड़ने की अपील की। मोदी सरकार ने किसानों के खिलाफ नए कानून पेश किए। देश के पूरे किसान समुदाय ने 14 से 15 महीने तक काले कानूनों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों को बातचीत के लिए नहीं बुलाया।

मोदी ने मणिपुर में हिंसा भड़काई और देश के मूल निवासियों के जीवन के अधिकार को खत्म करने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4,000 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा पर निकले। कांग्रेस नेता ने जाति जनगणना, कृषि ऋण माफी, युवाओं के लिए रोजगार सृजन और महिला कल्याण का वादा किया। तेलंगाना में पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी ने जाति जनगणना, कृषि ऋण माफी, रोजगार और महिला कल्याण का वादा भी किया। तेलंगाना राज्य में कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभालने के मात्र 10 महीनों में 21,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ करके और 25 लाख किसानों को बड़ी राहत देकर राहुल गांधी के वादों को पूरा किया। मेरी सरकार ने राहुल गांधी के वादे के अनुसार जाति जनगणना भी कराई। मोदी सरकार ने राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने नहीं दिया, क्योंकि उन्हें डर था कि हमारे कांग्रेस नेता सदन में जाति जनगणना का मुद्दा उठाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने हर साल 2 करोड़ रोजगार पैदा करने का वादा किया था। 11 साल बीत चुके हैं और केंद्र को आज तक 20 करोड़ से अधिक रोजगार देने चाहिए। मोदी और अमित शाह ने सिर्फ नौकरियां दी हैं और हर साल 2 करोड़ युवा बेरोजगार हो रहे हैं। गांधी विचारधारा के सभी अनुयायियों से मोदी सरकार के खिलाफ निरंतर लड़ाई में राहुल गांधी के साथ खड़े होने की अपील करता हूं। हम सभी को गोडसे के वंशजों और मोदी को हराना चाहिए। मैं यहां से किसानों, महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण की उम्मीद लेकर जा रहा हूं, जैसा कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि गुजरात की धरती पर खड़े होकर मैंने भाजपा को तेलंगाना में घुसने से रोकने का संकल्प लिया।

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में तेलंगाना क्षेत्र निजाम के शासन से मुक्त हुआ था। यही कारण है कि तेलंगाना के लोग गुजरात के लोगों और वल्लभभाई पटेल के वंशजों के साथ संबंध बनाए हुए हैं। तेलंगाना को स्वतंत्र भारत में विलय करने के लिए वल्लभभाई पटेल के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखा। वल्लभभाई पटेल ने तेलंगाना को आजाद कराया और सोनिया गांधी ने तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिया। वल्लभभाई पटेल की धरती से मैं केवल एक बात कह रहा हूं। सोनिया गांधी के नेतृत्व में हम भाजपा को तेलंगाना में घुसने नहीं देंगे। हम भाजपा को रोकेंगे। कोई भी उन्हें माफ नहीं करेगा।

महात्मा गांधी ने दांडी सत्याग्रह सहित 30 से अधिक वर्षों तक ब्रिटिश शासन के खिलाफ कई संघर्ष किए। ब्रिटिश शासकों ने कभी गांधी पर हमला नहीं किया। भारत की आजादी के छह महीने के भीतर ही गोडसे के वंशजों ने गांधी की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता अंग्रेजों से भी ज्यादा खतरनाक हैं। जैसे अंग्रेजों को भारत से भगाया गया, वैसे ही हम सबको राहुल गांधी के नेतृत्व में भाजपा को देश से भगाना चाहिए। मोदी के खिलाफ लड़ने के लिए सभी को तैयार रहना चाहिए। यहां से दृढ़ संकल्प के साथ हम तेलंगाना में भाजपा को हराने जा रहे हैं। हर कांग्रेस कार्यकर्ता और गांधी अनुयायियों से अपील है कि वे आने वाले दिनों में यहां से भाजपा को हराने की जिम्मेदारी लें।

भद्राचलम रोड रेलवे स्टेशन का 25.41 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के साथ एक बड़ा परिवर्तन चल रहा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है। "अमृत भारत स्टेशन योजना" (एबीएसएस) के तहत, तेलंगाना भर में 40 रेलवे स्टेशनों का 2,737 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है, ताकि आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जा सकें और उन्हें क्षेत्रीय आबादी के लिए विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जा सके। इस मिशन को तब बड़ा बढ़ावा मिला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त, 2023 और फरवरी, 2024 के दौरान तेलंगाना राज्य में स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इस सूची में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के बड़े पैमाने पर किए गए उन्नयन कार्य शामिल हैं, जिन्हें विश्व स्तरीय मानकों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर शुरू किया गया है।

रेलवे मंत्रालय द्वारा ए.बी.एस.एस. नीति तैयार की गई है जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है, तथा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर विकास की परिकल्पना करना है। यह विचार मास्टर प्लान के अनुसार विभिन्न महत्वपूर्ण तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है जो रेलवे स्टेशनों की बढ़ती जरूरतों और बढ़ते संरक्षण को पूरा करता है।

एससीआर और एनडीआरएफ का मौला-अली यार्ड में ट्रेन दुर्घटना पर संयुक्त मॉक ड्रिल

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। असामान्य घटना के कारण बंद ट्रेन के डिब्बों में लगभग पंद्रह यात्री फंस गए। सूचना मिलने पर, दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) टीम ने प्रतिक्रिया दी और तुरंत आगे बढ़ गई। साथ ही, रेलवे आपातकालीन नियंत्रण कक्ष ने सहायता के लिए एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) टीम को सूचित किया। एनडीआरएफ टीम भी घटना स्थल पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई। रेलवे और एनडीआरएफ दोनों टीमों ने बचाव अभियान चलाया और अपने विशेष उपकरणों के साथ फंसे यात्रियों को बचाया। आपदा का उपर्युक्त दृश्य वास्तविक नहीं था, बल्कि मौला-अली यार्ड में एससीआर और एनडीआरएफ कर्मियों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक पूर्ण पैमाने पर तकनीकी मॉक ड्रिल था। आपातकालीन घटनाओं के दौरान उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए कर्मचारियों की दक्षता और सतर्कता का आकलन करने और उसे बढ़ाने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन ने एसपीएआरटी (स्वचालित दुर्घटना राहत ट्रेनें) / सिकंदराबाद, 10वीं बटालियन एनडीआरएफ / शेखपेट टीम, रेलवे नागरिक सुरक्षा टीम, रेलवे सुरक्षा बल, मेडिकल टीम, सिग्नल और दूरसंचार कर्मचारी, विद्युत कर्मचारी, इंजीनियरिंग कर्मचारी, परिचालन और वाणिज्यिक कर्मचारी, अस्पताल एम्बुलेंस और अन्य हितधारकों के साथ गौरव यादव, निरीक्षक / एनडीआरएफ के नेतृत्व में पलटे/उलटे हुए कोचों से यात्रियों को बचाने का काम शुरू किया। कोच की खिड़कियों/वेस्टिब्यूल्स/छत को काटकर और मुख्य द्वार को हटाकर रेलवे एआरटी (दुर्घटना राहत ट्रेन), एसपीएआरएमवी (स्वचालित दुर्घटना राहत चिकित्सा वैन) टीमों के साथ आज के मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदाओं के दौरान उपयोग के लिए खरीदे गए विभिन्न उपकरणों के उपयोग का परीक्षण करना और कोल्ड कटिंग उपकरण जैसे कि सेबर सॉ, खिड़की की छड़ें और कोच बॉडी को काटने के लिए अपघर्षक कटर जैसे उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना था, जिससे घायल यात्रियों को आसानी से उठाया जा सके और उन्हें प्रभावित कोचों से बाहर निकाला जा सके।

वेंकट रमना रेड्डी, प्रिंसिपल चीफ सेफ्टी ऑफिसर, साउथ सेंट्रल रेलवे, भरतेश कुमार जैन, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, सिकंदराबाद डिवीजन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी और सिकंदराबाद डिवीजन के सभी शाखा अधिकारी मौजूद थे और उन्होंने अपनी टीमों के साथ मॉक ड्रिल देखी।

मुख्यमंत्री रेवंत ने कुमारी अनंतन के निधन पर दुख व्यक्त किया

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तमिलनाडु कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता और प्रख्यात लेखिका कुमारी अनंतन (हरिकृष्णन नादर अनंतन) के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है, जो तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन के पिता थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के सिद्धांतों को पुनर्जीवित करने वाले और तमिल भाषा के प्रेमी देशभक्त अनंथन का निधन शोकाकुल है। रेवंत रेड्डी ने याद किया कि कुमारी अनंतन ने 4 बार विधानसभा सदस्य और एक बार सांसद के रूप में सराहनीय सेवाएं दीं। उन्होंने तमिलिसाई और शोकाकुल परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुमारी अनंतन, जो उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण निधन के समय 93 वर्ष की थीं, को सार्वजनिक सेवा के प्रति उनके दीर्घकालिक समर्पण के लिए जाना जाता है। उन्होंने संसद सदस्य के रूप में कार्य किया और कई वर्षों तक तमिलनाडु में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रसिद्ध प्रतिनिधि थे।

राज्यपाल द्वारा सामाजिक और शैक्षिक पहल वाले संस्थानों को सहायता दी गई

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज राजभवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अपने विवेकाधीन अनुदान के तहत चार संस्थानों को डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) प्रदान किए। अनुदान का उद्देश्य नवाचार और सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करना है। अनुदान के क्रम में प्रज्वला एनजीओ, महेश्वरम - मानव तस्करी को रोकने के लिए काम करने वाले एक प्रसिद्ध संगठन को 20 लाख रुपये दिए गए हैं। यह अनुदान तस्करी की गई लड़कियों और तस्करी की गई महिलाओं के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं में मदद करेगा। आरजीयूकेटी, बसर - 15 लाख रुपये का अनुदान राजीव गांधी ज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता विकास (आईआईईडी) सेल के विकास का समर्थन करेगा, जो अनुसंधान और छात्र-नेतृत्व वाले नवाचार को प्रोत्साहित करेगा। आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, सिकंदराबाद - छात्रों के बीच सामुदायिक सेवा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और पुरस्कृत करने के लिए विशेष गवर्नर ऑफ तेलंगाना रोलिंग ट्रॉफी के लिए 2.24 लाख रुपये का अनुदान। मयूर मार्ग सीनियर सिटीजन एसोसिएशन, बेगमपेट - 1.35 लाख रुपये के अनुदान का उपयोग वरिष्ठ नागरिकों के लिए मनोरंजक और सूचनात्मक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए एक टीवी और एक सार्वजनिक संबोधन प्रणाली खरीदने के लिए किया जाएगा। राज्यपाल ने संगठनों के प्रयासों की प्रशंसा की और आशा व्यक्त की कि अनुदान उन्हें अधिक प्रभाव डालने में मदद करेगा।

उन्होंने अधिक दयालु और प्रगतिशील तेलंगाना के निर्माण के लिए सहयोगी प्रयासों का आह्वान किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर; प्रज्वला की पद्म पुरस्कार विजेता सुश्री सुनीता कृष्णन; आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज से ब्रिगेडियर प्रशांत हलगेरी; आरजीयूकेटी बसर के कुलपति प्रोफेसर ए. गोवर्धन; और मयूर मार्ग सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

वोंटीमिट्टा श्री सीता राम कल्याणम के लिए तिरुमाला लड्डू तैयार

तिरुमाला, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 11 अप्रैल को वोंटीमिट्टा श्री सीता राम कल्याणम में भाग लेने वाले भक्तों को तिरुमाला श्रीवारी लड्डू प्रसादम प्रदान करने के लिए तैयार हैं। श्रीवारी सेवकों की मदद से तिरुमाला में श्रीवारी सेवा सदन-2 में बुधवार को लड्डुओं की पैकिंग की गई। उप ईओ (जनरल) शिव प्रसाद और एईओ बालाराजू के मार्गदर्शन में लगभग 300 पुरुष और महिला श्रीवारी सेवकों ने 70 हजार लड्डू पैक किए।

ये लड्डू श्री सीता राम कल्याणम के भव्य राज्य उत्सव में भाग लेने वाले भक्तों को श्रीवारी प्रसादम के रूप में वितरित किए जाएंगे, जो 11 अप्रैल को शाम 6:30 से 8:30 बजे तक कडप्पा जिले के वोंटीमिट्टा में चल रहे श्री कोडंडाराम स्वामी वार्षिक ब्रह्मोत्सवम के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाएगा। श्रीवारी सेवा कर्मचारी और अन्य लोगों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

ऑटो रिक्शा चालकों ने रैपिडो, ओला, उबर के परिचालन का किया विरोध

कोत्तागुडेम, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऑटो वर्कर्स यूनियन (एआईटीयूसी) के प्रदेश अध्यक्ष कंचारला जमालैया ने राज्य सरकार से कोत्तागुडेम शहर में रैपिडो, ओला और उबर टैक्सी कंपनियों को परिचालन की अनुमति नहीं देने की मांग की है। मंगलवार को यूनियन के तत्वावधान में बड़ी संख्या में ऑटो रिक्शा चालकों ने यहां विरोध रैली निकाली। आरडीओ कार्यालय के सामने धरना दिया गया और आरडीओ को एक ज्ञापन सौंपा गया।

जमलैया ने कहा कि कस्बे में रैपिडो, ओला और उबर कंपनियों की कोई जरूरत नहीं है, जो विद्यानगर कॉलोनी से पालकेन्द्रम तक, पालकेन्द्रम से बस स्टैंड तक और बस स्टैंड से रामावरम तक चार किलोमीटर में फैला हुआ है। उन्होंने चिंता जताई कि कोत्तागुडेम में उपरोक्त कंपनियों की टैक्सी सेवाओं के कारण ऑटो रिक्शा चालकों को आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने

कहा कि महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के लिए आरटीसी बसों में कांग्रेस सरकार द्वारा दी गई मुफ्त यात्रा के कारण ऑटो रिक्शा चालक पहले से ही आर्थिक रूप से प्रभावित हैं। कोत्तागुडेम कस्बे में सिंगरेनी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं के कई बच्चे आजीविका चलाने के लिए ऑटो रिक्शा चालक के रूप में काम कर रहे हैं।

इसलिए सरकार को कोत्तागुडेम कस्बे में रैपिडो, ओला और उबर को संचालित होने से रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। विरोध प्रदर्शन में यूनियन के जिला सचिव मैरी कृष्णा, सदस्य अब्बुलु कृष्णा, अमिदु, भास्कर कोटि रामाराजू, चप्पिडी कोटेश्वर राव, जोसेफ और अन्य ने भाग लिया।

राजामौली की चिंता ने देवमाली पहाड़ी पर सफाई अभियान को दिया बढ़ावा

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जब कोई सेलिब्रिटी बोलता है, तो लोग अक्सर सुनते हैं और उसके अनुसार काम भी करते हैं। ओडिशा के कोरापुट जिले में हाल ही में एक घटना हुई, जब प्रशंसित फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने पर्यावरण क्षरण पर चिंता व्यक्त की, तो स्थानीय स्तर पर तेजी से सकारात्मक प्रतिक्रिया हुई।

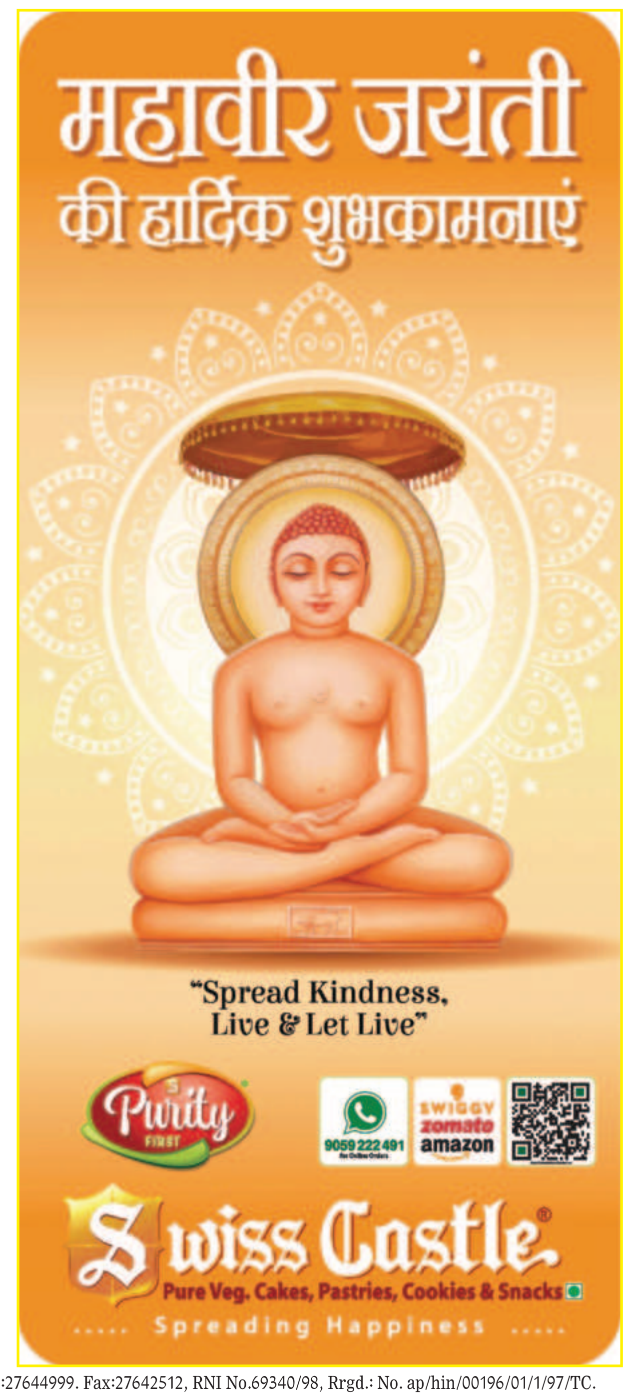

आदिवासी युवक की हत्या से बस्तर से लगी सीमा पर तनाव

मुलुगु, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पेरुरु पुलिस स्टेशन क्षेत्र के कोठा टेकुलागुडेम गांव के 28 वर्षीय आदिवासी युवक वासम विजय की मंगलवार रात अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी। उस पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। यह गांव छत्तीसगढ़ के बस्तर के साथ अंतर-राज्यीय सीमा पर नक्सल प्रभावित वन क्षेत्र के करीब स्थित है। इलाके में स्थिति का जायजा लेने के लिए पेरूर और वेंकटपुरम से पुलिस गांव पहुंची। उन्होंने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की जांच जारी है।

करीमनगर पुलिस ने दो बच्चों समेत तीन लोगों की बचाई जान

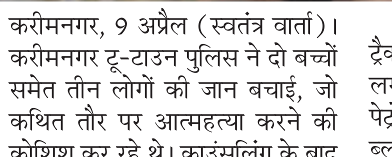

करीमनगर, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर टू-टाउन पुलिस ने दो बच्चों समेत तीन लोगों की जान बचाई, जो कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश कर रहे थे। काउंसलिंग के बाद तीनों को उनके परिवार से मिलाया गया। पुलिस के अनुसार विद्यानगर निवासी दशरथ ने पारिवारिक कलह के चलते आत्महत्या करने का फैसला किया। मंगलवार को वह अपनी दो बेटियों के साथ घर से निकल गया। इस बारे में पता चलने पर उसके ससुराल वालों ने करीमनगर टू-टाउन पुलिस को सूचित किया, जिसने उसके मोबाइल नंबर को ट्रैक करके दशरथम के ठिकाने का पता लगाया। कोठीरामपुर इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास उसका पता पाकर ब्लू कोल्ट के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्हें पुलिस स्टेशन ले गए। दशरथम के परिवार के सदस्यों को भी पुलिस स्टेशन बुलाया गया और सीआई सृजन रेड्डी ने उन्हें परामर्श दिया।

जूपल्ली आज 20वें दक्षिण एशिया होटल निवेश सम्मेलन में भाग लेंगे

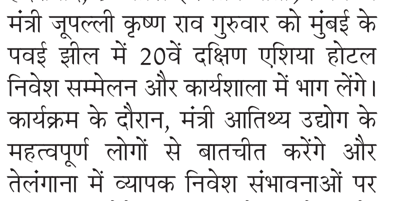

हैदराबाद, 9 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव गुरुवार को मुंबई के पवई झील में 20वें दक्षिण एशिया होटल निवेश सम्मेलन और कार्यशाला में भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री आतिथ्य उद्योग के महत्वपूर्ण लोगों से बातचीत करेंगे और तेलंगाना में व्यापक निवेश संभावनाओं पर प्रकाश डालेंगे।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन में, तेलंगाना सरकार पर्यटन क्षेत्र में पर्याप्त निवेश आकर्षित करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है। जुपल्ली कृष्ण राव इको-टूरिज्म, मंदिर पर्यटन और चिकित्सा पर्यटन के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेंगे, साथ ही नव विकसित तेलंगाना पर्यटन नीति का विवरण भी पेश करेंगे। मंत्री निवेशकों को आकर्षक प्रोत्साहन, कुशल प्रक्रियाएं और पर्यटन से संबंधित परियोजनाओं के लिए व्यापक सरकारी समर्थन की गारंटी देंगे।उन्होंने उल्लेख किया कि तेलंगाना सरकार ने 2020 तक 100 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। पर्यटन उद्योग में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे 3 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर पैदा होने का अनुमान है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence.H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Rrgd.: No. ap/hin/00196/01/1/97/TC.